THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 19 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **वैशाख कृ.2 2080 शनिवार, 8 अप्रैल 2023**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

चुनावी साल में सरकार ने खोला पिटारा

** सीएनजी-पीएनजी सस्ती होगी * अग्निवीरों को मिलेगा आरक्षण * नौकरियां भी मिलेंगी*

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में विधानसभा चुनाव का एलान हो चुका है। मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में नवंबर-दिसंबर में चुनाव होंगे, जबकि साल भर बाद देश में 2024 का आम चुनाव होगा। इन चुनावों के लिए सभी पार्टियां तैयारियों में जुटी हुई हैं। इस बीच सरकार ने नौकरी से लेकर रोजमर्रा की चीजों तक लोगों को राहत देने वाले कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। ऐसे में कयास लगाए जाने लगे हैं कि चुनावी साल में केंद्र सरकार सभी वर्गों को कुछ-न-कुछ राहत देकर अपनी राह आसान करना चाह रही है।

अग्निवीरों को 10 प्रतिशत आरक्षण

इस साल लाखों युवाओं के लिए सरकार सरकारी नौकरी का पिटारा खोलेगी। अकेले केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) 1.30 लाख कांस्टेबलों की भर्ती की जाएगी। इनमें 10 प्रतिशत पद अग्निवीरों के लिए आरक्षित होंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय के नोटिफिकेशन के मुताबिक, कुल 1,29,929 पदों में 1,25,262 पुरुष और 4,667 महिला अभ्यर्थियों के लिए होंगे। अर्थियों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास रखी गई है। भर्ती जनरल क्यूटी कैडर के कॉस्टेबल पदों के लिए है। इन्हें सामान्य केंद्रीय सेवा में ग्रुप-सी गैर-राजपत्रित श्रेणी में रखा जाएगा। सभी भर्तियां भारतीय नागरिकों के लिए हैं। सेवानिवृत्ति 60 वर्ष की आयु में होगी। आयु 18 से 23 वर्ष रखी गई है। जानकारी के मुताबिक, पहले बैच को अधिकतम आयु में पांच वर्ष और पूर्व अग्निवीरों को तीन वर्ष तक की छूट मिलेगी। इन्हें शारीरिक क्षमता परीक्षण (पीईटी) से भी नहीं गुजरना होगा। एससी-एसटी वर्ग के अभ्यर्थियों को आयु सीमा में पांच वर्ष व ओबीसी को तीन वर्ष की छूट मिलेगी। वहीं, 71 हजार युवाओं को पीएम नियुक्ति पत्र देंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 अप्रैल को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये 71 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। इनमें सर्वाधिक 50 हजार नौकरियां रेलवे विभाग की हैं।

एनपीएस की समीक्षा के लिए केंद्र ने बनाई समिति :

केंद्र सरकार ने नेशनल पेंशन प्रणाली (एनपीएस) की समीक्षा के लिए समिति का गठन कर दिया है। वित्त सचिव टीवी सोमनाथन समिति के अध्यक्ष होंगे, जबकि कार्मिक सचिव, विशेष सचिव (कार्मिक) व्यय विभाग और पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी के अध्यक्ष इसके सदस्य होंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 24 मार्च को संसद में इस कमेटी के गठन का प्रस्ताव रखा था। व्यय विभाग समिति के लिए सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

वित्त मंत्रालय के आदेशानुसार, समिति को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है कि क्या सरकारी कर्मचारियों के लिए एनपीएस के मौजूदा ढांचे और ताने-बाने में किसी तरह के बदलाव की जरूरत है? इसके लिए जो संदर्भ शर्तें तय की गई हैं, उनके अनुसार कोई भी बदलाव आवश्यक होने पर कमेटी एनपीएस में संशोधन की सिफारिशें करेगी। हालांकि, उसे सरकारी खजाने की सेहत, बजट पर पड़ने वाले असर का ध्यान भी रखना होगा, ताकि आम जनता के हित सुरक्षित रखने के लिए राजकोषीय विवेक बना रहे।

सरकारी कर्मचारी लंबे समय से पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग कर रहे हैं। उन्हें लग रहा है कि 2004 से लागू नई पेंशन योजना में उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद उतनी पेंशन नहीं मिल पाएगी, जिसमें उनका जीवनयापन ठीक से हो सकेगा। राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ सरीखे विपक्ष शासित राज्यों ने पुरानी पेंशन लागू कर केंद्र सरकार पर भी ऐसा करने का दबाव बना दिया है। हालांकि, केंद्र सरकार व अन्य भाजपा शासित राज्यों ने नई पेंशन योजना वापस लेने से इनकार कर दिया है।

नए फॉर्मूले से तय होंगे सीएनजी-पीएनजी के दाम, 10 प्रतिशत तक घटेंगी कीमतें

केंद्र सरकार ने घरेलू प्राकृतिक गैस की कीमत तय करने के लिए नए फॉर्मूले को मंजूरी दी है। साथ ही सीएनजी और पाइप से आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस की कीमतों की अधिकतम सीमा भी तय कर दी। इससे सीएनजी व पीएनजी के दाम 10 प्रतिशत तक घट जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में प्राकृतिक गैस पर किरीट पारिख समिति की सिफारिशों को मंजूरी दी गई।

सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि पारंपरिक क्षेत्र से उत्पादित प्राकृतिक गैस (एपीएम) को अब अमेरिका-रूस की तरह कच्चे तेल की कीमतों से जोड़ा जाएगा। पहले गैस कीमतों के आधार पर मूल्य तय होता था। अब एपीएम गैस की कीमत भारतीय बास्केट में कच्चे तेल के दाम का 10 प्रतिशत होगी। हालांकि, यह कीमत 6.5 डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश ताप इकाई (एमएमबीटीयू) से अधिक नहीं होगी। आधार मूल्य चार डॉलर प्रति एमएमबीटीयू रखा गया है। मौजूदा गैस कीमत 8.57 डॉलर है।

तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय जेल से रिहा

कोर्ट ने कहा-गवाहों को नहीं धमकाएंगे और देश छोड़कर नहीं जाएंगे

वारंगल, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। तेलंगाना के भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय को एसएससी पेपर लीक मामले में जमानत मिल गई है। वे शुक्रवार को जेल से रिहा हो गए। वारंगल मजिस्ट्रेट कोर्ट ने गुरुवार को 20 हजार रुपये के बॉन्ड पर बंडी संजय को जमानत दी थी। वहीं कोर्ट ने जमानत देते हुए शर्त लगाई कि बंडी संजय देश छोड़कर नहीं जाएंगे, जांच में सहयोग करेंगे और गवाहों को नहीं धमकाएंगे।

हाईकोर्ट से नहीं मिली थी राहत

बंडी संजय तेलंगाना के करीमनगर से लोकसभा सांसद हैं। उन्हें पुलिस ने मंगलवार देर रात एसएससी हिंदी पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किया था। बुधवार को बंडी संजय समेत 4 लोगों की 2 हफ्ते की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। इसके बाद संजय राहत के लिए हाईकोर्ट पहुंचे थे। हाईकोर्ट से उन्हें कोई राहत नहीं मिली थी। कोर्ट ने उनसे स्थानीय कोर्ट में याचिका लगाने को कहा था। साथ ही मामले की सुनवाई 10 अप्रैल को करने की बात कही थी।

पुलिस के मुताबिक, 4 अप्रैल को वारंगल में राज्य में सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट (एसएससी) बोर्ड के हिंदी का एग्जाम शुरू होने के कुछ ही देर में पेपर लीक हो गया था। पुलिस ने इस मामले में बंडी संजय को आरोपी बनाया था। पुलिस ने रिमांड रिपोर्ट में दावा किया कि संजय ने दो लोगों के साथ मिलकर पेपर लीक करने का प्लान बनाया था। पुलिस ने कहा कि ये पहले से प्लान की गई साजिश का मामला है। इसके जरिए आरोपी लोगों के बीच अफवाहें और अशांति फैलाना चाहते थे। इस मामले में 10 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इन पर आईपीसी की धारा 120बी (आपराधिक साजिश), 420 (धोखाधड़ी) और धारा 505 के तहत मामला दर्ज किया गया।

प्रधानमंत्री के दौरे से तीन दिन पहले गिरफ्तारी :

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 अप्रैल को तेलंगाना के दौरे पर रहेंगे। वे हैदराबाद में वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे।

पीएम के दौरे से ठीक तीन दिन पहले बंडी संजय की गिरफ्तारी से तेलंगाना की राजनीतिक माहौल गर्म हो गया था। बता दें कि राज्य में इसी साल के आखिरी महीने में विधानसभा चुनाव होने हैं।

तिहाड़ से मनीष सिसोदिया की देश को चिट्ठी

देश में 60 हजार सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति केस में आरोपी डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को तिहाड़ से देश के नाम चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शिक्षा पर सवाल उठाया। मनीष सिसोदिया शराब नीति केस में सीबीआई और ईडी के केस में आरोपी हैं। वे अभी तिहाड़ में बंद हैं। वे राउज एवेन्यू कोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट में जमानत के लिए अपील कर चुके हैं। मनी लॉन्ड्रिंग केस में जमानत पर 12 अप्रैल को सुनवाई होगी। कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत 17 अप्रैल तक बढ़ा चुकी है।

मनीष सिसोदिया की पूरी चिट्ठी

आज हम 21वीं सदी में जी रहे हैं। दुनियाभर में विज्ञान और टेक्नोलॉजी में हर रोज नई तरक्की हो रही है। सारी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की बात कर रही है। ऐसे में जब मैं प्रधानमंत्रीजी को यह कहते हुए सुनता हूं कि गंदे नाले में पाइप डालकर उसकी गैस से चाय या खाना बनाया जा सकता है तो मेरा दिल बैठ जाता है। आज देश का युवा एस्पिरेशनल है। वह कुछ करना चाहता है। वो अवसर की तलाश में है। वो दुनिया जीतना चाहता है।

साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में वो कमाल करना चाहता है। हाल के वर्षों में देश में 60 हजार सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। क्यों? एक तरफ देश की आबादी बढ़ रही है तो सरकारी स्कूलों की संख्या बढ़नी चाहिए थी? अगर सरकारी स्कूलों का स्तर अच्छा कर दिया जाता है तो लोग अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों से निकालकर सरकारी स्कूलों में भेजना शुरू कर देते, जैसा कि अब दिल्ली में होने लगा है।

लेकिन देशभर में सरकारी स्कूलों का बंद होना खतरे की घंटी है। इससे पता चलता है कि शिक्षा सरकार की प्राथमिकता है ही नहीं। अगर हम अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं देंगे तो क्या भारत तरक्की कर सकता है? कभी नहीं!

अमृतपाल के खिलाफ पंजाब पुलिस का 'ऑपरेशन 14 अप्रैल'!

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। खालिस्तान की मांग करने वाले कट्टरपंथी अमृतपाल को पकड़ने के लिए पंजाब पुलिस ने अपना पहरा बढ़ा दिया है। पंजाब पुलिस के सूत्रों के मुताबिक अमृतपाल की गिरफ्तारी बहुत जल्द होगी।

पंजाब में किसी तरीके की स्थिति बेकाबू ना हो, इसके लिए बाकायदा पंजाब में पुलिसकर्मियों की छुट्टियों को भी रद्द कर दिया गया है। 14 अप्रैल तक पुलिस की छुट्टियों के रद्द किए जाने से अनुमान लगाया जा रहा है कि पंजाब पुलिस 'ऑपरेशन 14 अप्रैल' को अमृतपाल की हर हाल में गिरफ्तारी कर लेगी। सूत्रों के मुताबिक यह गिरफ्तारी पाकिस्तान जा रहे श्रद्धालुओं के उस दस्ते के दौरान भी हो सकती है, जिसमें अमृतपाल भी भेष बदलकर पाकिस्तान जाने की फिराक में लगा हुआ है। फिलहाल अमृतपाल की गिरफ्तारी के मामले में गृह मंत्रालय भी पंजाब पुलिस से लगातार संपर्क में है।

संयुक्त आंध्र के आखिरी सीएम किरण कुमार रेड्डी भाजपा में शामिल

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस को लगातार दो दिन में दो बड़े झटके लगे हैं। भाजपा के स्थापना दिवस छह अप्रैल को केरल के पूर्व मुख्यमंत्री एके एंटनी के पुत्र अनिल एंटनी ने भाजपा का दामन थाम लिया था। इसके ठीक दूसरे दिन यानी सात अप्रैल को आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री किरण कुमार रेड्डी ने भाजपा का दामन थाम लिया। दक्षिण की राजनीति में अपने पैर पसारने की तैयारी कर रही भाजपा के लिए यह एक बड़ी सफलता है। किरण कुमार रेड्डी ने बीती 12 मार्च को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे को अपना इस्तीफा भेजा था। उसके बाद से ही किरण कुमार रेड्डी के भाजपा में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तेलंगाना दौरे के ठीक एक दिन पहले किरण कुमार रेड्डी के भाजपा में शामिल होने को विशेष महत्त्व माना जा रहा है।

भाजपा से जुड़ने के समय किरण कुमार रेड्डी ने कांग्रेस पर जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का वर्तमान नेतृत्व यह नहीं समझ पा रहा है कि किस नेता को किस स्तर पर क्या जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। इसके कारण पार्टी के अनेक नेताओं में गहरा असंतोष है। उन्होंने कहा कि उनका परिवार कई दशकों से कांग्रेस के प्रति समर्पित रहा है, लेकिन उनके जैसे नेताओं की उपेक्षा से पार्टी लगातार कमजोर हो रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का भविष्य इसी बात से समझा जाना चाहिए कि एक समय 400 से ज्यादा सीटें हासिल करने के बाद आज वह अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है, जबकि एक समय केवल दो सीटों पर रहने वाली भाजपा लगातार आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की सेवा में लगातार लोगों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि दूसरी तरफ कोई अपने लोगों को संभाल कर रख पाने में भी असमर्थ हो रहा है।

आंध्र प्रदेश के चार बार विधायक और स्पीकर रहे किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि भाजपा का पूरा नेतृत्व राष्ट्र निर्माण की भावना से आगे बढ़ रहा है। पार्टी नेताओं के साथ-साथ भाजपा का सामान्य कार्यकर्ता भी इसी भावना से आगे बढ़ रहा है। यह भावना आसानी से नहीं आती है, इसके लिए लंबे समय से भाजपा के शीर्ष नेताओं ने परिश्रम किया है और कार्यकर्ताओं के लिए दिशा-निर्देश दिए हैं। भाजपा की नीति और दिशा बिल्कुल साफ है।

> संयुक्त आंध्र प्रदेश के रहे आखिरी मुख्यमंत्री

किरण कुमार रेड्डी संयुक्त आंध्र प्रदेश के आखिरी मुख्यमंत्री रहे। साल 2014 में जब तत्कालीन यूपीए सरकार ने आंध्र प्रदेश का बंटवारा कर उसे आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में विभाजित करने का फैसला किया तो किरण कुमार रेड्डी ने सरकार के इस फैसले का विरोध किया था। किरण रेड्डी ने विरोध स्वरूप कांग्रेस से इस्तीफा देकर अपनी अलग पार्टी जय समैक्य आंध्र बनाई थी। हालांकि साल 2018 में वह फिर से कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

कोरोना पर मंडाविया ने स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ की बैठक

10-11 अप्रैल को मॉक ड्रिल के निर्देश

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसको देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में आज सभी राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों की उच्च स्तरीय बैठक हुई। इस दौरान मंडाविया ने सभी से सतर्क रहने को कहा। उन्होंने कहा कि डरने की जरूरत नहीं है। हमें भ्रम से बचना होगा। कोरोना की जांच और जीनोम सीवेंक्सिंग बढ़ानी होगी। इससे पहले देशभर में बीते 24 घंटे में कोरोना के पांच हजार से ज्यादा लोग संक्रमित मिले हैं। इससे पहले गुरुवार को कोरोना के पांच हजार से ज्यादा केस आए थे, जो छह महीने में सबसे अधिक है।

बैठक के बाद झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ संवाद किया। कुछ राज्यों में कोरोना के कुछ मामले सामने आने लगे हैं, हमने निवेदन किया है कि देश के स्तर पर कोई एसओपी जारी करें ताकि इसे समय रहते रोका जाए। उन्होंने मॉक ड्रिल के निर्देश दिए हैं तो हम 10-11 तारीख को मॉक ड्रिल कराएंगे।

हम नौ तारीख को सभी संबंधित अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक करेंगे और राज्य में तैयारियों की समीक्षा करेंगे। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, नए मरीजों की संख्या बढ़ने के चलते सक्रिय मामले भी बढ़कर 25,587 तक पहुंच गए हैं। बीते दिन 2,826 मरीजों को स्वस्थ घोषित किया गया। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कोरोना की जांच बढ़ने के साथ ही संक्रमित रोगियों की संख्या बढ़ती दिखाई दे रही है।

एससी-एसटी एक्ट मामले में सात किसान बरी

ठाणे, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने एससी-एसटी एक्ट के तहत गिरफ्तार सात किसानों को बरी करने का आदेश दिया है। आदिवासी किसानों पर आरोप था कि उन्होंने गांव के एक व्यक्ति की पिटाई की थी। जिसमें पीड़ित व्यक्ति घायल हो गया था। पीड़ित की शिकायत पर सातों किसानों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। विशेष जज (एससी-एसटी एक्ट) एएस भागवत ने अपने आदेश में कहा कि अभियोजक पक्ष आरोपों को साबित करने में विफल रहा। जिसके बाद कोर्ट ने आरोपियों को बरी करने का आदेश दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, जुलाई 2016 में आरोपियों ने लाठी-डंडों के साथ पीड़ित पर हमला किया। पीड़ित खड़कपाड़ा के वासुरी गांव का निवासी है और ठाकुर समुदाय से ताल्लक रखता है। आरोप था कि आरोपियों ने पीड़ित की झोपड़ी में भी तोड़-फोड़ की और उसके सामान को भी सड़क पर फेंक दिया था।

विपक्ष देश को बेचना चाहता है : रामभद्राचार्य

हिंदुत्व को देव मानो, भारत में रहना है तो जय श्रीराम-वंदे मातरम कहना होगा

आगरा, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य महाराज ने आगरा में कहा, हिंदुत्व देवो भव और राष्ट्र देवो भव। हिंदुत्व को देव मानो, भारत को राष्ट्र मानो। क्योंकि विपक्ष इस देश को बेचना चाहता है। लेकिन हम ऐसा होने नहीं देंगे। जिसे अब भारत में रहना होगा। उसको जय श्रीराम कहना होगा। अब कोई ये नहीं कह सकता है कि वंदे मातरम नहीं कहेंगे। भारत में रहना होगा, तो वंदे मातरम कहना होगा। बता दें कि स्वामी रामभद्राचार्य महाराज आगरा के चित्रकूट धाम में बने कोठी मीना बाजार पर श्रीराम कथा के चौथे दिन बोल रहे थे।

ट्रिपल तलाक खत्म हुआ, अभी दो-तीन काम बाकी हैं

स्वामी रामभद्राचार्य ने कहा कि कश्मीर हमारा है, हमारा ही रहेगा। धारा 370 हटा दी। 35ए समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म में महिलाओं का जितना सम्मान होता है। उतना कहीं नहीं होता।

एक-एक महिला से 25-25 बच्चे पैदा करके उसका शोषण करते हैं। तीन बार तलाक-तलाक कहकर उसे निकाल देते थे। उस ट्रिपल तलाक को खत्म किया। अभी दो-तीन काम बाकी हैं। समान नागरिक संहिता भी लागू होनी चाहिए। भारत में जितने लोग हैं सभी के लिए एक नियम होना चाहिए।

अपनी मां और जन्मभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ :

स्वामी रामभद्राचार्य महाराज ने कथा में कहा कि अपनी माता और अपनी जन्मभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ होती है। माता हमारी स्वर्ग से भी बड़ी है, इनका अपमान करके कोई भी सुखी नहीं रह सकता। शहर में जगह-जगह वृद्ध आश्रम बने हुए हैं, मैं कहता हूं कि ऐसी स्थिति ना आए की वृद्ध आश्रम बनाने पड़े। उन्होंने महिलाओं से कहा कि एक बार सासू मां की सेवा करके लाखों पार्वती पूजा का फल मिल जाता है। अन्य कथावाचकों के लिए कहा कि मैं शुद्ध कथा सुनाता हूं। अन्य वक्ताओं से कहना चाहूंगा कि वो शुद्ध कथा सुनाइए। नाच गाना बंद कीजिए। भगवान राम में 5 देवता विद्यमान हैं। पहले गणपति, दूसरे शिवजी, तीसरे विष्णु, चौथे सूर्य देव और पांचवी दुर्गा। रामभद्राचार्य ने कहा, डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा रचित संविधान के पहले पन्ने पर भी सीताराम का ही चित्र था। जिस पर 100 लोगों के हस्ताक्षर हुए। हम 2000 वर्ष सोते रहे। विदेशी लोगों ने हमारा सर्वनाश कर दिया।

मुंबई में 1000 करोड़ के स्टूडियो पर चला बुलडोजर

रामसेतु और आदिपुरुष जैसी बड़े बजट वाली फिल्में यहां शूट हुई थी

मुंबई, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई के मढ इलाके में समुद्र किनारे बने अवैध स्टूडियो पर बीएमसी ने शुक्रवार सुबह बुलडोजर चला दिया। इस मामले की शिकायत बीजेपी नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि यह अवैध स्टूडियो पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे और असलम शेख की शह पर बनाया गया था।

करीब 5 लाख वर्ग फीट में फैला यह हाईटेक स्टूडियो साल 2021 में बना था। इसे बनाने में करीब एक हजार करोड़ रुपये खर्च हुए थे। इसमें 'रामसेतु' और 'आदिपुरुष' जैसी कई बड़े बजट की फिल्मों की शूटिंग हुई। रामसेतु का बजट 150 करोड़ और आदिपुरुष का बजट 600 करोड़ बताया जाता है। सुबह करीब 11 बजे भाजपा नेता किरीट सोमैया ने स्टूडियो का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से कहा कि ठाकरे सरकार के भ्रष्टाचार के स्मारक को आज नष्ट कर दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बना यह स्टूडियो पूर्व मंत्रियों आदित्य ठाकरे और असलम शेख की शह पर बना था। इस निर्माण के खिलाफ हम दो साल से संघर्ष कर रहे थे।

क्या है पूरा मामला :

किरीट सोमैया ने मलाड में 49 अवैध स्टूडियो और 22 अवैध बंगलों को गिराने की बीएमसी से मांग की थी। हालांकि उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। सोमैया का आरोप है कि तत्कालीन मंत्रियों और अफसरों ने इस मामले में आंखें मूंद रखी थीं। स्टूडियो बनाते समय नगर पालिका से भी परमिशन नहीं ली गई थी। इसके बाद स्टूडियो के आसपास भी अवैध तरीके से निर्माण किए गए।

9 अप्रैल को भाजपा कर सकती है प्रत्याशियों का फैसला

के सुधाकर ने सुरजेवाला पर किया पलटवार

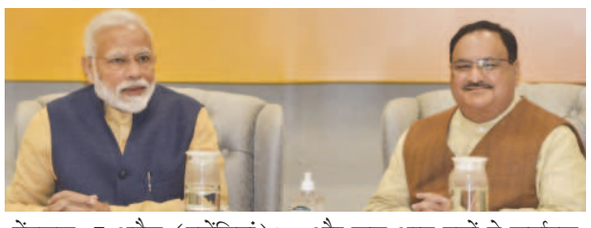

बेंगलूरू, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। सुरजेवाला को भाजपा नेता और सरकार में मंत्री के सुधाकर ने जवाब दिया है। के सुधाकर ने कहा कि मैं सुरजेवाला से पूछना चाहता हूं कि वे हमारी लिस्ट को लेकर इतने परेशान क्यों हैं, क्या उन्हें अपने सदस्यों पर भरोसा नहीं है, वे क्यों हमारी लिस्ट का इंतज़ार कर रहे हैं? यह हमारी रणनीति का हिस्सा है, हमें पता है कब घोषणा करनी है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दल आपने अपनी तैयारियों में जुटे हुए हैं। कांग्रेस और कुछ अन्य दलों ने कर्नाटक में अपने प्रत्याशियों की घोषणा करनी शुरू कर दी है। हालांकि, सत्तारूढ़ भाजपा ने अब तक अपने प्रत्याशियों की सूची जारी नहीं की है। इसको लेकर भी कांग्रेस की ओर से राजनीति हो रही है। कांग्रेस लगातार भाजपा से सवाल पूछ रही है। कांग्रेस का तो दावा है कि भाजपा को प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं। इसलिए पार्टी अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं कर पा रही है। हालांकि, इस को लेकर भाजपा की ओर से भी जवाब दिया जा रहा है।

'श्रीराम का सम्मान, हिंदुत्व का धनुषबाण'

सीएम एकनाथ शिंदे की आज से दो दिनों की अयोध्या यात्रा

मुंबई, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का आज से दो दिनों का अयोध्या दौरा है। वैसे तो वे पहले भी अयोध्या आकर भगवान श्रीराम के दर्शन कर चुके हैं, लेकिन मुख्यमंत्री की हैसियत से वे पहली बार अयोध्या आ रहे हैं। सीएम शिंदे के साथ उनके समर्थक सांसद और विधायक भी अयोध्या यात्रा में शामिल होंगे। ठाणे और नासिक से अयोध्या के लिए ट्रेन में एकनाथ शिंदे के समर्थक अयोध्या के लिए रवाना होंगे।

अपने अयोध्या दौरे में सीएम शिंदे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात करेंगे। सीएम शिंदे 8 अप्रैल को लखनऊ पहुंचेंगे और 9 अप्रैल (रविवार) को भगवान श्रीराम के दर्शन करेंगे। 9 अप्रैल की शाम को उनकी यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ मुलाकात का कार्यक्रम है। अयोध्या में लखनऊ-अयोध्या मार्ग पर सीएम एकनाथ शिंदे की अयोध्या यात्रा से संबंधित पोस्टर और बैनर लगे हुए हैं। पोस्टरों में लिखा है- 'श्रीराम के सम्मान के लिए, हिंदुत्व का धनुषबाण लिए चलो अयोध्या' आज एकनाथ शिंदे की शिवसेना कीओर से सीएम की अयोध्या यात्रा को लेकर एक नया टीजर भी जारी किया गया।

सीएम शिंदे की अयोध्या यात्रा की तैयारियां जोरों पर, श्रीराम का नाम पोस्टरों पर

मुख्यमंत्री के अयोध्या दौरे की जिम्मेदारी नासिक के शिवसेना के पार्टी पदाधिकारियों को सौंपी गई है। इसके लिए नासिक से एक स्पेशल ट्रेन आरक्षित की गई है। 13 हजार से ज्यादा शिवसैनिक भी अयोध्या जा रहे हैं। सीएम शिंदे राम मंदिर जाकर महाआरती करेंगे। वे सरयू नदी के किनारे भी आरती करेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करेंगे और उनसे अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा करेंगे। सीएम एकनाथ शिंदे के अयोध्या पहुंचने से पहले अयोध्या में उनके 'चलो अयोध्या' के पोस्टर-बैनर लगे हैं, जिनसे सारा वातावरण राममय हो गया है।

महाआरती और राम लला के दर्शन का कार्यक्रम, भगवामय हुआ वातावरण

अयोध्या के हनुमान गढ़ी, राम मंदिर परिसर में जगह-जगह एकनाथ शिंदे के स्वागत में पोस्टर लगे हैं। इन पोस्टरों और बैनरों पर प्रभु श्रीराम और छत्रपति शिवाजी महाराज के चित्र हैं। इनके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे, धर्मवीर आनंद दिघे, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के चित्र हैं। इनके साथ मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का बड़ा फोटो लगा है। पोस्टर में शिवसेना का झंडा और धनुषबाण का निशान भी अंकित है। इस तरह इन पोस्टरों और बैनरों से माहौल भगवामय हो गया है।

मुंबई पुलिस का खुलासा

दर्शन सोलंकी ने ही लिखा था अपना सुसाइड नोट

मुंबई, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। आईआईटी बॉम्बे के 18 वर्षीय छात्र दर्शन सोलंकी की आत्महत्या मामले में मुंबई पुलिस के विशेष जांच दल को सुसाइड नोट मिला था। अब पुलिस ने स्पष्ट कर दिया है कि यह नोट छात्र ने मरने से पहले खुद ही लिखा है। इस मामले में अब तक 35 लोगों के बयान दर्ज कराए जा चुके हैं। सामने आया है कि आत्महत्या करने से एक हफ्ते पहले दर्शन की अपने साथी छात्रों से बहस हुई थी। मुंबई पुलिस एसआईटी ने बताया था कि सुसाइड नोट में मृतक दर्शन सोलंकी ने साथी और वरिष्ठ छात्रों पर उसे परेशान करने और धमकी देने का आरोप लगाया है। जांच के बाद, मुंबई पुलिस एसआईटी ने खुलासा किया कि उनकी आत्महत्या के कारणों में से एक उन पर जातिगत टिप्पणियां भी हैं, पुलिस उन छात्रों से पूछताछ कर रही है, जिनके नाम सुसाइड नोट में हैं।

18 वर्षीय दर्शन सोलंकी ने रविवार, 12 फरवरी, 2023 को आईआईटी के पवई परिसर में कथित तौर पर एक छात्रावास की इमारत की सातवीं मंजिल से छलांग लगाई थी। जिससे उसकी मौत हो गई। दाखिले के तीन माह के भीतर ही हुई इस घटना पर परिवार ने साजिश का संदेह जताया था। हालांकि, उस वक्त एक छात्र समूह ने आरोप लगाया था कि कैंपस में अनुसूचित जाति के छात्रों के साथ भेदभाव ने उसे आत्महत्या के लिए परेशान किया था।

मद्रास हाईकोर्ट अब हाइब्रिड मोड में करेगा सुनवाई

बार के सदस्यों और वादियों को दी ये सलाह

चेन्नई, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों ने लोगों में दहशत बढ़ानी शुरू कर दी है। इस बीच मद्रास हाईकोर्ट ने 10 अप्रैल से हाइब्रिड/वर्चुअल आधार पर सुनवाई करने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि कोरोना संक्रमण के मामलों में आई तेजी की वजह से मद्रास हाईकोर्ट और इसकी मदुरै बेंच ने हाइब्रिड मोड में सुनवाई करने का फैसला किया है। मद्रास हाईकोर्ट की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि कोर्ट में उपस्थित होने वाले बार के सदस्यों और वादियों को सलाह दी जाती है कि वे अपने मामलों की सुनवाई के लिए वर्चुअल/हाइब्रिड सुविधा का इस्तेमाल करें। बार के सदस्यों से अनुरोध है कि ई-फाइलिंग की सुविधा का इस्तेमाल ज्यादा से ज्यादा करें। इसे केवल जमानत याचिकाएं दाखिल करने के लिए न करें।

भारत में लगातार बढ़ रहा कोरोना संक्रमण

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार (7 अप्रैल) को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, देश भर में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के 6050 नए मामले रिकॉर्ड किए गए हैं। इन नए मामलों के साथ ही देश में कोरोना एक्टिव केस की संख्या बढ़कर 28,303 पहुंच गई है। बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के मामलों में 13 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया है। वहीं, बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के चलते 14 मरीजों की मौत हुई है।

नहीं आएगी चौथी लहर- एक्सपर्ट

कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर एक्सपर्ट का कहना है कि संक्रमण के मामलों की संख्या से घबराने की जगह सावधान रहने की जरूरत है। एक्सपर्ट का मानना है कि कोरोना मामलों में दर्ज की जा रही तेजी किसी नई लहर का संकेत नहीं है। एक्सपर्ट के मुताबिक, संक्रमण के मामलों में आया उछाल कुछ दिनों में कम हो सकता है। उन्होंने दावा किया कि अप्रैल के दूसरे हफ्ते से कोरोना मामलों में गिरावट शुरू हो सकती है।

कैश, शराब और सोना

कर्नाटक चुनाव से पहले मुफ्त बांटने के लिए लाए थे 70 करोड़

बेंगलूरू, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टी प्रचार प्रसार में जुटी है। चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद से राज्य में मुफ्त के प्रलोभन का दौर शुरू हो गया है। वहीं सूबे के निप्पनी, भद्रावती, गडग और नरगुंड क्षेत्र से गुरुवार को 4.45 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की गई है। चुनाव आयोग (ईसी) ने कहा कि 29 मार्च, 2023 को आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू होने के बाद से चुनावी राज्य कर्नाटक में अब तक कम से कम 69,36 करोड़ रुपये की नकदी, शराब और कई सामग्री जब्त की है।

69 करोड़ का सामान जब्त, 526 एफआईआर

कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने एक प्रेस रिलीज में कहा कि जब्त की गई राशि में नकदी (22,75 करोड़ रुपये), शराब (24,45 करोड़ रुपये) और मुफ्त के सामग्री के रुप में (12 करोड़ रुपये) शामिल हैं। जब्त की गई सामग्री में नगदी, शराब, सामग्री, ड्रग्स मिलाकर कुल 69 करोड़ 36 लाख 17 हजार 467 रुपये के सामान शामिल है।

बरामदगी के संबंध में अभी तक कुल 526 प्राथमिकी दर्ज की गई है। चुनाव आयोग ने एक नोट में कहा कि स्टेटिक सर्विलांस टीम ने धारवाड़ निर्वाचन क्षेत्र से लगभग 45 लाख रुपये का 725 ग्राम सोना जब्त किया है, जबकि फ्लाइंग स्क्वाड टीम ने बेंगलुरु शहर के एक निर्वाचन क्षेत्र में करीब 34 लाख रुपये से अधिक का मुफ्त सामान जब्त किया। वहीं 6 अप्रैल के ही बेलगावी के खानापुर तालुक इलाके से नगदी के रुप में 4,61 करोड़ रुपये और 395 ग्राम सोना (21,25 करोड़) बरामद की गई है।

राहुल गांधी के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिले सिद्धू, बांधे तारीफों के पुल

चंडीगढ़, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। रोडरेज मामले में सजा काट कर एक अप्रैल को जेल से बाहर आए नवजोत सिद्धू एक्टिव हो गए हैं। जेल से बाहर आने के बाद से वे मुलाकातों में व्यस्त हैं। पहले उन्होंने सिद्धू मूसेवाला के परिजनों से मुलाकात कर सरकार से न्याय मांगा। इसके बाद वे दिल्ली में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से मिले। इसी क्रम में सिद्धू ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भी मुलाकात की। इसकी जानकारी उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल से भी दी। सिद्धू ने ट्वीट किया-9 बार के विधायक, तीन बार सांसद, वंचितों के चैंपियन, सच्चाई की आवाज... विश्वसनीयता जिसका नाम मल्लिकार्जुन खड़गे... माननीय कांग्रेस अध्यक्ष से मिले और उनका आशीर्वाद लिया, वह पार्टी के लिए सकारात्मक ऊर्जा और सौभाग्य लेकर आए।' इस फोटो में उनके साथ कांग्रेस नेता जयराम रमेश भी दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल से भी मुलाकात की। सिद्धू ने ट्वीट किया-एक बुद्धिमान व्यक्ति के साथ एक बातचीत महीनों की शिक्षा के लायक है.....। संगठन की ताकत का स्तंभ केसी वेणुगोपाल से मिले और उनका आशीर्वाद लिया।

राहुल और प्रियंका से की थी मुलाकात

नवजोत सिंह सिद्धू ने गुरुवार को नई दिल्ली में राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा से मुलाकात की थी। सिद्धू ने कहा कि उनकी अपने 'नेताओं' और पंजाब राज्य के लिए उनकी प्रतिबद्धता अटल रहेगी। सिद्धू ने ट्वीट किया था- आज नई दिल्ली में अपने गुरु राहुल जी और मित्र, दार्शनिक, मार्गदर्शक प्रियंका जी से मिला। आप मुझे जेल में डाल सकते हैं, मुझे डरा सकते हैं, मेरे सभी वित्तीय खातों को ब्लॉक कर सकते हैं लेकिन पंजाब और मेरे नेताओं के लिए मेरी प्रतिबद्धता न तो झुकेगी और न ही एक इंच पीछे हटेगी!

हरियाणा में आईएएस अफसरों की 'लड़ाई'

वाड्रा केस में क्लीन चिट वाले अफसर की नियुक्ति से खेमका नाराज, विरोधी आईएएस बोले- 'खिसियानी बिल्ली खंबा नोचे'

चंडीगढ़, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के चर्चित आईएएस अशोक खेमका भाजपा-जजपा सरकार से नाराज हो गए हैं। इस बार वजह स्काईलाइट-डीएलएफ लैंड डील को लेकर है। इस डील में वाड्रा को क्लीन चिट देने वाले रिटायर्ड आईएएस अधिकारी को दोबारा नियुक्ति देने पर अशोक खेमका की नाराजगी उभरी है। खेमका ने ट्वीट कर लिखा- 2014 में भी इस मामले में नई सरकार (भाजपा सरकार) ने कुछ नहीं किया। ऐसा करना जुर्म करने की संस्कृति को बढ़ावा देने जैसा है। कोई गलती करता जाए और उसे कोई सजा न दी जाए। सेवानिवृति के बाद एक आरामदेह और रुतबे वाली जिंदगी सरकार ने दी है। हालांकि खेमका को उनके विरोधी आईएएस ने इशारों में जवाब दिया कि कुछ लोगों की प्रतिष्ठा दूसरों की निंदा करने में ही है। उन्होंने इसे 'खिसियानी बिल्ली खंबा नोचे' करार दिया।

अशोक खेमका ने ट्वीट कर अपना विरोध जाहिर किया है। ट्वीट में उन्होंने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करते हुए लिखा है कि पूर्व की भूपेंद्र सिंह हुड्डा सरकार के दौरान दिसंबर 2012 में स्काईलाइट - डीएलएफ लैंड डील मामले की जांच के लिए गठित 3 आईएएस अफसरों की कमेटी ने इस मामले में क्लीन चिट दी थी। अशोक खेमका ने कांग्रेस सरकार के समय वाड्रा डीएलएफ लैंड डील को लेकर सवाल खड़े किए थे। भाजपा ने इसे चुनाव के दौरान राष्ट्रीय मुद्दा बनाया था। 2014 के चुनाव में इस लैंड डील को लेकर पार्टी ने प्रचार सामग्री तक छपवाई थी, लेकिन जब पार्टी सत्ता में आई तो इस मामले में कोई भी कार्रवाई अभी तक नहीं की गई।

इसके बाद इस डील को क्लीन चिट देने वाले अधिकारी को दोबारा पद देने पर खेमका का यह दर्द छलका है। खेमका के ट्वीट पर उनके विरोधी आईएएस अधिकारी संजीव वर्मा ने पलटवार किया है। वर्मा ने कहा है कि कई लोगों की प्रतिष्ठा दूसरों की निंदा परायण पर ही आधारित होती है। निंदा करके उनके अहम को तुष्टि मिलती है।

इश्क में पति बन रहा था रोड़ा, लवर के साथ मिलकर उतारा मौत के घाट

पुरुलिया, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में एक पत्नी ने हैवानियत की हद पार कर दी है। एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की धारदार हथियार से हत्या करने और उसके शव को नमक से गलाने की योजना बनाई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने 45 वर्षीय पति की कथित तौर पर धारदार हथियार से हत्या कर दी और सबूत मिटाने के लिए उसके शरीर पर नमक डाल कर गाड़ दिया। पिछले महीने के आखिर में जुरान महतो नाम के शख्स की लाश बरामद हुई थी। 25 मार्च को पुरुलिया के जयपुर थाना क्षेत्र में घर के पास एक गड्ढे के पास व्यक्ति का शव मिला था। उक्त घटना में मृतक की पत्नी उत्तरा महतो व उसके प्रेमी क्षेत्रपाल महतो को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

महाराष्ट्र का ये बाबा गर्म तवे पर बैठकर देता है आशीर्वाद, दूसरा बाबा करता है ये कारनामा

मुंबई, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में एक बार अलग-अलग जिलों में अंधविश्वास बढ़ता ही जा रहा है। अलग-अलग जिलों में बाबा लोग अलग-अलग तरीकों से जनता को गुमराह कर रहे हैं जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। हाल ही में अमरावती के संत गुरुदास महाराज की एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।महाराष्ट्र में एक बार अलग-अलग जिलों में अंधविश्वास बढ़ता ही जा रहा है। अलग-अलग जिलों में बाबा लोग अलग-अलग तरीकों से जनता को गुमराह कर रहे हैं जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। हाल ही में अमरावती के संत गुरुदास महाराज की एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक वीडियो में एक व्यक्ति गर्म तवे पर बैठे हुए नजर आ रहे हैंऔर तवे पर बैठे-बैठे ही वह अपने भक्तों को आशीर्वाद देते नजर आ रहे हैं। एबीपी न्यूज के रिपोर्टर से बातचीत में उस संत ने बताया कि उसका जो वीडियो वायरल हो रहा है वह एक महीने पहले का है, जब शिवरात्रि का त्योहार चल रहा था। बाबा ने कहा, उस दौरान वह भगवान की सिद्धि में थे और इसी वजह से वह गर्म तवे पर बैठ सके थे और वह अपने काम से अंधश्रद्धा को बढ़ावा नहीं दे रहे हैं।

'पुलिस को बाबा की तलाश'

इस वीडियो के वायरल होने के बाद अंधविश्वास उन्मूलन समिति ने बाबा को चुनौती दी। अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के हरीश केदार ने कहा, अगर बाबा का चमत्कार वास्तविक है तो उनको यह चमत्कार हमारे सामने साबित करना होगा, अगर वह इसको साबित कर देंगे तो हम उनको 30 लाख रुपये का इनाम देंगे लेकिन अगर वह गलत हुए तो उनके खिलाफ अंधविश्वास निर्मूलन अधिनियम के तहत मामला दर्ज करेंगे। इस वीडियो के वायरल होने के बाद से बाबा फरार है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के मुताबिक तथाकथित बाबा पहले दिहाड़ी मजदूर था। हालांकि पुलिस अभी बाबा की तलाश कर रही है।

ये बाबा पानी में तैरकर दे रहा है आशीर्वाद

महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में बाबा हरिभाऊ वायरल हो रहे हैं, जो दावा करते हैं कि पिता से सीखी हुई विद्या के कारण वह पानी में बिना हाथ पैर हिलाए तैर सकते हैं। अब कई लोग इसे चमत्कार का नाम दे रहे हैं तो वहीं कई लोग इसे अंधविश्वास मान रहे हैं। बाबा कुएं के पानी पर पीठ के बल तैरकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। बाबा इस कला को राजविद्या करार दे रहे हैं। बाबा का दावा है, यह विद्या भगवान का जाप और ज्ञानेश्वरी परायण के पठन से ही प्राप्त होती है। बाबा कहते हैं कि उन्होंने यह विद्या पिता परशुराम से सीखी। बाबा का दावा है कि यदि कोई 14 महीनों तक उपवास करता है, ब्रम्हचारी बना रहता है, भगवान का जाप और ज्ञानेश्वरी का पाठ सच्ची आस्था से करता है तो वह भी पानी पर बिना हाथ पर हिलाए तैर सकता है। बता दें कि बाबा गांव-गांव जाकर भागवत गीता पाठ और कीर्तन करते हैं। बाबा के इस दावे के बाद अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति ने चुनौती दी। उन्होंने भी बाबा की तरह ही पीठ के बल कुएं के तैरकर भी दिखाया। निर्मूलन समिति का कहना है कि यह केवल एक अभ्यास कला है।

भाजपा में जाने की अफवाहों के बीच पूर्व सीएम चन्नी के घर पहुंचे शशि थरूर

राजनीतिक माहौल पर चर्चा

चंडीगढ़, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के सीनियर नेता शशि थरूर ने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी से मुलाकात की है। थरूर उनके निवास स्थान खरड़ पहुंचे हुए थे। इस दौरान उन्होंने जहां पंजाब के मौजूदा राजनीतिक माहौल पर चर्चा की, वहीं चन्नी ने अपने पीएचडी के थीसिस के बारे में भी उन्हें बताया।

थीसिस का विषय भी कांग्रेस पार्टी से जुड़ा है। थरूर ने इस मुलाकात की फोटो अपने ट्विटर हैंडल से शेयर की हैं। थरूर चरणजीत सिंह चन्नी के खरड़ स्थित घर पर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने चन्नी के परिवार से भी मुलाकात की। थरूर ने परिवार के साथ की भी कुछ फोटो शेयर की हैं। याद रहे कि यह मुलाकात उस समय हुई है जब सोशल मीडिया पर चर्चा चल रही थी कि चन्नी बीजेपी में शामिल हो रहे हैं। हालांकि इसकी कोई पुष्टि नहीं कर रहा है।

पश्चिम बंगाल में दिनदहाड़े टीएमसी नेता की हत्या, भरे बाजार में बदमाशों ने मारी गोली

कोलकाता, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में एक टीएमसी नेता की दिनदहाड़े भरे बाजार हत्या कर दी गई। घटना नदिया के हंसखली थाना क्षेत्र के रामनगर बड़ा चौपरिया गांव की है। मारे गए तृणमूल नेता की पहचान आमोद अली बिस्वास के रूप में की गई है। आमोद अली बिस्वास बाकी दिनों की तरह बाजार गए थे। इस दौरान बदमाशों ने उन्हें दुकान से बाहर बुलाकर उन पर गोलियां बरसा दीं। आमोद अली रामनगर बड़ा चौपड़िया नंबर 1 के तृणमूल कांग्रेस के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष थे।

दुकान से बाहर बुलाकर मारी गोली

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टीएमसी नेता बिस्वास बाजार में एक चाय की दुकान पर बैठे थे। इस दौरान कुछ लोग वहां आए और उन्हें बाहर बुलाया। बिस्वास जैसे ही बाहर निकलें उनके ऊपर गोलियों की बरसात शुरू हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, बदमाश चेहरे पर कपड़ा बांधे हुए थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के पीछे किसी तरह की राजनीतिक साजिश की आशंका की भी जांच की जा रही है। राज्य में पंचायत चुनाव करीब आने के साथ ही राज्य में हिंसा की घटनाओं में वृद्धि देखी जा रही है। तृणमूल नेता की दिनदहाड़े हत्या से राज्य में कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

दिल्ली के कारोबारी से चुराए गए 6.54 करोड़ रुपये झारखंड से बरामद

गुमला, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के गुमला जिले में पुलिस ने 22 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और उसके पास से दिल्ली में एक कारोबारी से कथित रूप से चुराई गई करीब 6,54 करोड़ रुपये की नकदी बरामद की है। गुमला के पुलिस अधीक्षक (एसपी) एहतेशाम वकारिब ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने एक बस को रोका और बस से एक संदिग्ध को हिरासत में लिया। एसपी ने बताया कि जांच के दौरान ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में डालटनगंज से राउरकेला जा रही, बस के सामान रखने वाले कंपार्टमेंट में पांच बैग में पैसे रखे मिले थे। हालांकि, दिल्ली के कारोबारी का एक कर्मचारी सहित उसके दो साथी भाग गए। एसपी ने कहा कि रांची से आयकर विभाग के अधिकारी गुमला पहुंचकर गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में जुटे हैं। उन्होंने बताया कि मशीनों की मदद से बृहस्पतिवार को एक बैंक के अधिकारियों ने 6,53,97,730 रुपये नकदी की गिनती की। ये नकदी दिल्ली के करोलबाग इलाके में सोना व्यापारी के पास से चुराई गई थी।

मनचलों ने रोका छात्रा का रास्ता: फ्रेंडशिप न करने पर थप्पड़ मारे; बोले- तू कहीं मुंह दिखाने लायक नहीं रहेगी

अंबाला, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला में एक युवक ने छात्रा का रास्ता रोक कर फ्रेंडशिप करने का दबाव बनाया। फ्रेंडशिप न करने पर बदतमीजी करते हुए छात्रा को उसने थप्पड़ मारे। मनचले ने धमकी दी कि वह दोस्तों के साथ मिलकर उसे रास्ते से उठा लेगा। उसके साथ वो होगा, जिससे वो किसी को मुंह दिखाने लायक नहीं रहेगी।

पीड़िता ने मुलाना थाना में शिकायत सौंप न्याय की गुहार लगाई है। गांव रामगढ़ निवासी युवती ने बताया कि वह पॉलिटेक्निक कॉलेज में पढ़ती है। बुधवार को वह कॉलेज से वापस अपने घर लौट रही थी। वह मुलाना बस स्टैंड पर उतर अपने घर जाने लगी। इसी बीच, उसके गांव का युवक अभिषेक अपने 3 अन्य साथियों के साथ आया और उससे गलत हरकत करने लगा।

बोला, दोस्तों के साथ गलत काम करुंगा

पीड़िता ने आरोप लगाए कि यहां अभिषेक ने बदतमीजी करते हुए थप्पड़ मारे। अभिषेक ने कहा कि अगर तू मेरे साथ बात नहीं करेगी तो मैं तूझे रास्ते से उठाकर अपने दोस्तों के साथ गलत काम करुंगा। तू किसी को मुंह दिखाने के लायक नहीं रहेगी। छात्रा ने बताया कि आरोपी बार-बार फ्रेंडशिप करने का दबाव बना रहा है। पहले भी वह बार-बार परेशान कर चुका है। मुलाना थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 323/354 व 34 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आधुनिक रेल यातायात का विराट स्वरुप अमृतकाल में तेलंगाना को मिल रहा नया रुप

राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए 11,300 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की सौगात

रेलवे, सड़क और स्वास्थ्य क्षेत्र की परियोजनाओं का शुभारम्भ, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पण

हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ

सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस

• तिरुपति स्थित भगवान श्री वेंकटेश्वर मंदिर हेतु सुविधाजनक यात्रा • सिकंदराबाद से तिरुपति तक की दूरी वर्तमान औसत 12 घंटे के बजाये 8 घंटा 30 मिनट में • नलगोंडा, गुंटूर, ओंगोल एवं नेल्लोर स्टेशनों पर स्टॉपेज • सप्ताह में 06 दिन • 160 किमी प्रति घंटे की चरम गति तक पहुंचने में सक्षम • कवच (ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली) से युक्त • पूर्णयता स्वदेशी तकनीक पर आधारित

एवं

हैदराबाद-सिकंदराबाद क्षेत्र के उपनगरीय खंड में 13 नई एम.एम.टी.एस. ट्रेन सेवाएं

• पहली बार उपनगरीय खंडों सिकंदराबाद - मेडचल और फलकनुमा - उम्दानगर में एम.एम.टी.एस. परिचालन प्रारम्भ • एम.एम.टी.एस. की नेटवर्क सेवा वर्तमान 48 कि.मी. से बढ़कर 90 कि.मी. • व्यापार को बढ़ावा • उप-शहरी परिवहन का सबसे किफायती साधन • महिला कोचों में सीसीटीवी के कारण सुरक्षित यात्रा • उच्च क्षमता वाले कोच • छात्रों, महिलाओं एवं दैनिक यात्रिओं के लिए सुविधाजनक

परियोजनाओं का शिलान्यास

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास
• मल्टी मोडल इंटीग्रेशन, रूफ प्लाजा, दिव्यांगजन अनुकूल, ग्रीन बिल्डिंग

अक्कलकोट-कुरनूल खंड रा.रा. 150सी का 6-लेन अभिगम नियंत्रित राजमार्ग
• सूरत और चेन्नई के बीच की दूरी 280 किमी और यात्रा- समय के 06 घंटे कम

महबूबनगर-चिंचोली सेक्शन रा.रा. 167 एन को पेव्ड शोल्डर के साथ 2 लेन/4 लेन तक चौड़ीकरण
• क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में सुधार और पर्यटन क्षमता को बढ़ावा

कलवाकुर्थी-कोल्लापुर सेक्शन रा.रा. 167के को पेव्ड शोल्डर के साथ 2 लेन तक चौड़ीकरण
• सेक्शन 80 किमी की दूरी कम करेगा और हैदराबाद से तिरुपति, नांदयाल से चेन्नई तक यात्रा का समय कम करेगा

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों में 4 लेन अभिगम नियंत्रित नए ग्रीनफील्ड राजमार्ग खंड (खम्मम-देवरापल्ले खंड रा.रा. 365बीजी) का निर्माण
• तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश के बीच तटीय भागों, धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के लिए कनेक्टिविटी बढ़ाएगा • हैदराबाद से विशाखापत्तनम तक बेहतर कनेक्टिविटी • राजमुंदरी से हैदराबाद के बीच की दूरी 56 कि.मी. कम होगी

निजामपेट-नारायणखेड़-बीदर खंड रा.रा.161बी को पेव्ड शोल्डर के साथ 2 लेन तक चौड़ीकरण
• आरामदेह यात्री आवागमन • कृषि उपज और विनिर्मित वस्तुओं का तेज़ एवं किफायती परिवहन

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बीबीनगर
• चिकित्सा, शिक्षा और अनुसंधान में वैश्विक उत्कृष्टता का संस्थान
• तेलंगाना के लोगों को गुणवत्तापूर्ण और समग्र स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना

राष्ट्र को समर्पण

सिकंदराबाद-महबूबनगर के बीच विद्युतीकरण के साथ रेलवे लाइन का दोहरीकरण (85 किमी)
• सिकंदराबाद से चेन्नई एवं सिकंदराबाद से बेंगलुरु इलेक्ट्रिक इंजन के माध्यम से औसत गति में वृद्धि

प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी

द्वारा

08 अप्रैल 2023 | परेड ग्राउंड, सिकंदराबाद | 11:15 बजे

गरिमामयी उपस्थिति

डॉ. तमिलिसै सौंदरराजन
राज्यपाल,
तेलंगाना

के. चंद्रशेखर राव
मुख्यमंत्री,
तेलंगाना

अश्विनी वैष्णव
केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स
और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार

जी. किशन रेड्डी
केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर क्षेत्र
विकास मंत्री, भारत सरकार

DD NEWS कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डी डी न्यूज़ पर देखें

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार
हमारी समस्या का हल सिर्फ हमारे पास ही है, दूसरों के पास तो हमारी समस्या का सुझाव है!

सीएम केसीआर ने राज्य को मजाक बना दिया : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज सीएम केसीआर पर जमकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि सीएम ने देश भर में अपने अक्षम शासन के साथ तेलंगाना राज्य को हंसी का पात्र बना दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम ने राज्य को स्वर्ण तेलंगाना में बदलने के बजाय उनके परिवार को स्वर्ण परिवार में बदल दिया है. यह कहते हुए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने नौ साल के लंबे शासन में एक दिन भी छुट्टी नहीं ली है, उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने अपने पूरे नौ साल के शासन में एक बार भी राज्य सचिवालय का दौरा नहीं किया।

राज्य भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए रेड्डी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री षड्यंत्र रचकर उनकी पार्टी भाजपा को दबाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि टीएसपीएससी प्रश्न पत्र लीक मामले के कारण राज्य के लाखों बेरोजगार युवा सड़क पर आ गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम उनकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज कर रहे हैं क्योंकि वे दसवीं कक्षा के प्रश्नपत्र के लीक होने के मुद्दे पर राज्य सरकार को घेर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार की लापरवाही के कारण एमएमटीएस परियोजना के विस्तार कार्य राज्य की राजधानी में लंबित हैं।

इटेला ने पेपर लीक मामले में वारंगल पुलिस के नोटिस का जवाब दिया

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक इटेला राजेंदर ने आज वारंगल पुलिस द्वारा उन्हें हिंदी भाषा के सनसनीखेज प्रश्न पत्र लीक मामले में जारी नोटिस का जवाब दिया।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें परेशान करने के लिए पुलिस द्वारा नोटिस जारी किया गया था और कहा कि उन्हें नोटिस और जेल से डर नहीं लगता है। उन्होंने कहा कि वह उन्हें नोटिस देने के पुलिस के फैसले की निंदा करते हैं। राजेंदर ने कहा कि उन्होंने अभी तक खुद को मौजूदा आधुनिक तकनीकों से अपडेट नहीं किया है। उन्होंने कहा कि वह उनके संदेशों का जवाब नहीं देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक मामले से संबंधित संदेश नहीं देखे जाने के बावजूद उन्हें नोटिस जारी किया गया। पूर्व मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि वह देश के कानून का सम्मान करते हैं और कहा कि वह नोटिस का जवाब देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सीएम केसीआर जल्द ही सत्ता खो देंगे। सिंगरेनी कोलियरीज के 10,000 करोड़ के कर्ज पर टिप्पणी करते हुए, उन्होंने कंपनी के कर्ज में डूबी स्थिति के कारणों की तलाश की। उन्होंने कहा कि सिंगरेनी के कर्मचारियों की कुल संख्या 63,000 से घटकर अब 43,000 हो गई है और कंपनी द्वारा कोयले का उत्पादन 55 मिलियन टन से बढ़कर 65 मिलियन टन हो गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी 90 फीसदी काम निजी कर्मचारियों को सौंप रही है। उन्होंने कहा कि कोल इंडिया प्रत्येक श्रमिक को प्रतिदिन 900 रुपये दे रही है, जबकि सिंगरेनी कंपनी प्रत्येक श्रमिक को केवल 430 प्रतिदिन दे रही है।

विक्रमार्का ने पीएम मोदी को लिखा खुला पत्र, मांगा जवाब

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सीएलपी नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क, जो अपनी हाथ से हाथ जोड़ो पदयात्रा में व्यस्त हैं, ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी निर्धारित यात्रा से पहले तीन पन्नों का एक खुला पत्र लिखा और 30 सवाल पूछे। अपने पत्र में, सीएलपी नेता ने मांग की कि तेलंगाना की धरती पर कदम रखने से पहले प्रधानमंत्री अपने सभी सवालों का जवाब दें। उन्होंने पीएम से पूछा कि क्या वह वर्ष 2014 में पीएम बनने के बाद से राज्य को आवंटित परियोजनाओं और योजनाओं का विवरण प्रदान करेंगे? उन्होंने पीएम से पूछा कि उनकी सरकार ने अपने नौ साल के शासन में आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम में कितने वादे पूरे किए हैं और कितने अभी भी लंबित हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या पीएम में इस मुद्दे पर श्वेत पत्र जारी करने का साहस है?

यह कहते हुए कि पीएम ने अपने मूल गुजरात राज्य में 20,000 करोड़ रुपये की रेलवे कोच फैक्ट्री का उद्घाटन किया है, उन्होंने मोदी से पूछा कि वह काजीपेट में एक समान कोच फैक्ट्री के तेलंगाना राज्य के लोगों के लंबे समय से पोषित सपने को पूरा क्यों नहीं कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही मोदी तेलंगाना के लोगों के साथ भेदभाव क्यों कर रहे हैं।

विक्रमार्क द्वारा उठाए गए कुछ अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न बयाराम में एक इस्पात कारखाने की स्थापना, तेलंगाना के पिछड़े क्षेत्रों को 450 करोड़ रुपये का आवंटन, पलामुरु-रंगा रेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना पर राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा प्रदान करना था। उन्होंने पीएम से यह भी पूछा कि वह कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के निर्माण में सीएम केसीआर द्वारा की गई अनियमितताओं की सीबीआई या किसी अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियों द्वारा जांच का आदेश क्यों नहीं दे रहे हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री रहते हुए केसीआर द्वारा किए गए ईएसआई और सहारा घोटालों पर पीएम की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पीएम से पूछा कि वह तेलंगाना में आईआईएम, आईआईटी, एनआईडी, आईआईआईटी की स्थापना में राज्य के प्रति भेदभाव क्यों दिखा रहे हैं?

श्री सालासर हनुमान मंदिर में मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। श्री सालासर हनुमान जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में जगतगिरीगुट्टा स्थित श्री सालासर हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव भव्यता से विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के बीच उत्साह के साथ मनाया गया।

आज यहाँ हनुमान जन्मोत्सव पर मंदिर को भव्य रूप से अलंकृत कर पुष्पों और लाइटिंग से सजाया गया। सुबह से ही दर्शन के लिए भक्तों का मंदिर में तांता लगा रहा। हनुमान जन्मोत्सव की शुरुआत हनुमान जी के अभिषेक के साथ हुई। भव्य निशान पदयात्रा अर्पणा काउंटी, मियाँपुर से प्रारंभ होकर कुक्कटपल्ली, विवेकानंद नगर कॉलोनी होते हुए सालासर मंदिर पहुँची। मंदिर में निशान अर्पित किये गये। तत्पश्चात पंच कुंड हवन किया गया। इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। शाम को भजन संकीर्तन के पश्चात महाआरती की गई। श्री वीर हनुमान भक्त मंडल के प्रमुख पाठ वाचक कैलाश जवड़ा व साथियों द्वारा संगीतमय सुंदरकांड परायण किया गया। हनुमान जन्मोत्सव पर मंदिर को विशेष रूप से आकर्षक रूप से सजाया गया। अवसर पर फूल सेवा एवं सोलार सिस्टम सेवा मुखराम दीनदयाल अग्रवाल, मंचीरियालवाले ने, लड्डू प्रसाद सेवा अरुण कुमार तुलस्यान और भंडारा सेवा मियापुर भक्त मंडल ने दी।

कार्यक्रम में ट्रस्ट के पवन सौंथलिया, प्रह्लाद गोयल, सुनील पंसारी, किशन अग्रवाल, अरुण तुलस्यान, नवीन तुलस्यान, जगदीश सौंथलिया, अजय सौथलिया, सुरेंद्र गर्ग, सुभाष जिंदल, संजय सराफ, पवन जिंदल, आत्माराम गर्ग, नीलेश खेतान, अरुण बंसल, रामकिशोर टिबारा, विशंभर अग्रवाल, रमेश मित्तल, रामप्रताप बंसल, श्याम अग्रवाल, अमित सरावगी, गौरव गोयल, सिद्धार्थ अग्रवाल, पुरुषोत्तम भगेरिया, रमेश व्यास, हृदय नारायण त्रिपाठी व अन्य ने सहयोग प्रदान किया।

बाइक को जंगली सूअर ने टक्कर मारी, होमगार्ड की मौत

निर्मल, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को निर्मल जिले के लोकेश्वरम मंडल के मोहला गांव में एक जंगली सूअर ने उनके दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे 51 वर्षीय होमगार्ड की मौत हो गई।

पुलिस ने कहा कि लोकेश्वरम मंडल के गढ़चंडा के रहने वाले होमगार्ड टी नरसिंग राव को मोटरसाइकिल से गिरने के बाद सिर में गंभीर चोटें आईं। राहगीरों ने उसे भैंसा के एक अस्पताल में पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। हादसे के वक्त वह हनुमान जयंती के मद्देनजर ड्यूटी का निर्वहन कर गढ़चंदा लौट रहे थे। पुलिस अधीक्षक चौ प्रवीण कुमारने होमगार्ड के परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी और गढ़चंडा में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अंतिम संस्कार के लिए 10,000 रुपये की तत्काल राहत राशि सौंपी।

मैच के दौरान कार्डियक अरेस्ट से क्रिकेटर की मौत

सिद्दीपेट, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को हुस्नाबाद शहर में एक स्थानीय टूर्नामेंट में क्रिकेट खेलते समय एक गेंदबाज की कथित तौर पर दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। करीमनगर जिले के चिगुरुमामिडी मंडल के सुंदागिरी गांव के शनिग्राम अंजनेयुलु (37) केएमआर क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान गेंदबाजी करने की तैयारी कर रहे थे, तभी उन्हें दिल का दौरा पड़ा और वे गिर पड़े। 108 एम्बुलेंस सेवाओं को कॉल करने के बाद अन्य युवाओं ने सीपीआरकरने के बावजूद, वे उसे पुनर्जीवित नहीं कर सके। उन्हें सरकारी अस्पतालहुस्नाबादले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अंजनेयुलु के परिवार में उनकी पत्नी और दो बच्चे हैं।

लॉरी की चपेट में आने से बालक की मौत, 5 घायल

निर्मल, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा शहर के बाहरी इलाके में एक लॉरी की एक कार से टक्कर हो जाने से एक सात वर्षीय लड़के की मौत हो गई और एक ही परिवार के पांच अन्य लोग घायल हो गए।

पुलिस ने कहा कि आदित्य ने निजामाबाद में अस्पताल ले जाने के दौरान दम तोड़ दिया। आदित्य की मां कलावती, परिवार के सदस्य श्रेयंक, रोही, रामू और कार चालक कार्तिक को चोटें आईं। सभी भैंसा कस्बे की पिपरी कॉलोनी के रहने वाले हैं। कलावती की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के समय पीड़ित महाराष्ट्र के शिरडी से निर्मल जिले के भैंसा शहर लौट रहे थे। वे पांच मिनट में घर पहुंचने वाले थे।

प्लास्टिक बोतल बनाने वाली फैक्ट्री में आग लगी

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके में मैलारदेवपल्लीके कटेदान इलाके में शुक्रवार सुबह प्लास्टिक की बोतल बनाने वाली एक फैक्ट्री में आग लग गई। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना के समय इकाई बंद होने के कारण किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

अधिकारियों ने शार्ट सर्किट को संभावित कारण माना है जिसके कारण आग लगी। गुरुवार रात काम खत्म होने के बाद यूनिट बंद थी और मजदूर निकल गए थे।

पुलिस के मुताबिक, प्लास्टिक यूनिट एक रिहायशी इलाके के पास स्थित है और स्थानीय लोगों ने सुबह-सुबह यूनिट से आग और घना धुआं निकलते देखा और दमकल विभाग और पुलिस कर्मियों को सतर्क किया। एक घंटे के अंदर आग पर काबू पा लिया गया। क्षतिग्रस्त संपत्ति की कुल कीमत का आकलन अभी नहीं किया जा सका है। मैलारदेवपल्ली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिर्फ एक डाकघर को छोड तेलंगाना के सभी डाकघर इंटरनेट कनेक्टिविटी से लैस

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केवल एक शाखा डाकघर को छोड़कर, तेलंगाना में ऐसे सभी अन्य कार्यालय मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट कनेक्टिविटी से लैस हैं। पूरे तेलंगाना में 5,386 शाखा डाकघर हैं और वे ज्यादातर गांवों और मंडल मुख्यालयों में हैं। सभी 5,386 शाखा डाकघरों में से केवल एक कार्यालय में मोबाइल नेटवर्क या इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी है। गुजरात में आठ शाखा डाकघरों और कर्नाटक में 18 शाखा डाकघरों में मोबाइल नेटवर्क या इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी है। ये विवरण लोकसभा में केंद्रीय संचार राज्य मंत्री देवसिंह चौहान द्वारा साझा किए गए थे। केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के अनुसार, दूरसंचार विभाग द्वारा 4जी संतृप्ति परियोजना के तहत देश भर में कुल 24,680 कवर न किए गए गांवों को 4जी सेवाओं से कवर करने का प्रस्ताव है। 20 प्रतिशत अतिरिक्त गांवों का प्रावधान भी किया गया है। इस परियोजना में 6,2%9 गांवों में मौजूदा 2जी/3जी साइटों पर 4जी सेवा का उन्नयन भी शामिल है। उन्होंने कहा कि परियोजना को 9 दिसंबर, 2023 तक पूरा किया जाना है।

सभी आधिकारिक भाषाओं में सीआरपीएफ परीक्षा आयोजित कराई जाए : केटीआर

आटी मंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखा पत्र

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की भर्ती परीक्षाएं केवल अंग्रेजी और हिंदी में आयोजित करने के केंद्र के फैसले को उन उम्मीदवारों के लिए नुकसानदेह बताया गया है जो इन दो भाषाओं से परिचित नहीं हैं, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष और आईटी मंत्री केटी रामा राव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सीआरपीएफ भर्ती अधिसूचना में तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और अन्य आधिकारिक भाषाओं को शामिल करने के लिए संशोधित करने का आग्रह किया। गृह मंत्रालय ने गुरुवार को सीआरपीएफ में कांस्टेबल के करीब 1.30 लाख पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया था। अधिसूचना के अनुसार, कंप्यूटर आधारित परीक्षा केवल अंग्रेजी और हिंदी में आयोजित की जाएगी। रामा राव ने शुक्रवार को शाह को लिखे पत्र में कहा कि प्रतियोगी परीक्षाएं केवल अंग्रेजी और हिंदी में आयोजित की जा रही हैं, जो उन छात्रों के लिए एक गंभीर नुकसान है जो अंग्रेजी माध्यम में नहीं पढ़ते थे या हिंदी भाषी राज्यों से नहीं थे। राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी ने कई परीक्षाओं को बदलने और इन्हें 12 भारतीय भाषाओं में आयोजित करने के लिए एक सामान्य पात्रता परीक्षा (एनआरए-सीईटी) की सुविधा देने का निर्णय लिया था। हालांकि, (सीआरपीएफ) भर्ती अधिसूचना सहित इसे ठीक से लागू नहीं किया जा रहा है। केवल हिंदी में प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करना संविधान की भावना के खिलाफ है, क्योंकि भारत में कई आधिकारिक भाषाएं हैं, रामा राव ने कहा, सीआरपीएफ अधिसूचना लोगों को संविधान द्वारा गारंटीकृत समान अवसरों के अधिकार से वंचित करती है। उन्होंने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने 18 नवंबर, 2020 को केंद्र को पत्र लिखकर केंद्र सरकार की नौकरियों के लिए सभी प्रतियोगी परीक्षाओं को क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित करने का आग्रह किया था। उन्होंने शाह से सीआरपीएफ अधिसूचना को संशोधित करने की अपील की ताकि क्षेत्रीय भाषाओं में पढ़ने वाले करोड़ों युवाओं को बिना किसी भेदभाव या असमानता के समान अवसर मिल सकें।

तेलंगाना ने 27 में से 8 राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार जीते

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना राज्य की प्रगति की सराहना करते हुए, वित्त मंत्री टी हरीश राव ने सूचित किया है कि तेलंगाना ने केंद्र सरकार द्वारा घोषित 27 राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों में से आठ पुरस्कार हासिल किए हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना ने चार श्रेणियों में शीर्ष स्थान हासिल किया है और प्रत्येक नौ विषयों में से तीन ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है। हरीश राव ने शुक्रवार को ट्वीट किया कि 27 में से 8 राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार जीतने में तेलंगाना की सफलता ग्रामीण विकास के प्रति मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के दृष्टिकोण का प्रमाण है। केसीआर नेतृत्व और ग्रामीण विकास पर ध्यान केंद्रित करने से यह बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है।

टीएसपीएससी पेपर लीक मामले में दो और गिरफ्तार

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। विशेष जांच दल द्वारा शुक्रवार को टीएसपीएससी पेपर लीक मामले में दो और व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। दोनों की पहचान लौकिक और सुष्मिता के रूप में हुई है। पुलिससूत्रों ने कहा, लौकिक ने अपनी प्रेमिका सुष्मिता के मुख्य संदिग्ध प्रवीण से डीएओ परीक्षा का प्रश्न पत्र खरीदा था। एसआईटी द्वारा पूछताछ के दौरान पूर्व में गिरफ्तार किए गए संदिग्धों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया। दोनों को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

CLASSIFIEDS

FLAT FOR RENT

Flat for rent in domalguda st no 06 On second floor 2400sft fully furnished 3bhk
Contact 9849065081

चाहिए

अग्रवाल परिवार के लिए शुद्ध शाहाकारी भोजन बनाने वाली महिला की अवश्यकता है। स्थान दोमलगुडा, हिमायतनकर। संपर्क करे 8008722258

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

बीआरएस नेता ने पीएम मोदी से लंबित परियोजनाओं पर स्पष्टता देने की मांग की

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हैदराबाद यात्रा से पहले राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बोइनपल्ली विनोद कुमार ने मांग की कि प्रधानमंत्री तेलंगाना राज्य से संबंधित विभिन्न लंबित परियोजनाओं पर स्पष्टता दें। शुक्रवार को यहां मीडिया को संबोधित करते हुए, बीआरएस नेता विनोद कुमार ने कहा कि तेलंगाना में 14 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की मंजूरी पिछले छह वर्षों से लंबित थी और आरोप लगाया कि केंद्र जानबूझकर इन परियोजनाओं को लंबित कर रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री से तेलंगाना को नवोदय विद्यालयों की मंजूरी पर स्पष्टता देने के लिए भी कहा। उन्होंने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कई मौकों पर प्रधानमंत्री और केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री को पत्र लिखकर तेलंगाना को नवोदय विद्यालयों की मंजूरी देने की मांग की थी। जब मैं लोकसभा का सदस्य था, तो इस मुद्दे को संसद में उठाया गया था, लेकिन केंद्र से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्होंने कहा, "नरेंद्र मोदी को अपनी यात्रा के दौरान तेलंगाना को नवोदय स्कूलों की मंजूरी पर स्पष्टता देनी चाहिए। उन्हें राज्य के प्रति भेदभाव दिखाए बिना सभी लंबित परियोजनाओं को भी मंजूरी देनी चाहिए।

जामबाग मंडल के पार्षद राकेश जायसवाल ने हनुमान जी के जन्म उत्सव पर मोजमजाही बाजार में हनुमान जी की प्रतिमा पर दूध और फूल अभिषेक का आयोजन किया। कार्यक्रम में अमर सिंह राजपुरोहित, राजेश, अनिल, रामकृष्ण, काजल, रंजीता, कल्पना, प्राची शामिल हुए।

शर्मनाक...चॉकलेट का लालच देकर ले गया घर, बुजुर्ग ने 2 सगी बहनों के साथ किया रेप

जबलपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर से इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 70 वर्षीय शख्स ने दो नाबालिग बच्चियों के साथ घिनौने अपराध को अंजाम दिया है। दोनों बच्चियों को चॉकलेट का लालच देकर शख्स ने उनके साथ रेप किया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह जानकारी पुलिस ने शुक्रवार को दी। पुलिस ने कहा कि यह घटना जबलपुर जिला मुख्यालय से करीब 45 किलोमीटर कटंगी इलाके में मंगलवार दोपहर को हुई। पुलिस के मुताबिक, पीड़िताएं दोनों सगी बहनें हैं और उनकी उम्र 6 साल और 8 साल है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) शिवेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी गिरधारी लाल साहू ने मंगलवार दोपहर अपने घर के पास दोनों बहनों को खेलते हुए देखा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) शिवेंद्र सिंह के मुताबिक, आरोपी बच्चियों को चॉकलेट देने की बात कहकर अपने घर के अंदर ले गया और उनके साथ रेप किया। उन्होंने कहा कि जब ये बच्चियां अपने घर नहीं आईं, तो उनके परिजन ने अपने परिचितों के साथ मिलकर उनकी तलाश की और उन्हें इस बुजुर्ग के पास पाया। सिंह ने बताया कि उनकी हालत देखने के बाद इन बच्चियों के परिजन ने पुलिस को सूचित किया और शिकायत दर्ज करवाई। उन्होंने कहा कि पुलिस ने बुजुर्ग व्यक्ति को पकड़ लिया है और उस पर भारतीय दंड संहिता (भादंसं) की संबंधित धाराओं और बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मध्यप्रदेश में दंगे फसाद कराना चाहती है कांग्रेस', कमलनाथ पर भड़के सीएम शिवराज चौहान

भोपाल, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। एमपी के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी से पूर्व सीएम रहे कमलनाथ पर जमकर हमला बोला है। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ' कांग्रेस चाहती है कि मध्यप्रदेश शांति का टापू ना रहे यहां दंगे, फसाद हों।' शिवराज ने कहा कि 'प्रदेश में रामनवमी हनुमान जयंती शांति, सौहार्द और सद्भाव के साथ मनाई जाए, यह कांग्रेस को ये रास नहीं आता है। कमलनाथ वोटों की भूख में इतने पागल हो गए हैं कि मध्यप्रदेश को अशांति और वैमनस्य की खाई में झोंकना चाहते हैं। कमलनाथ कुछ भी कर लें मध्यप्रदेश को दंगों की आग में हम झोंकने नहीं देंगे। यहां अमन और चैन कायम रहेगा।' पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के छिंदवाड़ा में रोजा इफ्तार के कार्यक्रम के दौरान दिए गए भाषण चलते एक बार फिर एमपी के सीएम शिवराज सिंह चौहान की यह नाराजगी सामने आई है। शिवराज ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधा। दरअसल बुधवार को छिंदवाड़ा में आयोजित रोजा इफ्तार के कार्यक्रम में कमलनाथ अपने सांसद पुत्र नकुल नाथ के साथ पहुंचे थे, जहां रोजेदारों के साथ बातचीत के दौरान कमलनाथ ने मौजूद मुस्लिम समाज से कहा था 'आप सब जगह देख रहे हैं क्या हो रहा है किस तरह देशभर में दंगा फसाद हो रहा है। ये लोग देश को बर्बाद करके छोड़ेंगे'।

प्रेम और सद्भाव से रहती है एमपी की जनता: शिवराज

कमलनाथ के इसी बयान से नाराज शिवराज सिंह चौहान ने पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा मध्य प्रदेश शांति का टापू है। यहां प्रेम, स्नेह और सद्भाव के साथ मध्य प्रदेश की जनता रहती है। आपने देखा रामनवमी हो या हनुमान जयंती हो पूरे प्रदेश में ना केवल शांति बल्कि सौहार्द और सद्भाव के साथ मनाई गई, लेकिन कांग्रेस को ये रास नहीं आ रहा। कांग्रेस चाहती है कि मध्यप्रदेश शांति का टापू ना रहे यहां दंगे, फसाद हों।

'वोट बैंक के लिए भड़काया जाता है', बोले शिवराज

2018 के चुनाव के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के दिए बयान का जिक्र करते हुए सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 'मुझे तो आश्चर्य होता है कांग्रेस के वयोवृद्ध नेता, पूर्व मुख्यमंत्री जब 2018 में मुख्यमंत्री नहीं थे। चुनाव के पहले भी ये कह रहे थे और जोर जोर से कह रहे थे कि मुसलमानों के पोलिंग बूथ पर 90 फीसदी वोट क्यों नहीं डलते। वोट डलवाओ नहीं तो नुकसान हो जाएगा। उस समय का वीडियो दुनिया ने देखा है कि वो केवल वोटबैंक मान कर के काम करते हैं। क्या वोट के लिए लोगों को भड़काया जाएगा धर्मों में और जातियों में?

'कमलनाथ जी बताएं, एमपी में कहां हो रहे हैं दंगे', शिवराज ने किया सवाल

कमलनाथ के बुधवार को रोजाअफ्तार के कार्यक्रम में दिए गए बयान पर बोलते हुए शिवराज ने कहा 'अभी परसों की घटना है। कमलनाथ रोजा इफ्तार के समय फिर कह रहे हैं इस साल दंगे भड़क रहे हैं प्रदेश में, अरे कहां मध्यप्रदेश में दंगे भड़क रहे हैं, कहां मध्यप्रदेश में अशांति है, लेकिन वोटों की भूख में आप ऐसे हो गए हैं कि आप अशांति और वैमनस्य की खाई में मध्यप्रदेश को झोंकना चाहते हैं। क्या आप मन ही मन कामना करते हैं कि दंगे भड़क जाएं?'

कोविड के दौरान कांग्रेस की भूमिका पर भी शिवराज ने उठाए सवाल

सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कोविड के दौरान कांग्रेस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा 'जब कोविड था तब भी ये शवों को देखकर प्रसन्न होते थे, लाशों को देखकर आनंदित होते थे।' सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कमलनाथ के इस बयान को राजनीति की स्तरहीनता कहा और बताया ये राजनीति की स्तरहीनता मध्यप्रदेश का भला नहीं करेगी। हमने देखा रामनवमी पर भी, हनुमान जयंती पर भी हमारे मुस्लिम भाइयों ने भी कई जगहों पर पुष्पों की वर्षा की, लेकिन ये सद्भाव आपको ठीक नहीं लग रहा।'

कश्मीरी पंडितों की गैरहाजिरी में हड़पी मंदिरों की संपत्ति? अब होगी एसआईटी जांच

जम्मू-कश्मीर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में मंदिर संपत्तियों के अवैध पट्टे और संपत्तियों की बिक्री मामले की जांच अब एसआईटी करेगी. जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है. कश्मीर के डिविजनल कमिश्नरकी ओर से यह आदेश जेके पीस फोरम की ओर से उपलब्ध कराए गए सबूतों और जांच के अनुरोध के बाद दिया गया है. जेके पीस फोरम ने कहा कि पिछले 33 सालों से किसी भी सरकार ने कश्मीर के अल्पसंख्यकों की मंदिर संपत्तियों की रक्षा के लिए कोई पहल नहीं की. यहां तक कि कोर्ट के बार-बार आदेश के बावजूद मंदिर की संपत्तियों को अवैध रूप से लीज पर दिया जा रहा है. एनजीओ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की पिछली सरकारें कश्मीर में हिंदू अल्पसंख्यक के मंदिरों की संपत्तियों की रक्षा करने में विफल रही है.

दिल्ली-एनसीआर में फिर बदलने जा रहा है मौसम, दो दिन बारिश के आसार

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में मौसम आंख-मिचौली खेल रहा है। सुबह-शाम हल्की ठंडक बनी हुई है तो दोपहर में गर्मी ने अपने तेवर कड़े कर लिए हैं। आगामी सप्ताह में मौसम का मिजाज एक बार फिर से बदलने जा रहा है। मौसम विभाग ने नौ व 11 अप्रैल को हल्की बारिश होने की संभावना जताई है। हालांकि इससे तापमान में ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिलेगा, लेकिन सुबह-शाम मौसम सुहावना बना रहेगा। दिल्ली में गुरुवार को सुबह एक बार फिर से मौसम खुशनुमा बना रहा। सुबह ही काले बादलों ने डेरा डाल दिया। कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई। हालांकि सुबह 10 बजे के बाद सूरज ने अपने तेवर कड़े कर लिए, इस कारण गर्मी का अहसास हुआ।

कूनो से भागा ओबान चीता पकड़ा गया

साउथ अफ्रीका से आई टीम ने किया रेस्क्यू, आशा अब भी फरार

श्योपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क से भागा ओबान चीता करीब छह दिन के बाद पकड़ लिया गया है। गुरुवार को ओबान को रिहायशी इलाके में देखा गया था। जिसके बाद गुरुवार शाम को ही साउथ अफ्रीका से आई टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर उसे पकड़ा। टीम ओबान को लेकर श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क गई है। जबकि फिलहाल आशा नामक मादा चीता वापस नहीं आई है। ओबान के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। दरअसल छह दिन पहले ओबान नामक नर चीता कूनो नेशनल पार्क से भाग गया था, जो पिछले तीन दिन से शिवपुरी जिले के बैराड़ तहसील क्षेत्र के जंगल से लगे रिहायशी इलाके में घूम रहा था। गुरुवार शाम को दक्षिण अफ्रीका से आई स्पेशल टीम ने बैराड़ तहसील क्षेत्र के डाबरपुरा गांव के जंगल से उसे रेस्क्यू कर पकड़ लिया है। ओबान के पार्क सीमा से बाहर आने के साथ ही कूनो नेशनल पार्क की टीम चीते की हर गतिविधि पर पैनी नजर रखे हुए थी। इसके साथ ही पिछले तीन दिनों से पोहरी वन विभाग और पुलिस की टीम भी चीते की सुरक्षा में तैनात थी। गुरुवार की सुबह चीता गाजीगढ़ गांव के जंगल से निकलकर डाबरपुरा गांव के जंगल और खेतों में पहुंच गया था, चीते की आमद से क्षेत्र के ग्रामीणों में दहशत बनी हुई थी। बुधवार को ओबान ने जौराई गांव के जंगल में चीतल का शिकार भी किया था। ओबान को अफ्रीकी टीम ने पकड़ लिया है, लेकिन आशा अभी भी वन अमले की गिरफ्त से बाहर है। मादा चीता आशा पिछले चार दिनों से कूनो नेशनल पार्क से बाहर है, जिस पर वन विभाग का अमला निगरानी बनाए हुए है। गुरुवार को आशा वीरपुर इलाके के प्रसिद्ध धौरेट सरकार मंदिर के जंगल में सैर बाबा के स्थान के आसपास देखी गई है, यह इलाका कूनो के बफर जोन के अंतर्गत आता है। घना जंगल भी है और आसपास पानी के प्राकृतिक झरने हैं। दूसरे वन्यजीव भी यहां भारी तादाद में हैं, शायद इसलिए यह इलाका आशा को खूब रास आ रहा है।

कमलनाथ ने मुख्यमंत्री पर लगाया आरोप, कहा- शिवराज ने मुझे पागल कहा

भोपाल, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष कमल नाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर बड़ा हमला बोला है और आरोप लगाया है कि शिवराज ने मुझे पागल कहा है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमल नाथ ने ट्वीट कर कहा है कि शिवराज, कुछ दिन पहले आप मेरा अंत करना चाहते थे और आज आपने मुझे पागल कहा है। पूरी दुनिया देख रही है कि मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री कैसी हरकतें कर रहा है? उसके भीतर की सारी सभ्यता, मर्यादा और संस्कार समाप्त हो चुके हैं। वह सड़क छाप गुंडों की भाषा बोल रहे हैं। कमल नाथ ने आगे कहा, मुझे अपने अपमान की फिक्र नहीं है। मैं तो पिछले 44 साल से मध्य प्रदेश की जनता की सेवा कर रहा हूं और आखिरी सांस तक करता रहूंगा।

एसटी दर्जे की मांग को लेकर कुर्मी समुदाय का प्रदर्शन जारी, 64 ट्रेनें रद्द

कोलकाता, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में अनुसूचित जनजाति के दर्जे की मांग को लेकर कुर्मी समुदाय का धरना-प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा। जिसके चलते आज फिर 64 ट्रेनें रद्द करनी पड़ी। इससे पहले गुरुवार को भी 85 ट्रेनें रद्द करनी पड़ी थी। दक्षिण पूर्व रेलवे (एसईआर)के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। कुर्मी समुदाय द्वारा रेल नाकाबंदी के कारण स्थानीय और लंबी दूरी के यात्रियों को काफी नुकसान हुआ है। ये समूह कई मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहा है। इन मांगों में समुदाय को अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता, सरना धर्म को मान्यता और कुर्माली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित करना शामिल है।

राज्य के कई जिलों में प्रदर्शन

दक्षिण पूर्व रेलवे के अधिकारी ने कहा कि चूंकि पांच अप्रैल को आद्रा भाग के आद्रा-चंडिल खंड में कुस्तौर स्टेशन और दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर हिस्से के खड़गपुर-टाटानगर खंड में खेमासुली स्टेशन पर रेलवे से संबंधित मुद्दों पर लोगों के एक समूह ने नाकाबंदी शुरू की थी, लिहाजा 225 से अधिक ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। खेमासुली, पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले में है, जबकि कुस्तौर पुरुलिया जिले में स्थित है। कुर्मी समुदाय, दक्षिण दिनाजपुर, पुरुलिया, झारग्राम और पश्चिम मेदिनीपुर समेत राज्य के विभिन्न जिलों में विरोध कर रहे हैं।

ये ट्रेनें हुईं रद्द

कुर्मी को वर्तमान में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। एसईआर अधिकारी ने कहा कि शुक्रवार को रद्द की गई ट्रेनों में 12262 हावड़ा-मुंबई सीएसएमटी दुरंतो एक्सप्रेस, 12860 हावड़ा-मुंबई सीएसएमटी गीतांजलि एक्सप्रेस, 12021/12022 हावड़ा-बारबिल-हावड़ा जन शताब्दी एक्सप्रेस, 12152 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस और 12833/12834 अहमदाबाद-हावड़ा-अहमदाबाद एक्सप्रेस शामिल हैं।

एयरफोर्स स्टेशन की दीवार पर लिखे मिले खालिस्तान के नारे, सिख फॉर जस्टिस संगठन ने ली जिम्मेदारी

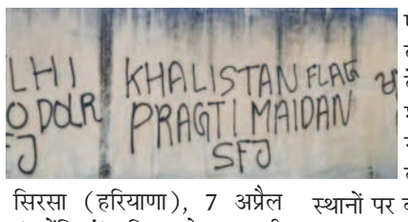

सिरसा (हरियाणा), 7 अप्रैल (एजेंसियां)। सिरसा के डबवाली रोड पर स्थित एयरफोर्स स्टेशन की दीवार पर खालिस्तान के नारे लिखे मिले है। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस अलर्ट हो गई। एयरफोर्स की ओर से अब दीवार पर लिखे गए नारों पर पेंट करवा दिया गया है। वहीं मामले की जानकारी लेने के लिए पुलिस अधीक्षक भी मौके पर पहुंचे और जायजा लिया। हालांकि दीवार पर खालिस्तान के नारे लिखने का सिख फॉर जस्टिस संगठन की ओर से जिम्मेदारी ली गई है और इस संबंध में एक वीडियो भी जारी की है। शुक्रवार सुबह एयरफोर्स स्टेशन की दीवार पर खालिस्तान के नारे लिखे होने से शहर में सनसनी फैल गई। एयरफोर्स स्टेशन की दीवार पर कई स्थानों पर काले रंग से हिंदुस्तान मुर्दाबाद, जी 20 दिल्ली, खालिस्तान फ्लैग प्रगति मैदान एसएफजी, एक लाख डोलर एसएफजी के नारे खिले मिले है। मामले की सूचना मिलने के बाद एयरफोर्स स्टेशन और पुलिस अलर्ट हो गई।

वहीं खालिस्तान के नारे लिखने की जिम्मेदारी सिख फॉर जस्टिस संगठन की ओर से जिम्मेदारी ली गई है। वहीं एयरफोर्स स्टेशन की ओर से यहां पर लिखे गए नारों पर रंग करवा दिया गया है। मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक उदय सिंह मीना भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। वहीं पुलिस अब अपने स्तर पर मामले की जांच कर रही है। एसजीएफ संगठन के मुखिया गुरवंत पंत सिंह संधू की ओर से एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी जारी की गई है। जिसमें उन्होंने नारे लिखने की जिम्मेदारी भी ली है। सिरसा की कई सीमा पंजाब के साथ लगती है।

जिसके चलते एसजीएफ संगठन की ओर से पहले भी कई बार खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लिखे गए हैं। वहीं कुछ दिन पहले ही सिख फॉर जस्टिस संगठन से जुड़े कुछ लोगों ने डबवाली के साथ पंजाब के एक गांव में रेलवे की पटरी को उखाड़ दिया था और वहां पर खालिस्तान का झंडा भी लगा दिया। हालांकि इससे पहले डबवाली के ही कॉलेज के बाहर खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लिखे मिले थे।

प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ दो को पकड़ा

दिनाजपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर तैनात उत्तर बंगाल फ्रंटियर के रायगंज सेक्टर के अंतर्गत सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 61वीं बटालियन की बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) बालूपाड़ा के सीमा जवानों ने दो भारतीय को प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ पकड़ा है। पकड़े गए भारतीय नागरिकों के नाम राजीव मंडल उर्फ आरिफ मंडल मंडल और मोजम्मल मंडल है। दोनों स्थानीय निवासी है। बीएसएफ ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी है। मिली जानकारी के अनुसार, सूचना पाकर कार्रवाई करते हुए दोनों को पकड़ा गया। दोनों के पास से 145 पीस प्रतिबंधित कफ सिरप, एक मोटर बाइक, एक स्कूटी और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

साईं बाबा पर बाबा बागेश्वर की टिप्पणी के खिलाफ मुंबई में पोस्टरबाजी

मुंबई, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। साईं बाबा को लेकर बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के खिलाफ मुंबई में जगह-जगह पोस्टर्स लगाए गए हैं। इन पोस्टर्स में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से माफी की मांग की गई है। उद्धव गुट के नेता राहुल कनाल की ओर से मुंबई भर में पोस्टर्स लगाए गए हैं। इन पोस्टर्स पर बाबा बागेश्वर और साई बाबा की तस्वीर है जिस पर लिखा है, साई बाबा की ताकत के सामने ढोंगी बाबा झुक गए। मुंबई में 16 जगहों पर ये पोस्टर्स मराठी, इंग्लिश और हिंदी में लगाए गए हैं।

पुलिस में दर्ज कराई थी शिकायत

हालांकि इस संबंध में पहले भी शिवसेना (उद्धव गुट) युवा सेना के नेता और शिर्डी साई संस्थान के पूर्व ट्रस्टी राहुल कनाल की ओर से धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के खिलाफ मुंबई के बांद्रा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। बांद्रा पुलिस को दी गई शिकायत में कहा गया है कि धीरेंद्र शास्त्री ने अपने बयान से धार्मिक भावनाओं को आहत किया है। शिकायत में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। दरअसल, जबलपुर के पनागर में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा था कि साईं बाबा संत हो सकते हैं, फकीर हो सकते हैं पर भगवान नहीं हो सकते। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा, लोगों की अपनी अपनी निजी आस्था है और किसी की आस्था को हम ठेस नहीं पहुंचा सकते इतना कह सकते हैं। साईं बाबा संत हो सकते हैं, फकीर हो सकते हैं पर भगवान नहीं हो सकते। अब आप ने कहा हिंदू धर्म से पूजा होती है, वैदिक धर्म से पूजा होती है, देखो भाई ऐसा बोलूंगा तो लोग इसको कॉन्ट्रोवर्सी में ले लेंगे लेकिन यह बोलना भी जरूरी है। गीदड़ की खाल पहन कर कोई शेर नहीं बन सकता है। बागेश्वर धाम सरकार मान ले कि हम शंकराचार्य जी का छत्र लगा लें और सिहासन लगवा लें और चरम लगा लेंगे और कह दे कि हां भाई शंकराचार्य बैठे हैं तो क्या हम बन जाएंगे नहीं। नहीं । भगवान भगवान हैं और संत संत हैं'।

कापसहेड़ा के सोनिया कैंप में लगी आग, 16 दमकलों ने बुझाई, जन हानि नहीं

नई दिल्ली, 7 अप्रैल

(एजेंसियां)। दिल्ली के कापसहेड़ा इलाके में आग लग गई है। दमकल की 16 गाड़ियां मौके पर हैं। बताया जाता है कि आग सोनिया गाधी कैंप के एक गोदाम में लगी है। अभी किसी जन हानि की सूचना नहीं हैं। अग्निशमन विभाग, दिल्ली के मंडल अधिकारी सतपाल भारद्वाज ने बताया कि सूचना मिलते ही दमकल की 16 गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। यह लकड़ी की दुकान थी। जल्द ही आग बुझा ली जाएगी। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

मांड्या जिले की सातों सीटों पर जेडीएस का रहा है कब्जा, बीजेपी का आज तक नहीं खुला खाता

बेंगलूरू, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य में महौल गर्म है, सभी पार्टियां एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप के साथ चुनावी मैदान में उतर गई हैं. बीजेपी और कांग्रेस के बीच राज्य के क्षेत्रीय पार्टी जेडी(एस) भी अपने गढ़ कर्नाटक के मांड्या जिले को बरकरार रखने के लिए एक नई चुनावी रणनीति की तलाश में है. जेडी(एस) ने 2018 में यहां के सभी सात सीटों पर जीत दर्ज की थी. कहा जाता है कि मांड्या जिला इस पार्टी का अभेद किला है, यहां जेडी(एस) का पिछले एक दशक से एकाधिकार रहा है.

जेडी(एस) सभी सीटों को बरकरार रखना चाहती है

जनता दल(सेकुलर) इस बार भी मांड्या जिले को अपने कब्जे में करने की पूरी कोशिश करेगी, हालांकि अगर मांड्या निर्वाचन सीट की बात करें तो यहां पार्टी के लिए एक चुनौती जरूर होगी.

जेडी(एस) मांड्या सीट पर साल 2004, 2008 और 2018 में जीत दर्ज कर चुकी है, लेकिन उसे कांग्रेस से खतरा जरूर हो सकता है. कांग्रेस के दिवंगत अभिनेता-राजनेता अंबरीश साल 2013 में यहां से जेडीएस को हरा कर जीत हांसिल करने में कामयाब रहे थे. जबकि पिछले विधानसभा 2018 के चुनाव में अंबरीश कांग्रेस के साथ झगड़े को लेकर चुनाव नहीं लड़े थे. क्षेत्रीय पार्टी का एक बहुल वर्ग चाहता है कि पूर्व सीएम एचडी कुमारस्वामी मांड्या सीट से चुनाव लड़ें, लेकिन पार्टी इस विकल्प पर सावधानी से विचार कर रही है. इस बात पर कुमारस्वामी ने कहा कि हर चुनाव अलग होता है. उन्होंने कहा, 'हमने पिछली बार सभी सात सीटें जीती थीं क्योंकि तब हमारी रणनीति उपयुक्त थी. हमें सभी सीटों को बरकरार रखना चाहिए, इसलिए हमें एक उपयुक्त योजना तैयार करनी चाहिए.

यहां जेडी(एस) का एक दशक से एकाधिकार रहा है

बीजेपी भी मांड्या जिले में अपनी पैठ बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है और इस लड़ाई को त्रिकोणीय मुकाबले में बदल रही है. सूत्रों से पता चला है कि बीजेपी यहां से कुछ सीटों पर मजबूत उम्मीदवार उतारने पर विचार कर रही है. इस सिलसिले में पार्टी एलआर शिवराम गौड़ा के साथ बातचीत कर रही है. कहा जा रहा है कि उन्हें नागमंगला सीट से पार्टी के उम्मीदवार के रूप में उतारा जा सकता है. पार्टी ने मांड्या से निर्दलीय सांसद और दिवंगत नेता अंबरीश की पत्नी सुमालता को भी पार्टी का समर्थन दिया है, जिससे यहां का मुकाबला दिलचस्प दिखाई दे रहा है. हालांकि जेडी(एस) को बीजेपी से ज्यादा खतरा नही दिख रहा है क्यूकि बीजेपी आजतक मांड्या जिले में खाता भी नहीं खोल पाई है. शुरुआती विधानसभा चुनाव में यहां पर कंग्रेस का दबदबा था लेकिन पिछले एक दशक से जेडी(एस) ने इस जिले में अपनी पकड़ मजबूत की है. बता दें कि मांड्या जिले में मालवल्ली, मद्दुर, मेलुकोट, मांड्या, श्रीरंगपटना, नागमंगला और कृष्णराजपेट मिलाकर कुल सात विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र है, जिसे हाल के दशक में जेडी(एस) के एक अभेद किले के रुप में जाना जाता है.

जिसे तुम रेड लाइट एरिया समझकर आए हो वो शरीफों की बस्ती है, उठक बैठक लगाओ, मुर्गा बनो

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में नशा से जुड़े अपराधों को कम करने के लिए पुलिस आए दिन नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करती रहती है. बावजूद उसके कुछ इलाकों में यह गोरखधंधा धड़ल्ले से जारी है. इससे जुड़ी एक नई बात सामने आई है कि अब दक्षिणी दिल्ली के खिड़की एक्सटेंशन में अफ्रीकी मूल के नागरिकों से परेशान लोगों ने इलाके में रातभर जागकर पहरा देना शुरू कर दिया है. दरअसल, खिड़की एक्सटेंशन में लोग अफ्रीकी नागरिकों की हरकतों से परेशान हैं. इलाके में नशीले पदार्थों की तस्करी और वेश्यावृत्ति से बचने के लिए स्थानीय लोग यहां रात भर जाग कर पहरा देते हैं. रात नौ बजे के बाद यहां बाहर से आने वाले हर व्यक्ति को स्थानीय लोगों के सिक्योरिटी चेक से गुजरना पड़ता है.

अब ज्योतिरादित्य सिंधिया पर भड़क गए कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह, कहा- 'इन्हें गद्दार न कहें तो...'

भोपाल, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जबसे बीजेपी में आए हैं, तबसे ही मध्य प्रदेश में 'गद्दार' की सियासत तेजी हो गई है. बीजेपी और कांग्रेस के बीच लगातार जुबानी हमले चलते रहते हैं. पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीच सोशल मीडिया वॉर शुरू हुआ. इसके बाद अब पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भी इस विवाद में एंट्री कर ली है. यह विवाद अब राजघरानों तक पहुंच गया है. गौरतलब है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने हाल ही में ट्वीट करते हुए लिखा था, 'इतिहास की कोई भी किताब उठा लीजिए, 1857 में झांसी की रानी के साथ गद्दारी के मुद्दे पर सभी इतिहासकार एकमत हैं.' उन्होंने यह भी लिखा, 'आपके नए भगवान सावरकर ने भी अपनी किताब '1857 का स्वातंत्र समर' में रानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे आदि के बारे में जिक्र किया है.' इस मामले में जयराम रमेश ने सीधे तौर पर ज्योतिरादित्य सिंधिया को घेरने की कोशिश की. दूसरी तरफ ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी 1857 के वीर शहीद तात्या टोपे के वंशज पराग टोपे की लिखी किताब का हवाला देते हुए कहा, 'मराठा, सिंधिया, पेशवा और झांसी के नेवालकर अंग्रेजों के विरुद्ध एक साथ थे.' इस दौरान उन्होंने किताब 'ऑपरेशन रेड लोटस' का भी जिक्र किया. यह विवाद चल रहा था कि अब इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की एंट्री हो गई है. दिग्विजय सिंह ने ट्वीट किया, 'गुलाम नबी आजाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया कांग्रेस में रहकर, सारे पद पाकर, सत्ता का सुख भोगकर कांग्रेस की आलोचना कर रहे हैं.' इस मामले में उन्होंने राहुल गांधी के प्रति आपत्तिजनक भाषा का उपयोग करने का आरोप लगाया है. इसके अलावा, यह भी लिखा है कि 'इन्हें गद्दार नहीं तो और क्या कहें?' पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश की टिप्पणी के बाद राजनीति के जानकार आशंका जता रहे थे कि दिग्विजय सिंह भी ज्योतिरादित्य सिंधिया के खिलाफ हमला बोल सकते हैं. उनकी यह आशंका सही साबित हुई है. दिग्विजय सिंह कभी भी सिंधिया घराने के मामले में कोई भी विरोधी का साथ देने में पीछे नहीं हटते. जो नेता सिंधिया घराने की मुखालफत करता है, उसे दिग्विजय सिंह का खुला समर्थन मिल जाता है. हालांकि, अभी तक ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दिग्विजय सिंह के हमले का जवाब नहीं दिया है. अगर सोशल मीडिया पर ज्योतिरादित्य सिंधिया का जवाब आता है तो राजघराने की लड़ाई एक बार फिर सुर्खियां बटोर लेगी.

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 8 अप्रैल- 2023

मजदूरों की मजबूरी

असंगठित क्षेत्र के बेचारे मजदूर दो वक्त की रोटी की जुगाड में पता नहीं कहां-कहां भटकते फिरते हैं। देखा जाए तो मजदूरों की जिंदगी अब भी किसी जुए से कम नहीं। हाडतोड मेहनत के बाद भी उनके जीवन में निश्चिंतता का कहीं नामोनिशान तक नहीं है। बदहाली ही उनकी नियति बन चुकी है। ऐसे हालात के मारे ओड़ीशा के कालाहांड़ी के तीन मजदूरों की कहानी इसका ताजा उदाहरण है। हालात के मारे वे मजदूर इस आस में बैंगलुरु गए थे कि वहां मेहनत करके कुछ पैसे कमाएंगे और अपने परिवार का पेट भर पाएंगे। भरपूर मेहनत के बाद जब उन्हें अपनी मजदूरी मिलने का दिन आया तो उसने मजदूरी देने से इंकार कर दिया। उल्टे गरीब मजदूरों को बात-बात पर मारने-पीटने लगा। दो महीने काम करने के बाद भी जब मजदूरी नहीं मिली और जिल्लत भरी जिंदगी बोझ लगने लगी तो उन्होंने घर वापसी का फैसला किया। हाथ में पैसे नहीं थे, खाने को कुछ था नहीं। वे बैंगलुरु से खाली हाथ पैदल ही चल पड़े अपने गांव और सात दिन लगातार चलते हुए भूखे-प्यासे अपने घर पहुंचे। इन मजदूरों की बदहाली लोगों के सामने इसलिए आ सकी कि वे पैदल चलते हुए घर पहुंचे थे। वरना इन जैसे न जाने कितने मजदूर ऐसे हैं, तो हाड़तोड़ मेहनत करने के बाद भी मजदूरी को हाथ पसारते-पसारते थक जाते हैं,लेकिन मजदूरी के नाम पर मिलते हैं लात-घूंसे और गाली। वे शिकायत भी करें तो किससे क्योंकि इनकी सुनवाई भी कहीं नहीं होती। संगठित और सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की कमी और पढ़े-लिखे बेरोजगारों का आंकड़ा तो समय-समय पर सामने आता रहता है, लेकिन हालात के मारे देश में लाखों ऐसे मजदूरों का कोई ठीक-ठीक हिसाब-किताब नहीं देता। वजह साफ है कि वे असंगठित क्षेत्र में मजदूरी करते हैं। वे किसी र्इंट भट्ठे पर, किसी बनती हुई इमारत में, कहीं सड़क पर मिट्टी ढोने वगैरह के काम तलाशते फिरते हैं। बता दें कि गांवों में कोई रोजगार न होने की वजह से बहुत सारे लोग इस विश्वास के साथ शहरों का रुख करते हैं कि वहां उन्हें गुजारे लायक काम मिल ही जाएगा। मगर वहां भी दुश्वारियां उनका इंतजार करती रहती हैं, तरह -तरह की परेशानियां झेलनी पड़तीं हैं। शहरों के हर 'लेबर चौराहे' पर सुबह-सुबह मजदूरों का हुजूम खड़ा होता है, मगर उनमें से कुछ को ही काम मिल पाता है। जो ठेकेदार उन्हें काम पर लगाते हैं, उनकी दबंगई ऐसी कि पैसा समय पर कभी नहीं देते, बल्कि मजदूरों का पैसा मारने की जुगाड में अधिक रहते हैं। ऐसे ही दबंग ठेकेदार के शोषण का शिकार हुए कालाहांडी के ये तीनों मजदूर। ऐसे ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई का कोई व्यवस्थित तंत्र भी कहीं नहीं विकसित किया गया है, जहां मजदूर सीधे गुहार लगा सकें। वैसे भी गरीब अनपढ़ मजदूर पुलिस के सामने पड़ने से बचते हैं, तो भला शिकायत करने कैसे वहां जाते। इससे भी दारुण कथा यह है कि इन मजदूरों को सरकारें भी छलने में पीछे नहीं हैं। कालाहांडी के हालात से हर कोई वाकिफ है। मगर ओड़ीशा सरकार वहां के लोगों के लिए क्या करती है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वहां से लोगों को सैकड़ों मील दूर रोजगार की तलाश में भटकना पड़ता है। गरीबी की आलम यह है कि किसी परिवार को अपना नवजात शिशु तक बेच कर पेट भरने का इंतजाम करना पड़ता है। कहने को तो प्रत्येक गांव में गरीब परिवारों को सौ दिन के रोजगार की संवैधानिक गारंटी दी गई है। मगर इसके लिए शुरू की गई मनरेगा योजना में पैसे की कमी और अनियमितता के बीच मजदूर पचास दिन का काम और पैसा भी पा जाएं तो खुशकिस्मती समझते हैं। अगर इन श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर ही गुजारे लायक काम मिल जाता, तो उन्हें इस कदर शहर दर शहर भटकना तो नहीं पडता। ओड़ीशा सहित देश के कई राज्य सरकारों के पास शायद ही इस सवाल का जवाब हो कि क्यों उनके राज्य के लोगों को ऐसी जिल्लत उठाने के लिए दूसरे प्रदेशों में भटकना पडता है।

चुनाव आते ही मायावती व अखिलेश में 30 साल पुराने नारों पर विवाद

अशोक भाटिया

देश में या किसी राज्य में चुनाव हों और वहां नेताओं की जुबान से अपने विरोधियों के खिलाफ कोई बिगड़े बोल न निकलें,ऐसा कभी हो नही सकता। उत्तरप्रदेश के चुनाव में नेताओं की इस बदजुबानी ने कुछ ज्यादा ही गर्मी ला रखी है लेकिन शायद उन्हें ये अहसास नहीं कि वोटर अब पहले से भी इतना अधिक जागरुक हो चुका है,जो उनकी अमर्यादित भाषा को तो समझता ही है लेकिन वो ये भी जानता है कि इसके जरिये समाज में किस तरह की नफ़रत का माहौल बनाया जा रहा है। गौरतलब है कि जिन राजनीतिक नारों ने मायावती को बहुजन समाज का नेता बनाया, अब वे उन नारों पर सफाई देती फिर रही हैं। वे कह रही हैं ये नारे बसपा ने कभी दिए ही नहीं थे बल्कि समाजवादी पार्टी ने बसपा को बदनाम करने के लिए इन नारों का प्रचार किया था। अगर ऐसा है तो मायावती ने या मान्यवर कांशीराम ने उस समय इन नारों का विरोध क्यों नहीं किया था? बसपा के कार्यकर्ताओं को इस तरह के नारे लगाने से रोका क्यों नहीं गया था? जाहिर है उस समय इन नारों से फायदा दिख रहा था इसलिए इन्हें अपनाया गया और अब जबकि मायावती ने अपने राजनीतिक सिद्धांतों को पूरी तरह से बदल दिया है तो वे इन नारों से पीछा छुड़ा रही हैं।उन्होंने बुधवार को तीन ट्विट किए, जिसमें नब्बे के दशक में चर्चित हुए नारों का विरोध किया और कहा कि ये नारे सपा ने गढ़े थे, बसपा को बदनाम करने के लिए। जब मुलायम सिंह और कांशीराम ने सपा और बसपा के बीच तालमेल किया था और 1993 का चुनाव लड़ा था तब एक नारा चर्चित हुआ था 'मिले मुलायम-कांशीराम, हवा में उड़ गए जयश्रीराम'। इसका जिक्र करते हुए मायावती ने ट्विट किया कि वास्तवमें यूपी के विकास व जनहित की बजाय जातिद्वेष एवं अनर्गल मुद्दों की राजनीति करना सपा का स्वभाव रहा है। इसके बाद अगले ट्विट में उन्होंने लिखा 'मान्यवर कांशीराम जी ने मिशनरी भावना के तहत गठबंधन बनाया था लेकिन मुलायम सिंह यादव के गठबंधन का सीएम बनने के बावजूद उनकी नीयत पाक साफ न होकर बसपा को बदनाम करने व दलित उत्पीड़न जारी रखने की रही'। उनका तीसरा ट्विट था, 'इसी क्रम में अयोध्या, श्रीराम मंदिर व अपरकास्ट समाज आदि से संबंधित जिन नारों को प्रचारित किया गया था वे बीएसपी को बदनाम करने की सपा की शरारत व सोची समझी साजिश थी। अंतः सपा की ऐसी हरकतों से खासकर दलित, अन्य पिछड़ों व मुस्लिम समाज को सावधान रहने की सख्त जरूरत'। नब्बे के दशक में उच्च जातियों को लेकर बसपा एक नारा चर्चित रहा था- तिलक, तराजू और तलवार इनको मारो जूते चार। अब मायावती कह रही हैं कि अपरकास्ट को लेकर नारे भी सपा ने लिखे थे। बहरहाल, मायावती ने जिस अंदाज में एक के बाद एक तीन ट्विट करके धर्म और ऊंची जाति वालों के लिए बनाए गए नारों से पीछा छुड़ाया है उससे लग रहा है कि वे अब पूरी तरह से भाजपा की लाइन पर राजनीति कर रही हैं। हालांकि यह कहना मुश्किल है कि वे इस लाइन पर राजनीति करके अपनी पार्टी के लिए सफलता की उम्मीद कर रही हैं या भाजपा के कहने पर ऐसा कर रही हैं। दोनों बातें हो सकती हैं। भाजपा के लिए अभी जरूरी हो गया है कि वह समाजवादी पार्टी को हिंदू विरोधी साबित करे। सपा के नेता रामचरितमानस पर बेसिरपैर के बयान देकर खुद ही यह काम कर रहे हैं। अब मायावती ने भी भाजपा की तर्ज पर सपा को निशाना बनाया है। इससे उनका बचा खुची मुस्लिम वोट भी हाथ से निकलेगा। दलित वोट टूट ही रहा है। सवर्ण वोट कितना मिलेगा यह कहा नहीं जा सकता। बहरहाल सियासी गलियारों में मायावती के इन बयानों के अलग-अलग निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। माना यही जा रहा है कि समाजवादी पार्टी की ओर से दलित वोट बैंक में हो रही सेंधमारी से असहज होकर बहुजन समाज पार्टी ने ऐसा दांव चला है, जिसमें वह अपने पुराने नारों से पल्ला झाड़ रही हैं।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पहले भाजपा और अब समाजवादी पार्टी जिस तरह से बसपा के वोट बैंक में सेंध मारने की कोशिश कर रही है, उससे बहुजन समाज पार्टी असहज है। यही वजह है कि बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने 1993 के दौर में लगाए जाने वाले नारों का ठीकरा समाजवादी पार्टी पर फोड़ दिया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मायावती ने ट्वीट कर बसपा को बहुत 'मासूमियत' से किनारे करते हुए समाजवादी पार्टी पर ठीकरा फोड़ा है। जबकि हकीकत यह भी है कि ऐसे नारे सिर्फ समाजवादी पार्टी के नेता ही नहीं, बल्कि बसपा समर्थक और कद्दावर नेता भी मंच से लगाया करते थे। दरअसल समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को कांशीराम की प्रतिमा के अनावरण के दौरान 1993 के दौर में सपा और बसपा के गठबंधन में लगाए जाने वाले नारे को लगाया। उसके बाद ही उत्तर प्रदेश में तीन दशक पुराने नारों को लेकर मायावती का बयान सामने आया। मायावती ने ट्वीट कर कहा कि सपा प्रमुख की मौजूदगी में 'मिले मुलायम-कांशीराम, हवा में उड़ गए जय श्रीराम' नारे को लेकर रामचरित मानस विवाद वाले सपा नेता पर मुकदमा हुआ है। मायावती का इशारा स्वामी प्रसाद मौर्य की ओर था। उन्होंने कहा कि 1993 में कांशीराम ने सपा-बसपा गठबंधन मिशनरी भावना के तहत किया था। लेकिन मुलायम सिंह यादव के गठबंधन का सीएम बनने के बावजूद उनकी नीयत पाक-साफ न होकर बसपा को बदनाम करने व दलित उत्पीड़न को जारी रखने की रही। मायावती ने इस दौरान बसपा का बचाव करते हुए कहा कि इसी क्रम में उस दौरान अयोध्या, श्रीराम मंदिर व अपर कास्ट समाज से सम्बंधित जिन नारों को प्रचारित किया गया था, वह बीएसपी को बदनाम करने की सपा की शरारत व सोची-समझी साजिश थी। राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि अचानक 30 साल बाद मायावती का अपने विवादित नारों के बचाव में ट्वीट करना सियासत में बड़े इशारे करता है।जिस तरीके से समाजवादी पार्टी ने स्वामी प्रसाद मौर्य के कॉलेज में कांशीराम की प्रतिमा लगवा कर 1993 का विवादित नारा लगाया, उसी के बदले में मायावती ने यह काउंटर ट्वीट किया है। राजनीतिक जानकार बताते हैं कि मायावती ने इस ट्वीट के माध्यम से यह बताने की कोशिश की है कि सपा और बसपा के गठबंधन के दौर में लगाए जाने वाले वह नारे जिसमें क्षत्रिय, ब्राह्मण और वैश्य समेत राम मंदिर और अयोध्या के अलावा अपर कास्ट को निशाने पर लिया जाता था, वह समाजवादी पार्टी की साजिश थी। राजनीतिक विश्लेषक और वरिष्ठ पत्रकार आरएन सिंह कहते हैं कि स्वामी प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को 1993 के दौर के नारे लगाए, तो मायावती को यह कहने का मौका मिल गया कि यह नारे तो सपा मुखिया के साथ ही लगाए जाते रहे थे। वह चाहे मुलायम सिंह यादव का दौर रहा हो या फिर अखिलेश यादव का। कभी उच्च जाति और राम अयोध्या के नाम पर बसपा के लगाए जाने वाले नारों पर एक तरह से मायावती ने तीस साल बाद सफाई दी है। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि मायावती ने ऐसा करके अपने कैडर वोट में लगी सेंधमारी को रोकने का प्रयास किया है। इसके अलावा जिन नारों से अपर कास्ट के लोग नाराज होते थे, उन्हें भी 30 साल बाद ही सही यह बताने की कोशिश की है कि वह नारे बसपा नहीं, बल्कि समाजवादी पार्टी लगवाती थी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 30 साल बाद अचानक अपने नारों के लिए मायावती की ओर से एक तरह से जारी की गई सफाई का अब कितना फायदा होगा, यह तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन मायावती की सियासी लाइन का अंदाजा जरूर हो जाता है। इस पूरे मामले पर वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषको का मानना है कि स्वामी प्रसाद मौर्य जो कुछ भी बोल रहे हैं, वह कुछ भी नया नहीं है। शुक्ला कहते हैं कि एक तरह से स्वामी प्रसाद मौर्य उन्हीं पुराने आजमाएं हुए और धार खो चुके हथियारों को अखिलेश यादव के मंच से साझा कर रहे हैं, जो कभी बसपा मुखिया मायावती इस्तेमाल करती थीं। उनका मानना है कि इस तरीके के बयानों से समाजवादी पार्टी को फायदा होने की बजाय नुकसान होने की गुंजाइश ज्यादा है।

श्रीराम के वनवासी जीवन का गवाह तीर्थ क्षेत्र चित्रकूट

नरेंद्र तिवारी

भारतीय जनमानस के श्रद्धापुंज मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के वनवासी जीवन के सम्बंध में अनेकों कथाएं प्रचलित है। इन कथाओं से रूबरू होने का अवसर चित्रकूट यात्रा के दौरान मिला। यहां पहुचने के लिए इंदौर से रेल के माध्यम से यूपी के चित्रकूट कर्वी रेलवे स्टेशन पर जब उतरे तो रामनवमी के शुभ अवसर पर चित्रकूट के दर्शन कर जाने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से सामना हुआ। यह रेलवे स्टेशन अपेक्षाकृत बेहद छोटा नजर आया जिसके बडे स्टेशन के रूप में विकसित किये जाने की आवश्यकता भी प्रतीत हुई। रेलवे स्टेशन से चित्रकूट के लिए आते-जाते समय राज्यों की सीमा का अहसास ई-रिक्शा चालकों के द्वारा कराया गया यूपी के रिक्शा चालकों ने एमपी की सीमा तक फिर यहां से एमपी के रिक्शा चालकों ने विश्राम गृह तक पहुचाया। मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की सीमा पर स्थित ऐतिहासिक तीर्थ चित्रकूट की विशेषताओं में यह भी ध्यान रखने वाली बात है कि आप कब एमपी में और कब यूपी की सीमाओं में प्रवेश कर जाते है, पता ही नही चल पाता। यह एहसास स्थानीय नागरिकों की शिकायतों से होता है। मध्यप्रदेश स्थित तीर्थ क्षेत्र चित्रकूट के स्थानीय रहवासी वैभव त्रिपाठी के अनुसार तीर्थ क्षेत्र चित्रकूट का अधिकांश भाग एमपी की सीमा में है। जिसका विकास उस तरह नहीं हुआ जैसे यूपी की सीमा में स्थित चित्रकूट का हुआ है। यह पावन धरा श्रीराम के जीवन की कथाओं का बोध कराने वाली है। अतएव यहां सीमाओं के बंधनों को तोड़कर समान रूप से विकास किया जाना चाहिए। तीर्थ क्षेत्र चित्रकूट की यात्रा का शुभारंभ रामघाट में स्नान के साथ ही होता है। मंदाकिनी नदी पर स्थित सुंदर रामघाट का नजारा बरबस ही आकर्षित करता है। इस घाट पर प्रभु श्रीराम नित्य स्नान किया करते थे। श्री राम ने अपने पिता दशरथ का पिंडदान भी रामघाट पर ही किया था। इस घाट से जुड़ा गोस्वामी तुलसीदास का जगत प्रसिद्ध दोहा जो चित्रकूट की ऐतिहासिकता का प्रमाण है। वह दोहा है 'चित्रकूट के घाट पर भई संतन की भीड़, तुलसीदास चंदन घिसें तिलक देत रघुवीर।' रामघाट के बाहरी सौंदर्य ने तो मन मोह लिया, किंतु मंदाकिनी नदी के जल और घाट की व्यवस्थाओं ने स्थानीय प्रबंधन की कमजोरी को उजागर भी किया। पवित्र मंदाकिनी का जल काला और प्रदूषित नजर आया। ऐसा लगा मानो मंदाकिनी में आसपास कारखानों का प्रदूषित जल आकर मिल रहा है जो इस पवित्र नदी के जल को प्रदूषित कर रहा है। मंदाकिनी के जल को साफ, स्वच्छ और निर्मल बनाए जाने की बेहद आवश्यकता है। घाट पर कहीं कहीं गंदगी भी दिखाई दी। रामघाट स्थित मंदाकिनी में स्नान ध्यान के बाद कामदगिरी पर्वत की परिक्रमा का क्रम है।क्रमानुसार प्रथम मुखारबिंद से कामदगिरी की यात्रा प्रारंभ की। कामदगिरी की यह परिक्रमा 5 किलोमीटर की है। इस परिक्रमा के महत्व को रामायण की पौराणिक कथा में भी प्रदर्शित किया है, जिसके अनुसार जब मर्यादा पुरुषोत्तम ने इस पर्वत से आगे बढ़ने की ठानी तो पर्वतराज चिंतित हो गए उन्होंने अपनी चिंता से श्रीराम को अवगत कराया कि प्रभु आपके रहते ही मेरी पूछ परख है, आपके जाने के बाद मेरा क्या होगा तब भगवान श्रीराम ने पर्वतराज को आशीर्वाद दिया कि जो कोई भी इस पर्वत की परिक्रमा पूर्ण करेगा उसकी हर मनोकामनाएं पूरी होगी। तब से इस पर्वत की परिक्रमा की परंपरा जारी है। इस पर्वत का नाम भी कामदगिरी रखा गया। परिक्रमा मार्ग अत्यंत सुंदर है। एमपी एवं यूपी दोनों राज्यो की सीमाओं से होकर परिक्रमा मार्ग गुजरता है। सम्पूर्ण मार्ग पक्का है। परिक्रमावासियों के लिए बरसात और धूप से बचने के लिए छांव हेतु मजबूत शेड बनाए गए है। स्थानीय दुकानदारों की प्रतिस्पर्धा भी साफ नजर आती है। अनेकों दुकानदारों ने अपना सामान परिक्रमा मार्ग तक भी फैला रखा है। परिक्रमा मार्ग पर कुछ स्थानों पर गंदगी को दूर किये जाने की भी आवश्यकता महसूस हुई। कुछ स्थानों पर शीतल पेयजल की व्यवस्था भी बेहद जरूरी जान पड़ी रही थी। बोतल बन्द पेयजल की बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध होना चाहिए। प्लाष्टिक की खाली बोतलों से कामदगिरी पर्वत के पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। इस मार्ग पर दर्शनीय देवालय स्थित है। इसमें राम मुहल्ला, मुखारबिंद, साक्षी गोपाल, भारत-मिलाप (चरण-पादुका) एवं पीली कोठी अधिक महत्वपूर्ण है। नवीन निर्मित कुछ देवालय परिक्रमा मार्ग की पौराणिक कथाओं से जुड़े होने का छलावा भी करते है। कामदगिरी पर्वत पर लक्ष्मण पहाड़ी भी स्थित है। यहां पैदल 250 सीढियां चढ़कर या रोप वे की मदद से पहुचा जा सकता है। लक्ष्मण पहाड़ी पर श्रद्धालु अपने सपनो के महल की कामना भी करतें है। इस पहाड़ी से चित्रकूट शहर को सम्पूर्णता से देखा जा सकता है। कामदगिरी की 5 किलोमीटर की परिक्रमा श्रीराम के वनवासी जीवन से जुड़े अनेकों प्रसंगों से परिचित कराती है। चित्रकूट यात्रा के दौरान हनुमान धारा के दर्शन का भी बहुत महत्व है। कथानुसार श्रीराम के राज्याभिषेक के बाद माता सीता अतिप्रसन्न थी। वें सभी को इच्छानुसार आशीर्वाद दे रहीं थी। इस दौरान उन्होंने हनुमान जी पूछा कि आप उदास क्यों है। तब हनुमान जी ने कहा माते लंका दहन के बाद से मेरे ह्रदय में जलन सी है, आप उसे शीतलता प्रदान करें। तब माता सीता ने हनुमान जी से चित्रकूट के इस पर्वत पर स्थापित होने को कहा तब से हनुमान जी के बाएं हाथ से शीतल धारा गिरकर शरीर से होते हुए दो कुंडों में विलोपित हो गयी है। यह धारा 24 घण्टे एक समान गिरते रहती है। यह धारा कहा से आई और कहा वापिस गयी ज्ञात नही हो पाया है। इस हनुमान धारा पर्वत पर सीता की रसोई नामक स्थान भी है। कहते है वनवास के दौरान माता सीता श्रीराम के लिए यहीं रसोई बनाती थी। स्फटिक शिला की भी अपनी कहानी है और सती अनुसुइया की कथा भी जनसामान्य में खासी प्रचलित है। सती अनुसुइया ने सीता जी को पति धर्म का ज्ञान कराया था। कहते है सती अनुसुइया के कठोर तप ने ही चित्रकूट में मंदाकिनी नदी को अवतरित कराया। मंदाकिनी नदी को गंगा नदी की बहन के रूप में भी जाना जाता है। चित्रकूट तीर्थ की यात्रा के दौरान चित्रकूट से 15 किलामीटर की दूरी पर स्थित गुप्त गोदावरी के दर्शन का भी बड़ा महत्व है। गोदावरी नदी एक पहाड़ के अंदर ही सिमट गई है। यहां से बाहर

बेलगाम शिक्षा व्यवस्था: किताबों में कमीशन का खेल, अभिभावक रहे झेल

प्रियंका सौरभ

स्कूलों में नया सत्र शुरू होते ही अभिभावकों की परेशानी बढ़ गई है। एक से दो माह की फीस के साथ स्कूलों में डेवलपमेंट फीस के नाम पर ली जाने वाली मोटी रकम भरनी है तो कॉपी-किताब भी खरीदना है। कॉपी-किताब का सेट इतना महंगा है कि उसे खरीदने में अभिभावकों के पसीने निकले जा रहे हैं। कई निजी स्कूलों में तो पहली व आठवीं कक्षा की किताबों का सेट छह से 10 हजार रुपये पड़ रहा है। प्रशासन और शिक्षा विभाग इस लूट पर चुप्पी साधे हुए हैं। इन दिनों सभी पुस्तक विक्रेताओं के यहां लंबी लाइनें लग रहीं हैं। परिजन बच्चों की किताबें खरीदने चुनिंदा दुकानों पर पहुंच रहे हैं। स्कूलों द्वारा तय निजी प्रकाशकों की किताबें एनसीईआरटी की किताबों से पांच गुना तक महंगी हैं। अधिकांश निजी स्कूल संचालक राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की किताबें मंगवाने में रुचि नहीं दिखाते। निजी विद्यालयों में 80 फीसदी निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें पढ़ाई जाती हैं। इन किताबों की कीमत एनसीईआरटी से कई गुणा अधिक होती हैं। कई किताबों में तो प्रिंट रेट के ऊपर अलग से प्रिंट स्लिप चिपकाकर प्रकाशित मूल्य से कहीं अधिक वसूली की जाती है। निजी स्कूलों में कमीशन के चक्कर में हर साल किताबें बदलने के साथ अलग-अलग प्रकाशकों की महंगी किताबें लगाई जाती हैं। एनसीईआरटी की 256 पन्नों की एक किताब 65 रुपये की है जबकि निजी प्रकाशक की 167 पन्नों की किताब 305 रुपये में मिल रही है। ऐसी कौन की किताबें स्कूल पढ़ा रहा है जो 500 से 600 रुपये में मिल रहीं हैं। इतनी महंगी तो बीए-एमए की किताबें भी नहीं आतीं। पहले बड़े बच्चे की किताबों से उनका छोटा बच्चा पढ़ लेता था क्योंकि किताबें वही रहती थी। लेकिन अब बड़े बच्चों की किताबें छोटा बच्चा प्रयोग नहीं कर पाता क्योंकि हर साल जान - बूझकर किताबों में कोई न कोई बदलाव कर दिए जाते हैं। किताबों के कवर भी बदले होते हैं जिससे पता नहीं चल पाता कि यह पुरानी पुस्तक है या नई। पुस्तक के एक पन्ने के संशोधन के लिए नई किताब लेनी पड़ती है। स्कूलों का सिलेबस हर साल बदल जाता है। लेकिन एनसीईआरटी द्वारा बड़ी रिसर्चों के साथ बनाया गया पाठ्यक्रम बरसों से एक जैसा ही है। लेकिन अब सवाल यह उठता है कि निजी स्कूलों में लागू पाठ्यक्रम का स्टैंडर्ड एक ही साल इतना गिर जाता है कि स्कूलों को उसे बदलना पड़ता है। लेकिन ऐसा नहीं है, पाठ्यक्रम का स्टैंडर्ड तो ठीक होता है, लेकिन स्कूलों को अपनी कमीशन में कटौती का डर होता है। यदि पुराना सिलेबस लागू किया जाए तो छात्रों को वे सभी किताबें शहर की सभी दुकानों पर मिल जाएंगी। कुछ छात्र पुरानी किताबों के साथ भी काम चलाने का प्रयास करेंगे। ऐसे में निजी स्कूलों की अवैध कमाई को धक्का लग सकता है। निजी स्कूल इसके पक्ष में नहीं है। स्कूलों द्वारा जो पाठ्यक्रम में बदलाव होता है, वह केवल नाममात्र सीक्वेंस का बदलाव होता है। जिसमें किताबों में लिखे अध्याय की क्रम संख्या को बदल दिया जाता है, ताकि छात्र पिछले वर्ष की किताबों का इस्तेमाल न कर सकें। इसकी कोई समय सीमा क्यों नहीं तय की गई कि कितने समय के बाद पुस्तकों में संशोधन किया जाना है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से होने के बावजूद बच्चों को एनसीईआरटी की जगह निजी प्रकाशकों की किताबें लेने को कहा जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकें तो हर दुकान में मिल जाती हैं पर निजी प्रकाशकों की किताबें लेने के लिए निश्चित दुकान पर आना पड़ता है। कहीं और ये किताबें नहीं मिलतीं। एटलस, मानव मूल्य की पुस्तक, व्याकरण, कॉम्पैक्ट, ग्राफ बुक, आदि ऐसी चीजें है जो पूरे साल कहीं नहीं लगतीं, फिर भी लेनी पड़ती हैं क्योंकि स्कूल कहता है। 488 रुपये की कॉम्पैक्ट असाइनमेंट, 50 रुपये की ग्राफ बुक आदि लेते-लेते बिल हजारों में चला जाता है।चाहे प्रदेश सरकार हो या केन्द्र सरकार, शिक्षा पर किसी का ध्यान नहीं है। इस क्षेत्र में निजी स्कूलों द्वारा जनता से खुली लूट हो रही है। कोई भी सरकार इस तरफ ध्यान नहीं दे रही। शिक्षा का स्तर क्या है और वहां किस प्रकार से लूट मची है? कोई देखने वाला नहीं है। स्कूल और निजी प्रकाशकों की दादागिरी पर प्रशासन भी चुप है और अभिभावकों के हित के लिए कुछ नहीं कर पा रहा।

देश भर में प्रशासन ने निर्देश जारी किए है कि सभी स्कूलों में एनसीईआरटी की पुस्तकें पढ़ाई जाएंगी, पर कोई भी निजी स्कूल इसका पालन नहीं कर रहा।

क्या फिर कहर बरपाएगा कोरोना?

मनोज कुमार अग्रवाल

कोविड मामलों में एक बार फिर रफ्तार बढ़ गई है।बीते एक सप्ताह में कोरोना मामले लगातार बढ़ रहे हैं। कोरोना की इस बढती रफ्तार से एक बार फिर सरकार और स्वास्थ्य विभाग के लिए मुसीबत बढ़ा दी है। दिल्ली और महाराष्ट्र में एक दिन में 500 से ज्यादा मामले सामने आने लगे हैं। सिर्फ बुधवार 5 अप्रैल को ही महाराष्ट्र में कोरोना के 569 नए मामले सामने आए और दो कोरोना मरीजों की मौत हुई। इसके साथ ही राजधानी दिल्ली में ढआज कोरोना के 509 मामले दर्ज किए गए हैं जिसके बाद एक्टिव केस की संख्या 1795 हो गई है। मिली रिपोर्ट्स के अनुसार सिर्फ मुंबई में 5 अप्रैल को 221 नए कोरोना के मामले दर्ज हुए और एक कोरोना मरीज ने दम तोड़ दिया। अस्पताल में कुल 80 मरीज भर्ती हैं और 40 ऑक्सीजन पर हैं। एक्टिव मरीजों की संख्या 1244 है। वहीं, पुणे में 561 और ठाणे में 703 केस दर्ज किए गए हैं। दिल्ली सरकार भी अलर्ट मोड पर नजर आ रही है। दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय ने बुधवार को कहा कि नगर निकाय की तरफ से संचालित सभी अस्पताल कोरोना वायरस की स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और उन्होंने लोगों से नहीं घबराने की अपील घघघ मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 29 नए पॉजिटिव मामले सामने आए हैं। ऐसे में अब मध्य प्रदेश में सक्रिय मरीजों की संख्या 126 हो गई है। वहीं, राजस्थान में पिछले 24 घंटे की रिपोर्ट में 61 पॉजिटिव केस मिले हैं। राजसमंद शहर में सबसे ज्यादा 14 मामले मिले हैं। राज्य में संक्रमण दर श्र से बढ़कर तीन फीसदी के ऊपर चली गई है। कोविड के बढ़ते केसों को देखते हुए खांसी-जुकाम और बुखार जैसे लक्षणों के दिखाई देने पर कोरोना टेस्ट को अनिवार्य कर दिया गया। हिमाचल प्रदेश में कोविड-19 के मामलों में तेजी के मद्देनजर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के लोगों से अपील की है कि वे कोविड-19 के प्रति उचित व्यवहार का पालन करें और महामारी को फैलने से रोकने के लिए भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रही है और समाज को कोरोनोवायरस के साथ रहना सीखना होगा।उधर पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह ने बुधवार को कहा कि सरकार कोविड मामलों में तेजी को देखते हुए किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। वर्तमान में राज्य में आईसीयू या वेंटिलेटर सपोर्ट पर कोई कोविड रोगी नहीं है और स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि हमारे ऑक्सीजन संयंत्र काम कर रहे हैं। हमारे कर्मचारी, वार्ड सभी एलर्ट मोड पर है। कोरोना के बढ़ते हुए मामलों ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है।28 मार्च को कोविड-19 के एक्टिव मरीजों की संख्या 340 तक पहुंच गई। जिसके बाद सरकार एक्शन में आ गई है। उत्तर प्रदेश में कोरोना के मामलों ने बढ़ाई चिंता, सीएम योगी आदित्यनाथ ने दिए उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए योगी सरकार सतर्क हो गई है। जिसे देखते हुए सीएम योगी ने सभी फ्रंटलाइन वर्कर्स, सरकारी व निजी अस्पताल को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सभी जिलों में कोविड-1 प्रबंधन के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है।

निजीकरण ही समीकरण

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

शहर में 'बेचैयों' की एक नई टोली आयी है। एक ही धुन बार-बार लगाए जा रहे हैं। धुन में बार-बार 'निजीकरण-निजीकरण यही हमारा समीकरण' की पिपुड़ी बजाए जा रहे हैं। ये बेचैये इतने शातिर हैं कि अपने नाखूनों से जड़ सहित महावृक्ष उखाड़ने की काबिलियत रखते हैं। पत्ता, तना, शाखा, फल, फूल, जड़ सब कुछ बेचे जा रहे हैं। बेचने का ऐसा जुनून छाया है कि अपना जमीर तो पैदा होते ही बेचकर गंगा नहा चुके हैं।

जो दिखे उसे बेच दो। जो झुके उसे तोड़ दो। जो मुडे उसे मरोड़ दो। बेचने, तोड़ने और मरोड़ने का एजेंडा लेकर जहाँ-तहाँ बेसुरों रागों की झड़ी लगाए जा रहे हैं। बेसुरों रागों से पीड़ित कान लहूलुहान हो चुके हैं। बेसुरे रागों के चलते देशभक्ति बोझभक्ति बनती जा रही है। सरकारी संस्थाओं के सुरों में अब पहले जैसा दम नहीं रहा। इसलिए इन्हें निजी सुरों को सौंपा जा रहा है। निजी सुरों को सौंपने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि वे घाटे में चले जाएँ तो उन्हें बैंकों से ऋणमुक्त किए जाने की सुविधा उपलब्ध होती है। भागते भूत की लंगोटी भली की तर्ज पर सरकारी संस्थाओं को औने-पौने दाम पर बेचे जा रहे हैं। बहुत जल्द 'एक पर एक फ्री' का चलन आरंभ होने वाला है। जरूरत पड़ी तो 'एक पर दो फ्री' का ऑफर भी दिया जा सकता है। जेब से अपना क्या जाने वाला है।

सास-ससुर की कमाई दामाद चुटकियों में चट कर जाता है। एक जरूरी सूचना बहुत जल्द जारी की जाने वाली है। नदियों को बताए बिना पानी, तटों को बताए बिना लहरों, पुतलियों को बताए बिना सपनों को बेचने की खबरें बड़ी तेजी से वाइरल होने वाली हैं। जरूरत है तो खरीददार की। खरीददार मिल जाए तो पूरे देश को बेच सकते हैं। सड़क किनारे रेहड़ी लगाए औने-पौने दाम पर गाजर-मूली की तरह सब कुछ बेचे जा रहे हैं। आजकल आसमान डरा-डरा और सहमा हुआ है। किसी ने उसे बताया कि इन बेचैयों की बुरी नजर अब उसी पर है। मौका मिलते ही तराजू थामे किलो के हिसाब से आसमान तोल-तोलकर फल-फूल की तरह बेच देंगे। कौन कहता है कि देश खून-पसीने से खड़ा होता है। खून-पसीने में मिठास नहीं होती। उसमें नमक था, नमक है और नमक रहेगा। असली मिठास तो बेचने में है। बेचो और मौज करो। बेचैये मुँह में राम हैं, लेकिन बगल में छुरी धरे सरकारी संस्थाओं की डोर काटे जा रहे हैं।

वे आत्मनिर्भर बनाने के चक्कर में पूंजीवादियों को फर्श से अर्श पर पहुँचाते जा रहे हैं। धोती वालों की धोती खींचते जा रहे हैं। इन बेचैयों से धोती संभालने की जरूररत है। पता नहीं कब धोती गायब हो जाए। बेचैये देश को पूंजीवादी गिद्धों के हाथों में धरकर 'चुटकियों में देश कैसे बेचें' की नई इबारत लिख रहे हैं।

श्रीहरि की पूजा का महीना

5 मई तक रहेगा वैशाख मास, स्नान-दान और भगवान विष्णु का अभिषेक करने से बढ़ता है पुण्य

वैशाख महीना शुरू हो गया है। जो कि 5 मई तक रहेगा। इन दिनों में भगवान विष्णु की विशेष पूजा करने की परंपरा है। इस हिंदी महीने के देवता भगवान विष्णु हैं, इसलिए पुराणों में कहा गया है कि वैशाख मास में भगवान विष्णु की पूजा करने से अनंत शुभ फल मिलता है।

स्कंद पुराण में बताया गया है कि वैशाख महीने में स्नान-दान के साथ ही भगवान विष्णु की पूजा और व्रत-उपवास करने से जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप नष्ट हो जाते हैं। पद्म और विष्णु धर्मोत्तर पुराण में भी कहा गया है कि वैशाख महीने में की गई भगवान विष्णु की पूजा से कई गुना पुण्य फल मिलता है।

स्नान और जलदान का विशेष महत्व

स्कंद, पद्म, ब्रह्मवैवर्त पुराण और महाभारत में वैशाख महीने को बहुत खास बताया गया है। इन ग्रंथों में कहा गया है कि वैशाख मास में सूर्योदय से पहले स्नान करने, जलदान और तीर्थ में नहाने से हर तरह के दुख खत्म हो जाते हैं। वैशाख महीने में इन कामों को करने से कई गुना पुण्य फल मिलता है।

कैसे करें भगवान विष्णु की पूजा

सूर्योदय से पहले उठकर पानी में गंगाजल या किसी पवित्र नदी का जल मिलाकर नहाएं। इसके बाद सूर्य को अर्घ्य दें। भगवान विष्णु की पूजा करने का संकल्प लें। पूजा किसी ब्राह्मण से करवाएंगे तो ज्यादा अच्छा रहेगा।

भगवान विष्णु को पंचामृत से स्नान कराएं। चरणामृत ग्रहण करें। पूजा में ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करना चाहिए। भगवान को फूल, धूप, नैवेद्य आदि सामग्री चढ़ाएं। दीपक जलाएं। विष्णु सहस्त्रनाम का जाप करें। व्रत की कथा सुनें। दूसरे दिन यानी द्वादशी पर ब्राह्मणों को भोजन कराएं और दान देकर आशीर्वाद प्राप्त करें।

ये शुभ काम भी कर सकते हैं

1. सुबह तुलसी को जल चढ़ाएं और शाम को तुलसी के पास दीपक जलाएं।

2. भगवान विष्णु के साथ ही देवी महालक्ष्मी की पूजा भी करें।

3. किसी मंदिर जाएं और ध्वज यानी झंडे या पानी से भरे मटके का दान करें।

4. शिवजी के सामने दीपक जलाएं और श्रीराम नाम का जाप 108 बार करें।

5. शिवलिंग पर जल चढ़ाएं, काले तिल चढ़ाएं।

पूजा-पाठ के साथ ही जूते-चप्पल पीने का पानी और छाते का दान करें

हिन्दी पंचांग का दूसरा महीना वैशाख शुरू हो गया है। ये महीना 5 मई तक रहेगा। इसके बाद ज्येष्ठ मास शुरू होगा। वैशाख में गर्मी काफी अधिक रहती है, इसलिए इस माह में पूजा-पाठ के साथ ही जूते-चप्पल, पानी और छाते का दान करने की परंपरा है। शिवलिंग पर ऐसी चीजें खासतौर पर चढ़ाएं जो शीतलता देती हैं, जैसे ठंडा पानी और चंदन।

इस माह में पवित्र नदियों में स्नान करने की और तीर्थ दर्शन करने का महत्व काफी अधिक है। इन दिनों में गर्मी अधिक रहती है तो खान-पान में लापरवाही न करें। जीवन शैली में भी बदलाव करना चाहिए। सुबह जल्दी उठें और रात में जल्दी सो जाएं। खाने में ऐसी चीजें शामिल न करें, जिनसे पेट संबंधी बीमारी हो सकती है।

स्कंद पुराण के इस श्लोक के अनुसार वैशाख के समान कोई और मास नहीं है। सत्ययुग के समान कोई युग नहीं है। वेद के समान को शास्त्र नहीं है और गंगा जी के समान कोई तीर्थ नहीं है।

वैशाख मास शुक्रवार से शुरू हो चुका है और शुक्रवार को ही खत्म होगा। मान्यता है कि इस माह में किए गए पूजा-पाठ से अक्षय पुण्य मिलता है और भगवान की कृपा से भक्त की सभी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। ये महीना वृक्षों में कल्पवृक्ष के समान और शिवजी, विष्णु को प्रसन्न करने वाला माना गया है।

वैशाख मास में कर सकते हैं ये शुभ काम

इस माह में हमें सूर्यादय से पहले उठ जाना चाहिए। स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाकर दिन की शुरुआत करें।

वैशाख में तीर्थ दर्शन करें और नदियों में स्नान करें। अगर यात्रा नहीं कर पा रहे हैं तो घर पर पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं।

ये गर्मी का समय है। इस महीने में पानी का दान करें। किसी सार्वजनिक स्थान पर प्याऊ लगाएं या किसी प्याऊ में मटके का दान करें। इस माह में जो व्यक्ति प्याउ लगवाता है, वह देवता, ऋषि और पितर सभी को तृप्त करता है। प्यासों के लिए पानी और धूप से बचने के लिए छाते का दान करें। जरूरतमंद लोगों को जूते-चप्पल का भी दान करें। आप चाहें तो किसी मंदिर में पंखों का दान भी कर सकते हैं।

रोजाना मात्र 24 मिनट करें इन मंत्रों का जाप, चमकेगी किस्मत

ज्योतिषीयों के मुताबिक, यदि नियमित तौर पर 24 मिनट एक गोपनीय मंत्र का जाप किया जाए, तो व्यक्ति की हर इच्छा पूरी होती है। 21 दिनों तक इस उपाय को निरंतर करने से ईश्वर खुश होकर उनका सोया भाग्य चमका देते हैं।

करें इस मंत्र का जाप:-

प्रत्येक मशहूर को किस्मत का साथ नहीं मिलता। कई बार भाग्य का साथ न होने की वजह से कड़ी मेहनत के बाद भी मनुष्य को सुख-सुविधाएं प्राप्त नहीं होती, जिसका वे हकदार है। कहते हैं कि यदि मनुष्य को कर्म के मुताबिक पूरा फल नहीं मिलता, तो इसमें भाग्य का ही दोष होता है। ऐसे में भाग्य को चमकाने के लिए ज्योतिष शास्त्र में एक मंत्र का जिक्र किया गया है। भाग्योन्नति मंत्र सोये भाग्य को चमकाने का ही मंत्र है। इसे जाप के जरिए सिद्ध किया जाता है।

ये है भाग्योन्नति मंत्र:-

ॐ ऐं श्रीं भाग्योदय कुरु कुरु श्रीं ऐं फट्

मंत्र जाप की विधि:-

कहा जाता है कि इस मंत्र का जाप यदि सोने से पहले किया जाए, तो बहुत लाभकारी साबित होता है। साथ ही, कम से कम इस मंत्र का जाप 11 बार जरूर करें। अपनी इच्छानुसार इसे 21 या 51 बार भी किया जा सकता है। निरंतर 21 दिनों तक इस मंत्र का जाप करने से आपको खुद चमत्कार नजर आएगा। इस मंत्र का जाप करने से पहले हाथ पैर धो लें तथा इसके बाद ही जाप के लिए बैठें। मंत्र का जाप करने के बाद भगवान का धन्यवाद अवश्य करें।

तिराहे पर बने घर शुभ या अशुभ

पूर्व दिशा- अगर कोई मकान पूर्व दिशा के तिराहे पर है तो उसे खराब नहीं माना जाता है। ऐसा घर मान-सम्मान और सेहत का कारक होता है।

पश्चिम दिशा- अगर आपका मकान पश्चिम दिशा के तिराहे पर मौजूद है तो इसमें वास्तु दोष होने की संभावना सबसे ज्यादा होती है। इसे अच्छा नहीं माना जाता है।

उत्तर दिशा- अगर आपका मकान उत्तर दिशा के तिराहे पर है उसे अशुभ नहीं माना जाता है। वास्तु के अनुसार ऐसे स्थान पर बना घर आपके जीवन में उन्नति ला सकती है।

दक्षिण दिशा- अगर किसी व्यक्ति का मकान दक्षिण दिशा में है तो इसे अच्छा नहीं माना जाता है। इन घरों में रहने वालों को तरह-तरह की परेशानियों से जूझना पड़ता है।

ईशान कोण दिशा- उत्तर-पूर्व की दिशा को ईशान दिशा कहा जाता है। यह दिशा बहुत ही शुभ होता है। अगर आपका घर इस दिशा में है और वहां टी प्वाइंट मौजूद है तो यह हर लिहाज से शुभ है। ऐसे स्थान पर बने घर में हर समय सुख-समृद्धि रहती है।

आग्नेय दिशा- पूर्व-दक्षिण की दिशा को आग्रेय दिशा माना जाता है। इस दिशा में बने घर के सामने टी पॉइंट होना अच्छा नहीं माना जाता है।

नैऋत्य दिशा- दक्षिण-पश्चिम कोण को नैऋत्य दिशा माना जाता है और इस दिशा में मौजूद घर के सामने टी पॉइंट होने पर घर में रहने वाले सदस्यों को गंभीर बीमारी हो सकती है।

वायव्य- उत्तर-पश्चिम कोण को वायव्य दिशा कहते हैं। इस दिशा में बने घर के सामने तिराहा होा अशुभ होता है। यहां पर सबसे ज्यादा और जल्दी से नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती है और धन की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

तिराहे पर बने घर के उपाय- तिराहे पर बने घर के वास्तु दोष को दूर करने के लिए कुछ उपाय करने होते हैं। आप घरके सामने मुख्य द्वार की दीवार पर सामने की तरफ से एक अष्टकोण वाला दर्पण लगा लें। ऐसे में जब भी नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करेगी वह दर्पण से टकराकर वापस लौट जाएगी। घर के मुख्य दरवाजे के सामने विंड चाइम्स, भगवान गणेश की मूर्ति, तुलसी और अशोक का पौधा लगा सकते हैं।

वैशाख संकष्टी चतुर्थी पर भद्रा का साया, बना है सिद्धि योग

वैशाख संकष्टी चतुर्थी 2023
हिंदू कैलेंडर के अनुसार, 9 अप्रैल को सुबह 09:35 बजे से वैशाख कृष्ण चतुर्थी तिथि शुरू हो जाएगी और यह 10 अप्रैल को सुबह 08:37 बजे तक मान्य होगी। वैशाख संकष्टी चतुर्थी व्रत 9 अप्रैल को रखा जाएगा।

वैशाख माह का प्रारंभ 07 अप्रैल से हो गया है। हिंदू कैलेंडर मं 15 दिन कृष्ण पक्ष और 15 दिन शुक्ल पक्ष होता है। कृष्ण पक्ष की चतुर्थी संकष्टी चतुर्थी है। वैशाख संकष्टी चतुर्थी का व्रत 9 अप्रैल दिन रविवार को है। इस दिन भद्रा का साया है लेकिन सिद्धि योग भी है। देखना होगा कि यह भद्रा स्वर्ग, पाताल या पृथ्वी में से कहां पर है। पाताल और स्वर्ग की भद्रा का प्रभाव पृथ्वी पर नहीं होता है। श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ। मृत्युञ्जय तिवारी बता रहे हैं वैशाख संकष्टी चतुर्थी के पूजा मुहूर्त और भद्रा का तोड़।

नहीं होगा भद्रा का असर

वैशाख संकष्टी चतुर्थी को भद्रा लग रही है, लेकिन उसका प्रभाव पृथ्वी पर नहीं होगा क्योंकि भद्रा का वास पाताल लोक और स्वर्ग लोक में है। भद्रा का वास सुबह 06:03 बजे से 08:02 बजे तक पाताल में और सुबह 09:35 बजे तक स्वर्ग में है। स्वर्ग और पाताल की भद्रा का प्रभाव पृथ्वी पर नहीं मान्य होता है।

वैशाख संकष्टी चतुर्थी 2023 पूजा मुहूर्त

वैशाख संकष्टी चतुर्थी के दिन आप सुबह में 09:13 बजे से दोपहर 12:23 बजे के बीच गणेश जी की पूजा कर सकते हैं। यह व्रत और पूजा रात में चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद पूर्ण होता है। इस दिन चंद्रमा का उदय रात 10:14 बजे होगा। इस दिन सिद्धि योग सुबह से रात 10:14 बजे तक है। सिद्धि योग पूजा पाठ के लिए शुभ है।

वैशाख संकष्टी चतुर्थी पर गणेश पूजा

9 अप्रैल को जो लोग वैशाख संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखेंगे, वे गणेश जी की पूजा विधिपूर्वक करेंगे। इस पूजा में गणपति बप्पा को दूर्वा, सिंदूर, हल्दी, लाल पुष्प और मोदक अवश्य चढ़ाएं। मोदक के अलावा बूंदी के लड्डुओं का भोग भी लगा सकते हैं। इस दिन मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए ओम गं गणपतये नमो नमः मंत्र का जाप कर सकते हैं।

संकष्टी चतुर्थी व्रत रखने और गणेश जी की पूजा करने से सभी प्रकार के संकट, विघ्न और बाधाएं दूर हो जाती हैं। गणपति बप्पा की कृपा से सब कार्य शुभ और सफल होते हैं।

शुरू हो रहा गुरु चंडाल योग

इन 4 राशि वालों को किया सावधान!

22 अप्रैल को गुरु चंडाल योग बन रहा है। माना जाता है कि जब गुरु और राहु युति बना लेते है तो गुरु चंडाल का योग बनता है। यह गुरु चंडाल योग 7 महीने तक रहने वाला है। इसका असर राशि पर भी पड़ेगा। गुरु चंडाल योग किसी के लिए सामान्य तो किसी के लिए अशुभ साबित हो सकता है।

सूर्य ग्रह 4 अप्रैल को मीन राशि से निकल कर मेष राशि में गोचर किया है। ऐसे मे गुरु चंडाल योग के शुरू होने से कई राशियों के लिए यह सामान्य रहने वाला है। लेकिन 4 राशियों के लिए परेशानी लेकर आने वाला है। आईए एक नज़र डालते हैं इन राशियों पर होने वाले प्रभाव पर...

मेष राशिः इस राशि वालों के लिए गुरु चंडाल योग बेहद अशुभ रहने वाला है। शारीरिक कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही आर्थिक नुकसान हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधी समस्या आ सकती है। मन के विचलित होने से परेशानी से जूझना पड़ सकता है।

मिथुन राशिः इस राशि के जातकों के लिए गुरु चंडाल योग बेहद अशुभ रहने वाला है। इनको आर्थिक नुकसान होने की संभावना है। इसके साथ किसी जगह से अशुभ समाचार मिल सकता है। ज़ब भी कोई कार्य करे उसे धैर्यता पूर्वक करे। सोच समझ कर करे।

धनु राशिः इस राशि वालों के लिए गुरु चंडाल योग असमान्य रहने वाला है। धनु राशि वाले वाहन चलाते समय सावधान रहे। व्यापार में नुकसान होने की संभावना है। अज्ञात भय सतायेगा।

कन्या राशिः इस राशि के जातकों के लिए यह गुरु चंडाल योग बेहद अशुभ रहने वाला है। क़र्ज़ लेने की नौबत आ सकता है। आर्थिक नुकसान की संभावना है। पारिवारिक सुख में परेशानी होगी। काम में बाधा पहुंचेगा।

क्या हैं बचाव के उपाय ?

ज्योतिषीशास्त्र के अनुसार गुरु चंडाल से बचने के लिए गाय को चारा खिलाये। कुत्ते को रोटी खिलाये। सबसे अहम उपाय भगवान शिव पर जलाभिषेक करे। बेलपत्र चढ़ाये। केले के पौधे का पूजन करें। विशेष करके इस योग से बचने के लिए महामृत्युंजय जाप करायें।

विवाह में आ रही हैं अड़चन, जल्द अपनाएं 5 महाउपाय

हर परिवार में बड़े बुजुर्गों का ये सपना होता है, कि उनके बच्चों का सही समय पर विवाह हो जाए, लेकिन कई लोगों को ये सपना पूरा करने में बहुत सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ज्योतिष शास्त्र में विवाह की गणना कुंडली को देखकर की जाती है। कुंडली में ग्रहों की प्रतिकूल स्थिति होने पर शादी में बाधाएं आती हैं। वहीं यदि कोई ग्रह अनुकूल है। तो व्यक्ति की शादी शीघ्र ही हो जाती है। ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों को दो वर्गों में बांटा गया है। शुभ ग्रह विवाह के कारक होते हैं, और अशुभ ग्रह विवाह में देरी करवाते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गुरु और शुक्र ग्रह के मजबूत होने से शादी के योग शीघ्र ही बनते हैं। भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु विशेषज्ञ पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बता रहे हैं, शीघ्र शादी के लिए किन उपायों को करना उचित होता है।

जल्द विवाह के लिए करें ये उपाय

– ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गुरु ग्रह कन्याओं के विवाह के कारक ग्रह माने गए हैं। गुरु ग्रह की स्थिति कुंडली में मजबूत रहने से लड़की की शादी शीघ्र हो जाती है। इसलिए ज्योतिष शास्त्र लड़कियों के गुरु ग्रह को मजबूत करने की सलाह देते हैं। इसके लिए गुरुवार के दिन लड़कियों को पीले वस्त्र धारण करने की सलाह दी जाती है।

-यदि आपके विवाह में भी बाधाएं आ रही हैं तो आपको प्रतिदिन अर्गलास्तोत्रम् का पाठ करना चाहिए। माना जाता है कि इस पाठ को करने से विवाह में आ रही बाधाएं दूर होती हैं, और विवाह के योग बनने शुरू हो जाते हैं।

-कई बार घर के वास्तु दोष के कारण भी विवाह में बाधाएं उत्पन्न होती हैं। इसके लिए ध्यान रखना आवश्यक है, कि शयनकक्ष में किसी भी प्रकार की भारी या वजनदार चीजों को ना रखें। यह वास्तु दोष का कारण बनती हैं।

– जल्दी विवाह के योग बनने लगे इसके लिए भगवान गणेश की पूजा करें। गणेश जी की पूजा करने से बुध ग्रह भी मजबूत होते हैं। खासतौर पर गणेशजी को मोदक अर्पित करने से अविवाहित लड़कों की शादी जल्दी हो जा सकती है। कन्याएं भगवान गणेश को मालपुआ अर्पित कर सकती हैं।

– शादी में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए गुरुवार के दिन केले के पौधे में हल्दी मिलाकर जल अर्पित करना चाहिए। इसके बाद 108 बार गुरु मंत्र का जाप भी करें। ज्योतिष शास्त्र मानता है, कि गुरुवार के दिन पानी में हल्दी मिलाकर स्नान करने से भी विवाह के योग बनने शुरू हो जाते हैं।

अमीषा पटेल पर ठगी और धमकाने का आरोप

समन के बावजूद सुनवाई में नहीं पहुंची, रांची सिविल कोर्ट ने वारंट जारी किया

गदर एक्ट्रेस अमीषा पटेल मुश्किलों में फंस गईं हैं। रांची सिविल कोर्ट के अमीषा और उनके बिजनेस पार्टनर कुणाल गूमर के खिलाफ चेक बाउंस, धोखाधड़ी और धमकाने के मामले में वारंट जारी किया है। इससे पहले मामले में अदालत ने अमीषा को समन भेजा था, लेकिन जब वह कोर्ट नहीं पहुंची तो अदालत ने उनके खिलाफ वारंट जारी कर दिया। मामले की अगली सुनवाई को 15 अप्रैल को होगी।

एलबम और फिल्म के नाम पर अमीषा ने लिए थे पैसे

दरअसल, अजय कुमार सिंह नाम के एक शख्स ने 17 नवंबर 2018 को चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट में दोनों के खिलाफ केस दर्ज कराया था। उसने आरोप लगाया था कि म्यूजिक एलबम और फिल्मों के नाम पर अमीषा और उनके बिजनेस पार्टनर कुणाल ने उससे पैसे लिए थे, इसके बावजूद अभी तक फिल्म और एलबम नहीं बन सकी है। अजय का आरोप है कि अमीषा ने फिल्म देसी मैजिक नाम के उससे 2.5 करोड़ रुपए लिए थे, जिसे अमीषा ने वापस नहीं किया।

अमीषा के दिए चेक हुए बाउंस

दोनों के बीच हुए कॉन्ट्रैक्ट के मुताबिक जब 2018 में फिल्म देसी मैजिक नहीं बनी, तो अजय ने अमीषा से अपने पैसों की मांग की। लंबे इंतजार के बाद अमीषा ने अक्टूबर 2018 में ढाई करोड़ और 50 लाख रुपए के दो चेक दिए, जो बाउंस हो गए। इसके बाद अजय ने अमीषा और उनके मैनेजर के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

अमीषा ने मूवी में पैसे लगाने का ऑफर दिया था

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अजय सिंह बिहार के भोजपुर जिले के बखोरापुर का रहने वाला है। वो हमेशा से बॉलीवुड में अपना मुकाम हासिल करना चाहता था। 2017 के हरमू हाउसिंग कॉलोनी में डिजिटल इंडिया को लेकर एक कार्यक्रम हुआ था। इसमें अमीषा और अजय सिंह गेस्ट के तौर पर स्टेज पर साथ बैठे थे।

इवेंट के दौरान अजय को फिल्म देसी मैजिक में पैसे लगाने का ऑफर मिला था, जिसके बाद उसने अमीषा को ढाई करोड़ रुपए का चेक दिया।

सलमान खान ने धमकियों के बीच खरीदी नई बुलेटफ्रूफ 'निसान पेट्रोल' कार

सलमान खान को लगातार जान से मरने की धमकी मिल रही हैं। इन सब के बीच उन्होंने अपनी कार कलेक्शन में नई बुलेट प्रूफ गाड़ी शामिल कर ली है। सलमान ने 'निसान' कंपनी की सबसे महंगी व्हाइट 'नसिान पेट्रोल' बुलेट प्रूफ गाड़ी खरीदी है। हाल में ही एक्टर को जान से मारने की धमकी भरा ईमेल भी मिला था, जिसके बाद भाईजान ने यह बड़ा फैसला लिया है।

इस बुलेट प्रूफ गाड़ी की खासियत है कि ये सुरक्षा के नजरिए से काफी खास होती है। साउथ एशिया बाजार में यह एसयूवी सबसे लोकप्रिय और मंहगी गाड़ियों में से एक है। इस गाड़ी को विदेश से इंपोर्ट किया गया है। फिलहाल यह इंडियन मार्केट में लॉन्च भी नहीं हुई है।

बता दें, सलमान को 18 मार्च को एक धमकी भरा ई-मेल आया था। इस मामले में गैंगस्टार लॉरेंस बिश्नोई का नाम सामने आया था। पुलिस ने लॉरेंस और गोल्डी बराड़ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इस मेल में लिखा था- 'गोल्डी बराड़ को तेरे बॉस यानी सलमान खान से बात करनी है। इंटरव्यू देख लिया होगा उसने शायद नहीं देखा हो तो बोल दियो देख लेना। मैटर क्लोस करना है तो बात करवा दो। फेस टू फेस करना हो तो वो भी बता दो। अभी टाइम रहते इन्फॉर्म कर दिया है अगली बार झटका मिलेगा'।

सलमान खान को पिछले काफी समय से जान से मारने की धमकियां मिल रहीं हैं। इस बीच बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भाईजान ने पहली बार इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब उनसे पूछा गया- 'सलमान सर आप पूरे इंडिया के भाईजान हैं। ऐसे में आपको जो धमकियां मिलती हैं, आप उसको कैसे देखते हैं?' जिसके जवाब में सलमान ने मुस्कराते हुए कहा- 'पूरे इंडिया के भाईजान नहीं हैं, किसी की जान भी हैं हम। बहुत सारों की जान हैं हम। भाईजान उनके लिए हैं, जो भाई हैं और उनके लिए जिन्हें हम बहन बनाना चाहते हैं।' सलमान का जवाब सुन सोशल मीडिया पर फैंस काफी हुए।

धर्मेंद्र ने बताया खुद को कैसे रखते हैं फिट : 87 साल की उम्र में दिखाई अपनी स्विमिंग स्किल्स

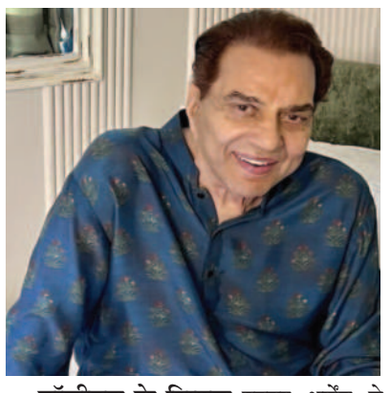

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र ने हालही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो के जरिए उन्होंने अपनी फिटनेस का राज फैंस के साथ शेयर किया। उन्होंने बताया की 87 साल की उम्र में कैसे वह खुद को फिट रखते हैं। धर्मेंद्र के इस वीडियो में वह स्विमिंग पूल में तैरते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो को शेयर करते हुए एक्टर ने कैप्शन में लिखा, 'दोस्तों स्वास्थ ही धन हैं, ये मैं रोज करता हूं, क्या आप भी करते हैं'। अपना ध्यान रखे'।

सनी देओल और बॉबी देओल ने की तारीफ

एक्टर के इस वीडियो को फैंस के अलावा सेलेब्स भी काफी पसंद कर रहे हैं। धर्मेंद्र के दोनों बच्चें सनी देओल और बॉबी देओल ने भी अपना रिएक्शन दिया। दोनों एक्टर्स ने वीडियो पर हार्ट वाली इमोजी शेयर की। वहीं एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'रियल हीमैन'

वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, 'सर आप हमारे लिए इंस्पिरेशन हो'।

'राहुल को कोई क्रिकेट खेलना कैसे सिखा सकता है': सुनील शेट्टी

ये सभी को पता है कि सुनील शेट्टी कितने बड़े क्रिकेट लवर हैं। उनके दामाद केएल राहुल टीम इंडिया के सीनियर प्लेयर्स में से एक हैं। हालांकि इन दिनों वे काफी खराब फॉर्म में चल रहे हैं। अब सुनील ने कहा है कि राहुल जैसे खिलाड़ी को कोई क्रिकेट खेलना थोड़ी सिखा सकता है। वो अपने देश के लिए खेलते हैं और देश के लिए खेलना बहुत बड़ी बात है।

सुनील शेट्टी ने एक इंटरव्यू में दामाद राहुल के बारे में बातचीत की। उन्होंने कहा, 'अगर राहुल खराब भी खेलकर आता है तो हमारे घर में उसकी चर्चा नहीं होती है। हम लोग जानते हैं कि वो एक फाइटर है। वो अपने खेल में एक्सपर्ट है इसलिए उसे कोई क्या सिखाएगा। वो देश के लिए क्रिकेट खेलता है। कोई गली मोहल्ले के लिए नहीं कि कोई भी आए और कह दे कि ऐसा खेलो वैसा खेलो।'

राहुल अपने बल्ले से बात करेगा

सुनील ने आगे कहा, 'मैं उस लड़के को देखता हूं जो कठिन समय से गुजर रहा है। लेकिन वो फिर भी खड़ा है और चुनौती लेने को तैयार है। वो बातों से नहीं अपने बल्ले से जवाब देगा। उसे मैदान पर जाना होगा और गेंद का सामना करना पडेगा।'

पूर्व भारतीय गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने केएल राहुल की जमकर आलोचना की थी। उन्होंने राहुल के इंडियन टीम में जगह पर भी सवालिया निशान लगा दिया था। उनका मानना है कि इस वक्त टीम में राहुल से भी अच्छे प्लेयर हैं जो बेंच पर बैठे हैं। राहुल को निकालकर उनमें से किसी एक को मौका मिलना चाहिए। उन्होंने राहुल के खिलाफ कई ट्वीट किए थे। हालांकि पिछले दिनों राहुल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में एक मैच जिताऊ पारी खेली थी। इस पारी के बाद सुनील शेट्टी ने एक मीडिया इंटरेक्शन में कहा कि ऊपर वाला जब तक है, तब तक बाहर का कोई कुछ भी बोले...उससे कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है।

सुनील शेट्टी ने कुछ दिन पहले एक इंटरव्यू में बताया कि वो पहली बार राहुल से एयरपोर्ट पर मिले थे। उन्होंने कहा, 'मैं जब पहली बार राहुल से मिला तो मुझे पता चला कि वो मंगलोर का रहने वाला है। मैं भी वहीं का रहना वाला हूं। मैं उसके खेल का बहुत बड़ा फैन था, मुझे ये देखकर खुशी थी कि वो अपने क्षेत्र में अच्छा कर रहा है। जब मैं घर आया और अपनी वाइफ माना और बेटी अथिया से इस मुलाकात के बारे में बताया तो वो एक दूसरे का चेहरा देखने लगीं। बाद में माना ने बताया कि अथिया और राहुल पहले से ही एक दूसरे के टच में हैं।'

सुनील शेट्टी ने उस इंटरव्यू में आगे कहा कि वो खुश थे क्योंकि वो हमेशा से चाहते थे कि अथिया साउथ इंडियन लड़के के साथ अपना कनेक्शन बनाए। उन्होंने कहा, 'मुझे हैरानी थी कि अथिया ने मुझसे राहुल के बारे में कभी जिक्र नहीं किया था। हालांकि मैं खुश था क्योंकि मैंने अथिया को हमेशा से साउथ इंडियन लड़को से कनेक्ट होने की नसीहत दी थी। ये सुखद संयोग ही था कि मंगलोर में राहुल के घर से कुछ ही दूरी पर मेरा भी जन्मस्थान है।'

पढ़ाई के लिए दुबई नहीं जाना चाहती नवाजुद्दीन की बेटी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी के बच्चों की कस्टडी फिलहाल एक्स वाइफ आलिया को मिली है। कोर्ट ने कहा कि बच्चों को पढ़ाई के लिए दुबई भेज दिया जाए। हालांकि अब खबरें आ रही हैं कि नवाज की बेटी दुबई नहीं जाना चाहती। उसे डर हैं कि कहीं उसे वहां परेशान न किया जाए। मां-बाप के बीच हुए विवाद का असर उसके दिमाग पर पड़ा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया उसे थेरेपी सेशन भी दिलवा रही हैं।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने 3 अप्रैल को आदेश देते हुए कहा था कि 45 दिन तक बच्चों की कस्टडी आलिया के पास रहेगी। 45 दिन बाद कोर्ट फिर इस मामले की सुनवाई करेगी। अब ईटाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, नवाज की बेटी शोरा मानसिक रूप से परेशान चल रही है।

नवाज के भाई शमास सिद्दीकी ने भी इस बात की पुष्टि की है। शमास ने एक ट्वीट कर लिखा है, 'घटियापन की भी सीमा होती है, इसके लिए बच्चे भी अब मायने नहीं रखते। बच्ची को अब मनोचिकित्सक से दिखाने की नौबत आ गई है। दोनों बच्चे सहमे हुए है और दुबई जाकर पढ़ाई नहीं करना चाहते। दुबई जाने के लिए प्रेशर क्यों बनवा रहो? पैसों की मोहताज तो वो (आलिया) दुबई में थी और यहां भी है।'

2021 में आलिया अपने दोनों बच्चों सहित दुबई चली गई थीं। वहां सभी नवाज के घर पर रहते थे। बच्चे पढ़ाई भी वहीं करते थे। जब नवाज और आलिया के बीच विवाद शुरू हुआ तो आलिया दुबई छोड़ भारत आ गईं। यहां आकर उन्होंने आरोप लगाया कि नवाज उन्हें पैसे नहीं दे रहे थे, साथ ही मानसिक रूप से प्रताड़ित भी कर रहे थे।

भारत आने बाद आलिया नवाज के मां के घर पर चली गई। वहां भी सास के साथ उनका विवाद हुआ। नवाज की मां ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि आलिया ने उनके साथ बदसलूकी की है। वहीं आलिया का आरोप था उन्हें उनकी प्रापर्टी से बेदखल किया जा रहा है।

इसके बाद आलिया ने नवाज पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने नवाज पर रेप तक का इल्जाम लगाया था। उन्होंने एक वीडियो के जरिए कहा कि नवाज ने उन्हें बच्चों सहित घर से निकाल दिया है और वो अब अपनी भांजी के यहां एक कमरे के मकान में रह रही हैं। नवाज के इन आरोपों के जवाब में आलिया के खिलाफ 100 करोड़ का मानहानि का केस कर दिया था।

हालांकि इसके बाद भी आलिया के तेवर में कमी नहीं आई। उन्होंने कहा कि वो अपने बच्चों की कस्टडी को लेकर लड़ेंगी फिर नवाज के खिलाफ एक्शन लेंगी। नवाज ने इसके बाद आलिया को एक सेटलमेंट लेटर भेजा। उस लेटर में कहा गया कि अगर नवाज के अपने बच्चों से मिलने दिया गया तो वो कोर्ट में आलिया के खिलाफ दायर याचिका को वापस ले लेंगे। हालांकि आलिया ने सेटलमेंट करने से मना कर दिया।

नवाज ने इसके बाद सोशल मीडिया के जरिए पहली बार इस मुद्दे पर अपनी बात रखी। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर कहा, 'बच्चों की अच्छी परवरिश के लिए पिछले 2 सालों में मैं उसे 10 लाख रुपए हर महीना देता था। जब वो मेरे बच्चों के साथ दुबई गई थी तो मैं स्कूल फीस, मेडिकल और ट्रेवल खर्चे के अलावा 5-7 लाख रुपए हर महीना उसे भेजता था।'

सलमान ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर सेंसरशिप की डिमांड की

कहा- आपकी बेटी ये सब देखे तो कैसा लगेगा.. भारत जैसे देश में ये सब दिखाने की जरूरत नहीं

सलमान खान का मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स से वल्गैरिटी खत्म होनी चाहिए। उनका मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी सेंसरशिप होनी चाहिए। सलमान ने कहा कि आज कल 15-16 साल के बच्चे तक ऐसे कंटेंट देख रहे हैं। सलमान का कहना है कि हम इंडिया जैसे देश में रहते हैं, हमें इतना वल्गर कंटेंट नहीं दिखाना चाहिए। अगर कंटेंट साफ सुधरा हुआ तो व्यूअरशिप और बढ़ेगा।

सलमान का कहना है कि वो ये बिल्कुल नहीं मानते कि ओटीटी, टीवी का कूलर वर्जन है। उन्होंने कहा कि वो 1989 से फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। उन्हें कभी ये सब नहीं करना पड़ा। सलमान ने कहा कि ओटीटी पर अश्लीलता, नग्नता और गाली-गलौज ये सब बंद होनी चाहिए।

फिल्म फेयर अवॉर्ड के पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए सलमान ने कहा, 'अब हर कोई फोन पर ऐसे कंटेंट देख रहा है और यहां तक कि छोटे बच्चे भी इसे एक्सेस कर सकते हैं। आज कल बच्चे पढ़ने के बहाने डिवाइस लेते हैं और उसमें ये सब चीजें देखते हैं। क्या आपको अच्छा लगेगा कि आपकी छोटी सी बेटी ये सब देखे?

सलमान खान ने उन एक्टर्स पर भी कटाक्ष किया जो ऐसे प्रोजेक्ट में काम करने पर अपनी सहमति देते हैं। उन्होंने कहा, 'आपने लव मेकिंग सीन्स कर लिए, किसिंग, एक्सपोज वगैरह सब कर लिया। ये सब करने के बाद आप अपनी बिल्डिंग में घुसते हैं तो आपका वाच मैन भी वही कंटेंट देख रहा है। मुझे लगता है कि सिक्योरिटी के पॉइंट ऑफ व्यू से भी ये सही नहीं है। हमें ये सब करने की जरूरत क्यों हैं। हम हिंदुस्तान में रहते हैं, लोगों को थोड़े साफ सुथरे कंटेंट पर काम करना चाहिए। बीच में काफी ज्यादा हो गया था। अब जाकर थोड़ा कंट्रोल आया है।'

सलमान ने इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में यंग एक्टर्स पर भी चुटकी ली। उन्होंने कहा कि आज कल के एक्टर्स मेहनती हैं साथ ही टैलेंटेड भी हैं, लेकिन वो (सलमान) फिर भी इनसे हार नहीं मानेंगे। सलमान ने अपने साथ शाहरुख आमिर, अक्षय और अजय का नाम लेते हुए कहा, 'हम इतनी जल्दी रिटायर नहीं हो रहे हैं। हम अपनी फीस तभी बढ़ाते हैं जब हमारी फिल्में चलती हैं। इसे देखते हुए यंग एक्टर्स भी अपनी फीस बढ़ा देते हैं भले ही उनकी फिल्म चले या न चले।'

हिंदी फिल्में क्यों नहीं चल रही हैं, सलमान ने इसके पीछे की भी वजह बताई। उन्होंने कहा, 'मैं लंबे समय से सुन रहा हूं कि हिंदी फिल्में नहीं चल रही हैं। मुझे लगता है कि फिल्में ही गलत बनाई जा रही हैं तभी वो बॉक्स ऑफिस पर फेल हो रही हैं।

मेकर्स को लगता है कि वो बेस्ट फिल्में बना रहे हैं लेकिन रियलिटी में ऐसा नहीं है। आज कल के फिल्म मेकर्स को लगता है कि पूरा भारत सिर्फ मुंबई के विशेष इलाकों तक सिमटा हुआ है। हालांकि ये देश इससे बहुत अलग है। असली भारत रेलवे स्टेशन के दूसरी तरफ देखने को मिलेगा।

'पाकिस्तान में पैसे नहीं मिले तो हिंदुस्तान चले गए' :अदनान सामी के भाई का बड़ा दावा

सिंगर अदनान सामी के भाई जुनैद ने उन पर काफी गंभीर दावे किए हैं। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जुनैद ने अदनान के एजुकेशन और बर्थ प्लेस के बारे में जानकारी दी है। जुनैद ने कहा कि अदनान झूठ बोलते हैं कि उन्होंने इंग्लैंड से पढ़ाई की है। वो इंग्लैंड में फेल हो गए थे फिर उन्होंने लाहौर से अपनी डिग्री पूरी की थी। वहीं जुनैद ने ये भी आरोप लगाया कि अदनान ने अपनी दूसरी वाइफ का आपत्तिजनक वीडियो बना लिया था। जुनैद का कहना है कि अदनान ने सिर्फ पैसों के लिए अपना मुल्क छोड़ दिया और हिंदुस्तान में जाकर बस गए।

'लंदन में नहीं पाकिस्तान में हुआ था अदनान का जन्म'

अदनान सामी हमेशा कहते हैं कि उनका जन्म पाकिस्तान में न होकर लंदन में हुआ था। वो हर मामले में पाकिस्तान को ट्रोल भी करते हैं। अब उनके भाई जुनैद ने उनके खिलाफ कुछ गंभीर बातें कही हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर लिखा, 'अदनान सामी का जन्म 15 अगस्त 1969 को रावलपिंडी के एक हॉस्पिटल में हुआ था। मेरा भी जन्म 1973 में उसी हॉस्पिटल में हुआ था। अदनान जो बातें कहते हैं कि उनका जन्म लंदन या कही और हुआ है...ये सब झूठ है। वो इंग्लैंड में O लेवल की परीक्षा में फेल हो गए थे। फिर लाहौर में आकर उन्होंने अपनी डिग्री पूरी की। बाकी की पढ़ाई उन्होंने अबू धाबी से की।

अदनान को डर था कि मैं उनसे आगे न निकल जाऊं- जुनैद

जुनैद ने कहा कि अदनान ने कभी उन्हें सपोर्ट नहीं किया। वो भी एक सिंगर हैं, लेकिन अदनान ने कभी उनके सिंगिंग करियर में मदद नहीं की। उन्होंने आगे लिखा, 'अदनान चाहते तो मेरी मदद कर सकते थे। वो जानते थे कि मेरे अंदर टैलेंट है। कई लोगों ने मुझसे कहा है कि मेरी आवाज उनसे बेहतर है, लेकिन उन्होंने कभी सपोर्ट नहीं किया। वो हमेशा स्वार्थी बने रहे। वो चाहते तो मुझे भारत में भी लॉन्च कर सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। शायद उन्हें डर था कि मैं उनसे आगे न निकल जाऊं। अब मैं घर पर बैठा हूं, मेरे पास कोई काम नहीं है '

वाइफ का आपत्तिजनक वीडियो बनाया

जुनैद ने इसी बीच एक चौंकाने वाली बात भी कही। उन्होंने कहा कि अदनान ने 2007 या 2008 के आसपास अपनी दूसरी वाइफ सबा गलादरी का आपत्तिजनक वीडियो बना लिया था। जब ये मामला कोर्ट में गया को अदनान ने झूठ बोल दिया कि उन्होंने नहीं बल्कि सबा के लवर ने ये वीडियो बनाया है। जुनैद ने लिखा, 'पति-पत्नी के बीच ये सब चीजें होती हैं लेकिन उसे अपने पास ही रखना चाहिए लेकिन अदनान ने तो इसकी पूरी DVD बना ली थी।

पाकिस्तान में पैसे नहीं मिले तो हिंदुस्तान चले गए

जुनैद ने अंतिम में कहा, 'अदनान ने भारत की नागरिकता सिर्फ इसलिए ली क्योंकि उन्हें वहां से अच्छा पैसा मिल रहा था। पाकिस्तान में शायद उन्हें उतना पैसा कभी नहीं मिल पाता। अदनान ने ये भी बात झूठ बोली कि उनकी मां इंडियन थीं। कनाडा में अदनान के ऊपर एक रेड भी पड़ा था, वो जेल भी गए थे।'

अमित शाह के दौरे के बीच

केशव प्रसाद मौर्य को हराने वाली विधायक हाउस अरेस्ट

कौशांबी, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। कौशांबी की सिराथू विधानसभा सीट से विधायक पल्लवी पटेल को हाउस अरेस्ट कर लिया गया है। पल्लवी पटेल बिना निमंत्रण के 'कौशांबी महोत्सव 2023' में शामिल होने जा रही थी ।

पुलिस को सूचना थी कि वो महोत्सव में हंगामा कर सकती हैं, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हाउस अरेस्ट कर लिया है। वहीं पल्लवी पटेल ने पुलिस की इस कार्रवाई पर नाराजगी जताई है।

पल्लवी पटेल को हाउस अरेस्ट किए जाने पर समाजवादी पार्टी और अपना दल कमेरवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं में खासी नाराजगी देखने को मिल रही हैं। वहीं पल्लवी पटेल ने अपने हाउस अरेस्ट को लेकर कहा कि उन्हें घर में पुलिस के द्वारा रोका गया है। उन्होंने कहा कि वो सिराथू से विधायक हैं।

उनके विधानसभा क्षेत्र में गृहमंत्री का कार्यक्रम हैं। ऐसे में वो भी उस कार्यक्रम में जाना चाहती हैं और उनका स्वागत करना चाहती हैं, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया है। पुलिस उन्हें पैदल भी बाहर नहीं जाने दे रही हैं।

पल्लवी पटेल को कब छोड़ा जाएगा

दरअसल, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज यूपी के दौरे पर हैं। इस अवसर पर जहां गृहमंत्री कौशांबी उत्सव 2023 का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान एक जनसभा का भी आयोजन किया गया है, जिसमें अमित शाह आगामी चुनाव को धार देने की कोशिश करेंगे।

सपा विधायक पल्लवी पटेल भी इसी कार्यक्रम में जाना चाहती थी, लेकिन पुलिस ने उन्हें घर में ही अरेस्ट कर लिया।

उनके घर के आसपास बड़ी संख्या पुलिस की तैनाती की गई है। अमित शाह के कार्यक्रम खत्म होने के बाद ही उन्हें छोड़े जाने की उम्मीद है। पल्लवी पटेल को सिराथू स्थित उनके आवास में ही हाउस अरेस्ट किया गया है। वो अपना दल (कमेरावादी) पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। यूपी विधानसभा चुनाव में उन्होंने सपा के टिकट पर सिराथू सीट चुनाव लड़ा था और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को हरा दिया था।

सीएचसी से नवजात बच्ची हुई चोरी, मां और स्वजन हुए बदहवास

कानपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। कल्याणपुरा की बारा सिरोही सीएचसी में प्रसव के बाद पाली में रखी नवजात बच्ची संदिग्ध परिस्थितियों में अचानक लापता हो गई। बच्ची को पालने में ना देख प्रसूता के शोर मचाने पर अस्पताल में कोलाहल मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं अस्पताल प्रबंधन प्रसूता पर ही किसी महिला को बच्चे देने की बात कह रहा है। सचेंडी थाना क्षेत्र के छीतेपुर गांव निवासी महेश कुमार पनकी इंडस्ट्रियल एरिया स्थित कंपनी में नौकरी करते हैं। परिवार में पत्नी सुषमा व दो बेटियां हैं। गुरुवार रात गर्भवती सुषमा को प्रसव पीड़ा के चलते स्वजन उसे एंबुलेंस से अस्पताल लेकर जा रहे थे। तभी रास्ते में सुषमा ने तीसरी बच्ची को जन्म दिया। जच्चा-बच्चा को बारा सिरोही सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां शुक्रवार सुबह पालने में रखी नवजात बच्ची संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई।

अयोध्या में रामलला के जलाभिषेक के लिए

155 देशों की पवित्र नदियों का लाया गया जल पाकिस्तान की रावी से भी मंगवाया

अयोध्या, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण का इंतजार अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव 2024 से पहले पूरा हो जाएगा। इस बीच खबर है कि राम मंदिर में पाकिस्तान, चीन, ईरान, अरब देशों, अमेरिका समेत 155 देशों की नदियों से जल लाकर अर्पित किया जाएगा। 23 अप्रैल को होने वाले इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ योग गुरू रामदेव भी शामिल होंगे। इस बारे में जानकारी देते हुए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब राम मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी थी, उस दौरान देश भर के करीब 1000 स्थानों से जल और रज लाकर अर्पित किया गया था। इसी को देखते हुए बीजेपी नेता डॉक्टर विजय जौली ने दुनिया के देशों की पवित्र नदियों से जल लाने का विचार रखा था।

2020 से ही इकट्ठा होने लगा था पवित्र जल

विजय जौली ने बताया कि उन्होंने अगस्त, 2020 में ही दुनिया भर की नदियों और समुद्रों का जल इकट्ठा कर उससे राम मंदिर के जलाभिषेक का मन बना लिया था। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान विश्व के 155 देशों का जल इकट्ठा कर भारत लाया गया। जलाभिषेक के लिए 155 देशों से जल इकट्ठा करने की इस पूरी प्रक्रिया की एक वीडियो फिल्म भी बनाई गई है, जिसे 23 अप्रैल को सबके सामने लाया जाएगा।

तांबे के लोटे में लाया गया है जल

उन्होंने बताया कि हर देश से जल को लाकर तांबे के लोटे में हरिद्वार की पैड़ी पर जाकर सील करवाया गया है। इतना ही नहीं, हर लोटे पर देश के नाम के साथ उसके झंडे का स्टीकर भी लगा है।

पाकिस्तान की रावी नदी से ऐसे मंगाया जल

बीजेपी नेता विजय जौली ने बताया कि राम मंदिर के जलाभिषेक के लिए पाकिस्तान की रावी नदी से भी जल मंगाया गया है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के कुछ हिंदू मित्रों से इसे लेकर बात की गई थी, लेकिन उन्होंने उत्पीड़न की बात कहते हुए असमर्थता जता दी। हालांकि, कुछ लोगों ने पाकिस्तान की रावी नदी के जल को पैक करके दुबई भेजा। इसके बाद हमारे लोग उस जल को दुबई से भारत लेकर आए।

उन्होंने बताया कि तजाकिस्तान से मुस्लिम सहयोगी ताज मोहम्मद, कनाडा के सिख भाइयों ने तिब्बत के बुद्धिस्ट मूल के सहयोगियों ने भी जल भेजने में हमारी मदद की। इस कार्यक्रम के दौरान संघ प्रचारक रामलाल व इंद्रेश कुमार, जैन आचार्य लोकेश, पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल जोगिंदर जसवंत सिंह, सांसद मनोज तिवारी समेत कई लोग मौजूद रहेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी इस कार्यक्रम में शामिल होने का न्योता दिया गया है।

कौशांबी में राहुल गांधी पर बरसे अमित शाह

अयोग्यता मसले के लिए कांग्रेस ने संसद के वक्त की बलि चढ़ाई

कौशांबी, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। सिराथू में आयोजित कौशांबी महोत्सव में गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिले में अरबों की योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और कहा कि बिना भेदभाव के सारी योजनाओं का लाभ उत्तर प्रदेश की जनता को मिल रहा है। इसके अलावा गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेश सहित अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधा।

आपने संसद के वक्त को बली चढ़ा दिया है: अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कल ही संसद समाप्त हुई। आज़ादी के इतिहास में कभी नहीं हुआ कि देश के बजट सत्र में चर्चा करे बिना संसद समाप्त हुई हो। विपक्ष के नेताओं ने सदन को चलने नहीं दिया। इसका कारण कि राहुल गांधी को अयोग्य घोषित किया गया। राहुल गंधी इस सज़ा को चुनौती दें। आपने संसद के वक्त को बली चढ़ा दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सोनिया जी हों, राहुल जी हों या कोई भी हों मोदी जी को गाली गलोज के कीचड़ के अंदर कमल को और मजबूत कर खिलाया है। यह कहते हैं कि लोकतंत्र खतरे में। लोकतंत्र खतरे में नहीं बल्कि आपका परिवार खतरे में हैं। आपने इस लोकतंत्र को जातिवाद, परिवारद और तुष्टिकरण के तीन नाखूनों में घेर कर रखा था।

नीतीश-तेजस्वी के जबड़े से दो सीट निकाल लाई बीजेपी, 7 पार्टियों की ताकत बेकार

पटना, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में पांच सीटों पर हुए एमएलसी चुनाव के जो परिणाण आए हैं उसके बड़े सियासी मायने हैं। इस चुनाव में बीजेपी एक से दो हो गई जबकि बिहार में सियासी जमीन तैयार कर रहे प्रशांत किशोर समर्थित उम्मीदवार ने भी एक सीट पर जीत दर्ज कर ली है। यह चुनाव महागठबंधन खासकर जेडीयू के लिए बड़ा संदेश देने वाला है। बीजेपी से अलग होने के बाद बदले सियासी समीकरण में महागठबंधन की सात पार्टियां बीजेपी को शिकस्त नहीं दे पा रही है। नीतीश कुमार की पार्टी को बीजेपी ने सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। पहले कुढ़नी में पटखनी दी और अब गया शिक्षक निर्वाचन सीट पर शिकस्त। पांच सीटों पर हुए चुनाव के बाद जो परिणाम हैं उसमें जेडीयू के दो। बीजेपी के दो और प्रशांत किशोर की जनसुराज समर्थित निर्दलीय अफाक अहमद की जीत हुई है। यह चुनाव बीजेपी के लिए बड़ी उपल्बधि है क्योंकि बीजेपी जहां अपनी सीट बचाने में कामयाब रही वहीं गया शिक्षक निर्वाचन पर जीत दर्ज कर महागठबंधन की सात पार्टियों को जोर का झटका दिया है। गया में जेडीयू ने अपने सीटिंग एमएलसी संजीव श्याम सिंह को मैदान में उतारा था। संजीव श्याम सिंह को बीजेपी के जीवन कुमार ने शिकस्त दी है। संजीव श्याम सिंह के लिए महागठबंधन में शामिल जीतनराम मांझी, कांग्रेस के अजीत शर्मा समेत बड़े नेता केंप कर रहे थे। इसके बाद भी बीजेपी ने मांझी के गढ़ और नीतीश के नालंदा के पड़ोसी जिले में जीत दर्ज की।

आरजेडी को एक भी सीट नहीं

बीजेपी गया स्नातक निर्वाचन सीट भी बचाने में कामयाब रही वह भी तब तब बीजेपी के अवधेश नारायण सिंह के खिलाफ आरजेडी ने अपने प्रदेश अध्यक्ष के बेटे को मैदान में उतारा था। पुनीत कुमार की जीत के लिए यहां जगदानंद सिंह और उनके बेटे सुधाकर सिंह ने मोर्चा संभाला था लेकिन बीजेपी तेजस्वी-नीतीश के जबड़े से दोनों सीट निकाल लाई। आरजेडी पांच सीटों में से महज एक सीट पर चुनाव लड़ रही थी लेकिन वह एक सीट पर भी जीत दर्ज नहीं कर पाई।

बीजेपी का सम्राट दाव सफल

बिहार के वरिष्ठ पत्रकार रवि उपाध्याय कहते हैं। बीजेपी ने सम्राट चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बना कर जो दाव खेला है वह दाव सफल होते दिख रहा है। बीजेपी बिहार में उन सभी दावों समीकरणों को झुठला रही है जो नीतीश- तेजस्वी के साथ आने के बाद किए जा रहे थे। सात पार्टियों का बीजेपी मजबूती से मुकाबला कर रही है। पहले विधानसभा उपचुनाव और अब विधानपरिषद चुनाव में बीजेपी ने जीत दर्ज कर यह बताने की भी कोशिश की है की नीतीश-तेजस्वी की जोड़ी को बिहार की जनता बहुत ज्यादा पसंद नहीं कर रही है।

एसपी ऑफिस के बाहर महिला ने खुद पर डाला केरोसिन

फूल गए पुलिसकर्मियों के हाथ-पांव; इसलिए उठाया ये कदम

मैनपुरी, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। मैनपुरी में नाबालिग पुत्री की बरामदगी को लेकर शुक्रवार की सुबह थाना ओंछा क्षेत्र निवासी एक महिला परिजन के साथ एसपी ऑफिस पहुंची। खुद पर मिट्टी का तेल डाल लिया, तभी कार्यालय में तैनात पुलिसकर्मियों ने उसके हाथ से तेल की बोतल छीन ली। सीओ सिटी महिला पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और पीड़िता से जानकारी ली। थाना ओंछा क्षेत्र की रहने वाली एक महिला शुक्रवार की सुबह अपने परिजन के साथ एसपी कार्यालय पहुंची।

कार्यालय के बाहर उसने खुद पर मिट्टी का तेल डालना शुरू कर दिया। यह नजारा देखकर एसपी कार्यालय में तैनात पुलिसकर्मी भागते हुए बाहर आए और महिला के हाथ से तेल की बोतल छीन ली। सूचना मिलने के बाद सीओ सिटी संतोष कुमार सिंह महिला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। महिला ने आरोप लगाया कि थाना पुलिस उसकी अगवा हुई पुत्री को नहीं ढूंढ रही है।

महिला ने आरोप लगाया कि ओंछा पुलिस आरोपियों से मिली हुई है और उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। पहले भी कई बार शिकायत लेकर आ चुकी है, लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई। महिला का कहना था कि जब तक उसकी पुत्री नहीं मिल जाती। तब तक वह नहीं जाएगी। यदि पुत्री नहीं मिली तो वह जान दे देगी। बता दें कि उक्त महिला द्वारा कुछ दिन पूर्व भी एसपी कार्यालय के बाहर खुद पर डीजल डालकर आत्महत्या की कोशिश की गई थी। सीओ सिटी ने ओंछा पुलिस से कार्रवाई के संबंध में जानकारी ली। वहीं महिला को भी जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया।

'वाह नीतीश जी, इशरत जहां बिहार की बेटी और मनीष कश्यप आतंकी'

यूट्यूबर पर एनएसए लगने पर भड़के बीजेपी विधायक

पटना, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के प्रवासी मजदूरों की तमिलनाडु में पिटाई का फर्जी वीडियो डालने के मामले में यूट्यूबर मनीष कश्यप अब फंसते दिख रहे हैं। उनके खिलाफ एनएसए भी लगा दिया गया है, जिसके बाद यूपी के विधायक ने नीतीश कुमार पर तंज कसा है। यूपी के भाजपा विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने बिहार के सीएम नीतीश को उनका ही एक पुराना बयान याद दिलाया, जब उन्होंने इशरत जहां को बिहार की बेटी कहा था।

यूट्यूबर मनीष पर लगा एनएसए

प्रवासी मजदूरों की पिटाई का फर्जी वीडियो डालने पर गिरफ्तार यूट्यूबर मनीष कश्यप को तमिलनाडु की मदुरै कोर्ट ने 19 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजा है। इसी के साथ मनीष पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत मामला भी दर्ज कर लिया गया है। जिसके बाद यूपी के विधायक ने नीतीश पर हमला बोला है। बता दें कि बिहार पुलिस ने ही मनीष को पकड़कर तमिलनाडु पुलिस को सौंपा है।

नीतीश ने इशरत जहां को कहा था बिहार की बेटी

बता दें कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने गुजरात के इशरात जहां एनकाउंटर के बाद भाजपा सरकार को घेरने के लिए इशरत को बिहार की बेटी कहा था। उन्होंने कहा था कि ये एनकाउंटर फर्जी है और इसके लिए राज्य सरकार दोषी है, जिसकी जांच होनी चाहिए। हालांकि, इसके बाद उन्होंने बयान से पलटते हुए कहा कि मैंने ऐसा नहीं कहा और मीडिया ने उनकी बात को गलत तरीके से पेश किया। बता दें कि इशरत जहां का गुजरात पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया था और उसे आतंकी बताया था। मामले को विपक्षी पार्टियों द्वारा फर्जी बताए जाने के बाद हाई कोर्ट की स्पेशल जांच कमेटी ने जांच में पाया कि इशरत के बेगुनाह होने के कोई सबूत नहीं है।

बीजेपी नेता के बेटे पर बम से हमला, दिल दहला देने वाली घटना सीसीटीवी में कैद

प्रयागराज, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रयागराज में बीजेपी महिला नेता के बेटे पर बम से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। हमलावरों ने महिला नेता के बेटे की कार पर दो बम फेंके। बम फटने से कार क्षतिग्रस्त हो गई है। हालांकि सफारी कार के अंदर बैठे महिला नेता के बेटे और उसके दोस्त को चोट नहीं आई है। बमबाजी की घटना का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। घटना प्रयागराज के झूसी इलाके की आवास विकास कॉलोनी की है।

बीजेपी नेत्री ने झूसी थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। महिला नेता विजयलक्ष्मी चंदेल बीजेपी की जिला मंत्री हैं। वह थाना पुर ग्राम सभा में ग्राम प्रधान भी हैं। उनका बेटे 20 साल के विधान सिंह रात 8:00 बजे अपनी मौसी के घर गया था। वहीं पर दो बाइक पर सवार छह युवकों ने सफारी कार पर बम बाजी की।

बिहार विधान परिषद में सबसे बड़ी पार्टी बनी बीजेपी

सम्राट बोले- नीतीश कुमार से जनता थक चुकी है

पटना, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। एमएलसी चुनाव में जीत के बाद अवधेश नारायण सिंह और जीवन कुमार भाजपा के प्रदेश कार्यालय पहुंचे। अटल सभागार यहां प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने उनका भव्य स्वागत किया। सम्राट चौधरी ने दोनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। प्रदेश अध्यक्ष ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि भाजपा बिहार के विधान परिषद में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। इसके बाद बिहार की जनता, मगध के शिक्षकगण और ग्रेजुएट साथियों को धन्यवाद देता हूं कि उनके मत के अधिकार के कारण भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनी है। सम्राट चौधरी ने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भी अपने इतिहास से अधिक को दोहराने का काम करेगी। इतना ही नहीं 2025 के विधानसभा में भी दो तिहाई से अधिक सीटों पर जीतकर बिहार में सरकार बनायेगी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बिहार की जनता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पूरी तरह थक चुकी है। लोगों को लग रहा है कि मुख्यमंत्री जी कहीं बीमार तो नहीं हैं। कहीं उन्हें फिर से किसी गठबंधन की जरूरत तो नहीं है। इसलिए वह आने वाले चुनाव में जरूर जवाब देंगे।

अभी तो एक केस है, आगे-आगे देखिए होता है क्या

क्या जीते जी जेल से निकल पाएगा अतीक!

प्रयागराज, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रयागराज के बदनाम और अब उम्रकैद के सजायाफ्ता माफिया मुजरिम अतीक अहमद के दिन अब आगे और भी ज्यादा खराब आने वाले हैं। क्योंकि यूपी में मौजूद योगी आदित्यनाथ की हुकूमत ने इसके लिए कमर कस ली है। उत्तर प्रदेश राज्य पुलिस महानिदेशालय और प्रयागराज पुलिस के उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो, शायद ही अब अतीक अहमद अब जेल की सलाखों से बाहर आ पाए। क्योंकि अभी तो उसे उमेशपाल अपहरण कांड में ही उम्रकैद की सजा हुई है। अब योगी सरकार के कारिंदों ने उसके चार पांच और मुकदमों की फाइलें भी खोलना खंगालना शुरु कर दी है। ताकि इन अन्य मामलों में भी अगर उसे सजा-दर-सजा सुना डाली गई तो, वो बाकी बची तमाम उम्र जेल से बाहर आने की हसरत पालना ही छोड़ दे। आइए जानते हैं कि आखिर कौन से हैं वे पुराने मुकदमे, जिनकी फाइलों को खंगालना शुरु कर दिया है यूपी सरकार के कानूनी और पुलिस के कारिंदो ने। सबसे पहले तो उमेश पाल ट्रिपल मर्डर केस को ही ले लीजिए। इस मुकदमे की फाइलें यूं तो अभी एक मेज से दूसरी मेज पर जा ही रही हैं। मगर एक मामले में सजायाफ्ता मुजरिम करार दिए जाने के बाद से, अब प्रयागराज पुलिस उमेश पाल ट्रिपल मर्डर कांड की जांच भी तेज कर चुकी है। प्रयागराज पुलिस चाहती है कि कोर्ट में इतनी मजबूत चार्जशीट दाखिल हो ताकि, कहीं किसी भी कानूनी कमजोरी का लाभ उठाकर सजा से अतीक अहमद बचने ही न पाए। इसके लिए यूपी एसटीएफ, प्रयागराज पुलिस और लखनऊ में स्थित राज्य पुलिस महानिदेशालय में मौजूद यूपी पुलिस का लीगल सेक्शन दिन रात ताकत झोंके हैं।

प्रयागराज पुलिस एक्शन मोड में

वकीलों की लंबी चौड़ी फौज, उमेश पाल मर्डर केस की अब तक की गई तफ्तीश से जुड़ी फाइलें खुद पढ़ रही है। ताकि कोर्ट में चार्जशीट दाखिल होने से पहले ही मुकदमे में मौजूद तमाम खामियों को दूर कर लिया जाए। मतलब साफ है कि, प्रयागराज पुलिस की पहली कोशिश है कि किसी भी तरह से अगर अतीक अहमद उमेश पाल ट्रिपल मर्डर कांड में सजा करवा दिया जाए तो, उसे कम से कम उम्रकैद की सजा तो तय ही है। मतलब, जेल से बाहर आने की उसकी कोई गुंजाइश बाकी नहीं रहेगी। इसके अलावा कुछ ऐसे मामले/मुकदमे भी हैं जिनकी फाइलें थाने चौकी कोर्ट कचहरी में पड़ी अब तक धूल फांक रही थीं। यूं तो अतीक अहमद के ऊपर 100 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। मगर यूपी पुलिस चाहती है कि उमेश पाल मर्डर केस के अलावा तीन-चार और मुकदमो की पैरवी कोर्ट में मजबूती से कर दी जाए। ताकि किसी न किसी मुकदमें में तो इस बदमाश को सजा करा ही ली जाए। इनमें एक मुकदमा है साल 2002 का। जो जमीन विवाद को लेकर शुरु हुआ था। उस मामले में तब अतीक और उसके गुंडों ने नसीम अहमद को कत्ल कर डाला था। अब उस पुराने मुकदमे की पैरवी के लिए भी यूपी पुलिस और यूपी सरकार के लीगल सेक्शन हरकत में आ चुका है। ताकि कत्ल के इस पुराने मुकदमे में किसी भी हाल में अतीक अहमद को सजा कराई जा सके।

चेन्नई से गोरखपुर चिड़ियाघर के लिए आ रहे दो अजगर की हीट स्ट्रोक से मौत

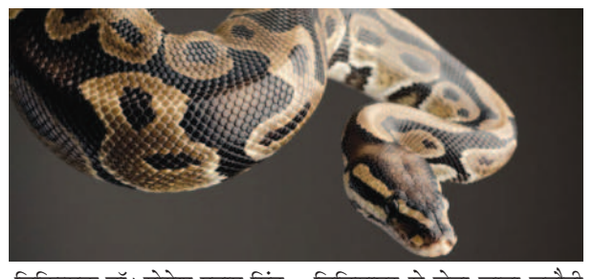

गोरखपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। चेन्नई के अरिगनर अन्ना जूलाजिकल पार्क से गोरखपुर चिड़ियाघर के लिए कानपुर प्राणि उद्यान की टीम द्वारा लाए जा रहे दो रिटीकुलेटेड पाइथन (अजगर) की उपचार के दौरान कानपुर चिड़ियाघर में मौत हो गई। लाते समय रास्ते में ही गर्मी के कारण दोनों को हीट स्ट्रोक हो गया। कानपुर चिड़ियाघर में चिकित्सकों ने उपचार कर उन्हें बचाने की काफी कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। गत तीन अप्रैल को कानपुर चिड़ियाघर के लिए लाए जा रहे वन्य जीवों के साथ रिटीकुलेटेड पाइथन भी लाए जा रहे थे। रास्ते में हाईवे पर पहले से ट्रक पलटने के कारण जाम लगा था। इस कारण लगभग दो घंटे तक वन्य जीवों को ला रहे वाहन को खड़ा होना पड़ा। गर्मी अधिक होने के कारण हीट स्ट्रोक से उनकी तबीयत बिगड़ गई। गोरखपुर चिड़ियाघर के पशु चिकित्सक डॉ। योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि अब पुनः नए सिरे से गोरखपुर के लिए दो रिटीकुलेटेड पाइथन लाने की तैयारी शुरू हो गई। इस बार वातानुकूलित वाहन द्वारा उन्हें लाया जाएगा, ताकि किसी प्रकार की क्षति न हो। लगभग 2400 किमी की लंबी दूरी तय करने के कारण भी उनकी तबीयत पर असर पड़ा। उन्होंने बताया कि हीट स्ट्रोक से मृत दोनों रिटीकुलेटेड पाइथन लगभग 20-20 किलो के थे और उनकी लंबाई लगभग 12 फीट थी। शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान प्रशासन के लिए लखनऊ चिड़ियाघर से जेब्रा लाना चुनौती बन गई है। इजरायल से लाकर लखनऊ में रखे गए दो जेब्रा को लाने के लिए विभाग को अब समिति गठित करनी पड़ी है। जेब्रा को लखनऊ से गोरखपुर लाने के लिए पूरी तैयारी हो चुकी थी। जब चिड़ियाघर की टीम उन्हें लाने वहां पहुंची और उन्हें पिजड़े में प्रवेश कराने की कोशिश की तो वह असफल हो गए। कई बार प्रयास किया, लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी। अंततः विभाग को समिति बनानी पड़ी, ताकि वह इसका कोई ठोस हल निकाल सकें। गठित समिति में गोरखपुर व लखनऊ प्राणि उद्यान के निदेशक, पशु चिकित्साधिकारी के साथ ही आइबीआरआइ (इंडियन वेटनरी रिसर्च इंस्टीच्यूट बरेली) एवं मथुरा विवि के विशेषज्ञों को रखा गया है, जो उनको यहां तक लाने की रणनीति बनाएंगे। यदि वर्तमान परिस्थितियों में वह नहीं ला पाते हैं जो इजराइल से विशेषज्ञों की टीम बुलाकर जेब्रा को प्राणि उद्यान तक लाने का कार्य किया जाएगा। चिड़ियाघर के पशु चिकित्सक डॉ। योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि पिछले डेढ़ साल से विभिन्न उपायों के जरिये जेब्रा के जोड़े को ट्रांसपोटेशन केज में लाने की कोशिश की जा रही है। लेकिन अभी तक यह प्रयास सार्थक न हीं हो सकता है। ऐसे में समिति अब उचित निर्णय लेगी और सप्ताह भीतर अपनी रिपोर्ट प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव उप्र को सौंप देगी। इसके बाद आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

एससी ने लोन धोखाधड़ी केस में एसबीआई से मांगा जवाब

3300 करोड़ की गड़बड़ी से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को डोमिनिकन गणराज्य की नागरिक और मुंबई स्थित एक निजी कंपनी की चेयरमैन सुमन विजय गुप्ता के जवाब पर प्रत्युत्तर दाखिल करने की अनुमति दी है, जिन्हें एक मामले के कारण संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा करने से रोक दिया गया था, जिसमें उन पर बैंक के साथ 3,300 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है।

शीर्ष अदालत ने 16 मार्च को बंबई उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ भारतीय स्टेट बैंक की अपील पर तत्काल सुनवाई की थी जिसमें उशदेव इंटरनेशनल लिमिटेड (यूआईएल) की अध्यक्ष गुप्ता को निजी हलफनामा देने के बाद विदेश जाने की अनुमति दी गई थी। पीठ ने कहा, "सॉलिसीटर जनरल (तुषार मेहता) ने कहा कि आवेदक (गुप्ता) जिसने अपने खाते को गैर निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) घोषित करने के बाद डोमिनिकन गणराज्य की नागरिकता ली थी, उसे बंबई उच्च न्यायालय की खंडपीठ के 10 मार्च और 14 मार्च 2023 के आदेशों के तहत यात्रा करने की अनुमति

दी गई है।

चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली पीठ ने 16 मार्च को की थी मामले की सुनवाई

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने 16 मार्च को कहा, "अगले आदेश तक इन आदेशों के क्रियान्वयन पर रोक रहेगी। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने गुरुवार को एसबीआई की याचिका पर सुनवाई की इस दौरान गुप्ता की ओर से पेश वकील संदीप कपूर ने आग्रह किया कि उनके मुवक्किल ने बैंक की याचिका पर अपना जवाब दाखिल कर दिया है और उन्हें विदेश जाने की अनुमति दी जाए। उन्होंने कहा कि बंबई हाई कोर्ट की ओर से उन्हें विदेश जाने की अनुमति देने का फैसला सही है।

3300 करोड़ रुपये की गड़बड़ी से संबंधित है मामला

दूसरी ओर, बैंक की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि उन्हें गुप्ता के जवाब पर प्रत्युत्तर दाखिल करने का समय दिया जाए। इस पर पीठ ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक को प्रत्युत्तर हलफनामा दाखिल करने की अनुमति दी है और यदि जरूरत पड़े तो विशेष अनुमति याचिकाओं को 14 अप्रैल को सूचीबद्ध करें। बता दें कि गुप्ता एक ऐसी कंपनी की चेयरपर्सन हैं जिसने 3,300 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। उक्त ऋण को एनपीए घोषित कर दिया गया था। सुमन विजय गुप्ता उसने भारत की नागरिकता छोड़ कर डोमिनिका की नागरिकता हासिल कर ली थी। इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है।

माइक्रोसॉफ्ट ने 25 साल की नौकरी के बाद कर दी छंटनी! कर्मचारी ने सोशल मीडिया पर दर्द किया बयां

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। साल 2023 की शुरुआत के साथ ही कई बड़ी टेक कंपनियां जैसे फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा , अमेजन , गूगल , माइक्रोसॉफ्ट आदि ने कर्मचारियों की छंटनी की है. अपने खर्च को कम करने के लिए कंपनियों ने यह फैसला लिया है. इन छंटनियों का असर दुनियाभर में कई टेक कर्मचारियों पर पड़ा है. छंटनी के शिकार हुए कर्मचारी लगातार सोशल मीडिया के जरिए अपनी कहानी बयान कर रहे हैं. हाल ही में एक ऐसी ही स्टोरी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई. विश्व की दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने जनवरी में 10,000 लोगों की छंटनी की थी. इसके बाद कंपनी ने मार्च में अमेरिका में काम करने वाले 500 लोग को नौकरी से निकाल दिया था. मार्च में जिन कर्मचारियों को माइक्रोसॉफ्ट ने नौकरी से निकाला है उसमें एक ऐसी महिला है जिन्होंने कंपनी ने करीब 25 साल तक अपनी सेवाएं दी है. इस महिला का नाम है एएनएन फीफर. इस महिला में माइक्रोसॉफ्ट में 25 साल से ज्यादा वक्त तक काम किया है. उन्होंने कहा कि इतने सालों में कई कर्मचारी आए और गए और मैं यहीं काम करती रहीं. कंपनी द्वारा मार्च में की गई छंटनी में ऐन का नाम भी शामिल था. ऐन से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म Linkedin पर अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि कि वह पिछले 25 सालों से माइक्रोसॉफ्ट में काम कर रही थी और मार्च 2023 में मुझे अचानक पता चला कि मुझे नौकरी से निकाल दिया गया है. उन्होंने बताया कि उनके लिए एक ऐसी कंपनी को छोड़ना बहुत कठिन रहा जहां उन्होंने 25 सालों तक काम किया है।

एलन मस्क ने फिर बदला ट्विटर का लोगो : डॉग की जगह नीली चिड़िया की हुई वापसी

मस्क के फैसले के बाद डॉजकॉइन में 10% की गिरावट

सैन फ्रांसिस्को, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया दूसरे अमीर कारोबारी एलन मस्क ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर के लोगो को फिर से बदल दिया है। उन्होंने तीन दिन पहले नीली चिड़िया हटाकर एक डॉग को लोगो बनाया था। हालांकि, ये बदलाव केवल वेब वर्जन पर किया था, ऐप पर नहीं। अब नीली चिड़िया वाला लोगो फिर से वापस लाया गया है। वेब और ऐप दोनों पर ये लोगो नजर आ रहा है। लोगो में बदलाव के बाद क्रिप्टोकरेंसी डॉजकॉइन में करीब 10% की गिरावट देखने को मिल रही है।

यूजर्स फैसले से हैरान थे, ट्रेंड करने लगा था डोगे

ट्विटर का लोगो बदलते ही यूजर्स हैरान रह गए थे और एक-दूसरे से इस बदलाव को लेकर सवाल करने लगे। एक यूजर ने पूछा कि क्या सभी को लोगो पर डॉग दिखाई दे रहा है। देखते ही देखते ट्विटर पर डोगे ट्वीट करने लगा। यूजर्स को लगा था कि ट्विटर को किसी ने हैक कर लिया है। कुछ देर बाद ही एलन मस्क ने एक ट्वीट किया, जिससे ये साफ हो गया कि ट्विटर ने अपना लोगो बदल दिया है। हालांकि, अब दोबारा नीली चिड़िया की वापसी हो गई है।

अपने डॉग को ट्विटर का सीईओ बता चुके हैं मस्क

इससे पहले 15 फरवरी को एलन मस्क ने अपने डॉग फ्लोकी की फोटोज शेयर कर मजाक में उसे ट्विटर का नया सीईओ बताया था। मस्क ने फ्लोकी की फोटो शेयर कर लिखा था, 'ट्विटर का नया सीईओ बहुत अमेजिंग है। यह दूसरे लोगों से काफी अच्छा है। ये नंबरों के साथ भी अच्छा और काफी स्टाइलिश भी है।'

वैश्विक विकास दर को लेकर आईएमएफ ने दिया बड़ा बयान, कहा-दुनिया की जीडीपी में भारत, चीन का रहेगा आधा योगदान

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने विश्व की आर्थिक विकास दर को लेकर बड़ा अनुमान जताया है।'आईएमएफ ने कहा है कि विश्व की अर्थव्यवस्था इस साल 3 फीसदी से भी कम दर के साथ बढ़ेगी।'वहीं इस ग्रोथ में आधा योगदान भारत और चीन का रहेगा।'आईएमएफ चीफ क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने वर्ल्ड इकोनॉमी के बारे में चेतावनी देते हुए कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण जो वैश्विक अर्थव्यवस्था को पिछले साल झटका लगा है वह इस साल भी जारी रहने वाला है।'ऐसे में साल 2023 में विश्व की जीडीपी 3 फीसदी से भी कम रहने की संभावना है.आईएमएफ की प्रमुख ने कहा कि वैश्विक विकास दर में गिरावट यह अगले पांच सालों तक जारी रहने वाली है।'ऐसे में वैश्विक ग्रोथ 3 फीसदी से कम रहने की संभावना है।'गौरतलब है कि साल 1990 के यह अबतक की सबसे कम विकास होगी।'इसके साथ ही जॉर्जीवा ने यह भी चेतावनी दी कि विश्व की सुस्त पड़ी अर्थव्यवस्था के कारण गरीबी और भुखमरी में इजाफा हो सकता है।'ऐसे में कोरोना महामारी के बाद यह लोगों के जीवन में और संकट पैदा कर सकता है.इसके साथ ही आईएमएफ प्रमुख ने कहा कि मंदी के इस दौर में एशिया विश्व का ब्राइट स्पॉट के रूप में उभरेगा।'भारत और चीन का वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक बेहद अहम रोल रहेगा और यह दोनों देश मिलकर वैश्विक ग्रोथ में 50 फीसदी तक अपना योगदान देंगे।'कोरोना महामारी के बाद से ही वैश्विक अर्थव्यवस्था ने साल 2021 में कुछ रिकवरी दिखाई दी थी, मगर साल 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से ही वैश्विक जीडीपी में 6.1 फीसदी से 3.4 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई है।'अमेरिका और यूरोप के बैंकिंग संकट पर बात करते हुए आईएमएफ चीफ ने कहा कि साल 2008 के बैंकिंग संकट के बाद विश्व के बैंकिंग सिस्टम में कई बड़े बदलाव आए हैं।'मगर अभी भी कुछ ऐसी कमजोर कमियां हैं जिससे बैंकिंग सिस्टम पर प्रभाव पड़ा है।'

2023-24 में टीडीएस कटौती के लिए सैलरीड टैक्सपेयर्स को नए या पुराने टैक्स रिजिम में चुनना होगा विकल्प, सीबीडीटी ने जारी किया सर्कुलर

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2023-24 की शुरुआत हो चुकी है।एम्पॉलयर अपने कर्मचारियों से ये जानकारी मांगने वाले हैं कि वो नए इनकम टैक्स रिजिम को अपनायेंगे या पुराने टैक्स रिजिम को।ऐसे में सीबीडीटी ने 2023-24 में टीडीएस कटौती के तौर तरीकों को लेकर एक सर्कुलर जारी किया है जिसमें कहा गया है कि मौजूदा वित्त वर्ष से नया इनकम टैक्स रिजिम डिफॉल्ट टैक्स रिजिम हो गया है।ऐसे में सीबीडीटी ने एम्पलॉयर से कहा है कि वो अपने कर्मचारियों से अवश्य पूछें कि वो नया टैक्स

रिजिम ऑप्ट करना चाहते हैं या फिर पुराने टैक्स रिजिम को।सभी कर्मचारियों को हर वित्त वर्ष के शुरुआत में अपने एम्पलॉयर को बताना होगा कि वे नई टैक्स रिजिम का विकल्प चाहते हैं या पुराने टैक्स रिजिम को।सीबीडीटी ने अपने सर्कुलर में कहा है कि नए इनकम टैक्स रिजिम या पुराने इनकम टैक्स रिजिम का विकल्प इसलिए भी चुनना जरुरी है क्योंकि उसी के आधार पर एम्पलॉयर कर्मचारी के आय पर टीडीएस काटेंगे।सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज ने स्पष्ट किया है कि अगर कोई कर्मचारी अपने एम्पलॉयर को ये सूचित नहीं करता है तो उस कर्मचारी पर डिफॉल्ट टैक्स रिजिम जो किए नया टैक्स रिजिम है वो मान्य होगा और उसी के आधार पर उसकी आय से टीडीएस की कटौती की जाएगी। ऐसे मामलों में एम्पॉलयर को कर्मचारी के इनकम पर नए इनकम रिजिम के टैक्स रेट के हिसाब से सेक्शन 192 के तहत टीडीएस काटना होगा।वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने 2023-24 के लिए आम बजट पेश करते हुए ये एलान किया था नया टैक्स रिजिम को नए वित्त वर्ष से डिफॉल्ट टैक्स रिजिम माना जाएगा।नए इनकम टैक्स रिजिम में टैक्स रेट, पुराने टैक्स रिजिम के मुकाबले कम है।लेकिन नए टैक्स रिजिम में होम लोन के ब्याज से लेकर निवेश पर कोई डिडक्शन नहीं मिलता है।जबकि पुराने इनकम टैक्स रिजिम में निवेश और होम लोन के ब्याज पर छूट के लेकर मेडिक्लेम पर टैक्स छूट हासिल कर सकते हैं।

6 महीने के भीतर एयर इंडिया से जुड़े 3,800 कर्मचारी, जानें आगे का क्या है प्लान

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप द्वारा एयर इंडिया के अधिग्रहण के बाद से ही एयरलाइंस में कई बड़े बदलाव किए गए हैं।'एयर इंडिया ने पिछले 6 महीने में 3,800 से अधिक कर्मचारियों को अपने साथ जोड़ा है।'इसके साथ ही कंपनी ने बेहतर सेवाएं देने और खुद को बदलने के लिए 5 साल का पूरा प्लान तैयार कर लिया है।'इसके लिए एयरलाइंस ने 29 नई पॉलिसी को लागू करने की प्लानिंग की है.इकोनॉमिक टाइम्स में छपी रिपोर्ट के मुताबिक एयर इंडिया ने विकास के प्लान के लिए पहले चरण था Taxi जिसमें कंपनी ने अपने लीगल इश्यू को ठीक करने पर काम किया है।'वहीं दूसरा चरण है टेक ऑफ जिसमें एयर इंडिया अपने प्लेटफॉर्म, प्रोसेस और सिस्टम को बेहतर करने पर काम कर रही है।'एयर इंडिया में बड़े बदलाव के

ऊपर बात करते हुए सीईओ कैंपबेल विल्सन ने कहा है कि हमने पिछले 6 महीने में कंपनी के ट्रांसफॉर्मेशन के लिए कई जरूरी कदम उठाए हैं।'इसके साथ ही हमने कई मुद्दों को सुलझाने में सफलता भी हासिल की है।'हमें विकास के सफर पर आगे बढ़ाने के लिए अभी बहुत से काम करने होंगे.एयर इंडिया ने बताया है कि एयरलाइंस के संचालन के लिए उन्हें अधिक कर्मचारियों की जरूरत पड़ रही थी।'ऐसे में उन्होंने 6 महीने में कुल 3,800 कर्मचारियों को अपने साथ जोड़ा है।'इसमें पायलट से लेकर ग्राउंड स्टाफ तक शामिल हैं।'वहीं एयरलाइंस ने कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों के बीच सैलरी असमानताओं को खत्म करने के लिए कई स्तर पर बदलाव करने की कोशिश की है.हाल ही में एयर इंडिया ने 470 एयरक्राफ्ट का एक साथ ऑर्डर देकर एविएशन इंडस्ट्री की अबतक की सबसे बड़ी डील की है।'इसके साथ ही एयर इंडिया आगे 370 और विमानों को खरीदने का विकल्प रखा है।'अमेरिकी कंपनी बोइंग ने कहा था कि एयर इंडिया के इस बड़े ऑर्डर के बाद भारत में अगले 20 सालों में 31,000 पायलट्स और 26,000 मैकेनिक्स की जरूरत पड़ सकती है।

एसईबीआई ने इन कंसलटेंसी सर्विस फर्म को किया बैन

कहीं आप भी तो नहीं ले रहे एडवाइज

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पूंजी बाजार के नियामक सेबी ने चार कंपनियों को स्वीकृति के बगैर इनवेस्टमेंट कंसलटेंसी सर्विस देने के लिए प्रतिभूति बाजारों से छह महीने के लिए प्रतिबंधित कर दिया है।भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड ने कोर्स वर्क फोकस और इसके मालिक शशांक हिरवानी, कैपिटल रिसर्च के मालिक गोपाल गुप्ता और कैपर्स के मालिक राहुल पटेल को छह महीने के लिए प्रतिभूति बाजार में भागीदारी करने से रोक दिया है।सेबी की तरफ से दएि गए दो अलग-अलग आदेशों में, सेबी ने अपनी जांच में पाया कि ये कंपनियां निवेश सलाहकार के रूप में प्रमाण-पत्र प्राप्त किए बिना अनऑथराइज इनवेस्टमेंट एडवाइजर सर्विस में लगी हुई थीं।बाजार नियामक के अनुसार, कोर्स वर्क फोकस और हिरवानी ने मार्च 2018 से जुलाई 2020 के दौरान सामूहिक रूप से निवेशकों से 96 लाख रुपये से अधिक जुटाएं थे।इसके अलावा गुप्ता और पटेल ने मिलकर जून 2014 और नवंबर 2019 के बीच निवेशकों से 60.84 लाख रुपये एकत्र किए।सेबी ने बुधवार को पारित अपने अंतिम आदेश में कहा कि इस तरह के कार्यों से कंपनियों ने आईए (निवेश सलाहकार) नियमों का उल्लंघन किया है।सेबी ने अपने आदेश में, कंपनियों को तीन महीने के भीतर ऐसी सेवाओं के लिए भुगतान किया गया निवेशकों का पैसा वापस करने का निर्देश दिया है।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में आई मामूली कमी, 329 करोड़ डॉलर घटकर 578.45 अरब डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 31 मार्च को समाप्त सप्ताह में 329 करोड़ डॉलर घटकर 578.449 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले के दो समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में अच्छी वृद्धि हुई थी और 24 मार्च को समाप्त सप्ताह में यह 5.977 अरब डॉलर बढ़कर 578.778 अरब डॉलर हो गया था। वित्त वर्ष 2023 में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 24.23 अरब डॉलर की गिरावट आई है। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। देश के फॉरेक्स रिजर्व में गिरावट आ रही है क्योंकि केंद्रीय बैंक ने वैश्विक घटनाक्रमों के कारण बने दबाव के बीच रुपये को मजबूत बनाए रखने के लिए भंडार का उपयोग कर रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक सांख्यिकी पूरक के अनुसार 31 मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा आस्तियां 36 करोड़ डॉलर घटकर 509.691 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या गिरावट का प्रभाव भी शामिल होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि बीते सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार 279 करोड़ डॉलर घटकर 45.20 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक के अनुसार समीक्षाधीन सप्ताह में विशेष निकासी अधिकार (एसडीआर) 27 करोड़ डॉलर घटकर 18.392 अरब डॉलर रह गया। वहीं इस इस दौरान आईएमएफ में देश का मुद्रा भंडार 14 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.165 अरब डॉलर हो गया।

जरूरत पड़ने पर ही डेयरी उत्पादों का कर सकते हैं आयात, सरकार ने बढ़ती मांग के बीच दी मंजूरी

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। गर्मी की मांगों को पूरा करने के लिए डेयरी सहकारी समितियों की मदद करने के लिए भारत फैट और पाउडर जैसे डेयरी उत्पादों का जरूरत पड़ने पर आयात कर सकता है।

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय की ओर से गुरुवार शाम जारी एक विज्ञप्ति में यह बात कही गई है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि आयात की जरूरत होने पर सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि इसे केवल अपनी एजेंसी राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के माध्यम से भेजा जाए और उचित मूल्यांकन के बाद जरूरतमंदों को बाजार मूल्य पर स्टॉक दिया जाएगा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन	में	मीन...	04-53 बजे
चंद्र-	तुला	में	मेष--	06-29 बजे
मंगल	मिथुन	में	वृष--	08-14 बजे
बुध-	मेष	चें	मिथुन..	10-14 बजे
गुरु-	मीन	में	कर्क...	12-27 बजे
शुक्र-	वृष	में	सिंह...	14-39 बजे
शनि-	कुंभ	में	कन्या..	16-46 बजे
राहु-	मेष	में	तुला	18-51 बजे
केतु-	तुला	में	वृश्चिक.	21-01 बजे
			धनु.....	23-15 बजे
			मकर..	01-21 बजे
			कुंभ...	03-12 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया - **10 -10** तक उपरान्त तृतीया
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष , शनिवार **April 08**
नक्षत्र -स्वाति - **13 -58** - तक उपरान्त विशाखा
योग - वज्र **-23 - 58** - तक उप - सिद्ध
करण- गर - **10 - 10** - तक उप- वणिज
विशेष:-
व्रत -त्योहार . सर्वार्थ सिद्ध योग-**06-26** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:12 से 10:45 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल.	06:09 - 07:40 अशुभ	लाभ	18:27 - 19:57 शुभ
शुभ.	07:40 - 09:12 शुभ	उद्वेग	19:57 - 21:24 अशुभ
रोग	09:12 - 10:45 अशुभ	शुभ	21:24 - 22:51 शुभ
उत्पात	10:45 - 12:18 अशुभ	अमृत	22:51 - 00:18 शुभ
चंचल	12:18 - 13:51 शुभ	चंचल	00:18 - 01:45 शुभ
लाभ	13:51 - 15:24 शुभ	रोग	01:45 - 03:12 अशुभ
अमृत	15:24 - 16:57 शुभ	काल	03:12 - 04:39 अशुभ
काल.	16:57 - 18:27 अशुभ	लाभ	04:39 - 06:09 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आपकी सफलता हासिल करने की इच्छा आज और बलवती होती जायेगी । आप आज अपनी लिखित और वक्ता कला में सुधार के लिए कोशिश कर सकते हैं । सफलता के लिए महत्वपूर्ण टिप्स पढ़ें या किसी कुशल आदमी से मार्गदर्शन ले लें । हालाँकि इन सबके चक्कर में उनकी भी उपेक्षा ना करें जो लम्बे समय से आपके ध्यान और समय की प्रतीक्षा में हैं ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप इस वक़्त अलौकिक घटनाओं से प्रभावित रहेंगे ।आप आज अपना दिन किसी रहस्यमयी मुद्दे की खोजबीन में बिताना चाहते हैं और कोई रहस्यमयी फिल्म या उपन्यास देख/पढ़ सकते हैं । आप किसी रहस्य पर से पर्दा उठाने का फैसला भी ले सकते हैं या किसी स्थिति/व्यक्ति के बारे में और अधिक जानने की कोशिश करेंगे ।हालांकि,आपको यह सब करते हुए सावधान रहना होगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,

स्थितियां और घटनाएं इस प्रकार बदलेंगे कि आपको पहले से सोच समझकर लिया गया एक फैसला बदलना पड़ सकता है । आपको जीवन में आने वाली चीजों के प्रति अधिक जिम्मेदार रवैया अपनाना होगा । आप अपने पहले तय किये गया कार्यक्रम के अनुसार नही चल पायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ सकता है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपकी अपने पिछले समय में से किसी पुराने व्यक्ति से मिलने की सम्भावना है और यह व्यक्ति आपके भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । सहायता करने और लेने में अपने पूर्वाग्रहों को आड़े ना आने दें ,इससे आपकी प्रगति के नए रास्ते खुल सकते हैं । अब कोई भी बदलाव नयी सफलता ही लाएगा । आज आप और आपके साथी के बीच कुछ तथ्यों पर असहमति हो सकती है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

कार्यस्थल पर कोई आपके खिलाफ चुपचाप काम कर रहा है लेकिन आज आपको इस बात का पक्का सबूत मिलने वाला है कि वह कौन है। लेकिन अभी इस आदमी से ना उलझें ,आपको केवल यह पता चल जाने से भी काफी मदद मिलेगी कि आपके खिलाफ कौन काम कर रहा है और आप अपने दुश्मनों को अपने रास्ते से हटाने में कामयाब रहेंगे ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,

आज आप बहुत सृजनात्मक अनुभव करेंगे ,खूबसूरती की प्रशंसा के साथ साथ खुद भी कुछ खूबसरत चीज़ बनाना चाहेंगे दिन कलाकारों के लिए विशेष अच्छा है हालाँकि ,आज शुरू किये हुए कार्यों को आज ही पूरा कर लें क्योंकि अचानक आप विकर्षित सा अनुभव करने लगेंगे ,यह भावना काफी सामान्य है लेकिन आप इसके कारण बिना बात निराश सा अनुभव करेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

अपने वादों का सम्मान करें । आपको इसके लिए अपने मजे तथा आनंद के समय से समझौता करना पड़ सकता है परन्तु अगर आप दूसरों को दुःख नही पहुंचना चाहते तो आपको यह करना पड़ेगा । आपकी कल्पनात्मक शक्ति आपको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करेगी ।आप मानवीय आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं, आपकी प्रगति तय है ।

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,

आज आपको ईमानदारी से काम लेना है। आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो । आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे ।

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे

आप आज किसी मनोरंजक व्यक्ति के साथ सम्बन्ध स्थापित करेंगे ।उसके साथ मजेदार बातचीत से समय अच्छा गुजरेगा । इस आदमी से सीखने और प्रेरणा लेने की कोशिश करें । इससे आपको और लोगों की मन स्थिति समझने में भी मदद मिलेगी । परिवार की यात्रा में अगर अपनी मनपसंद जगह जाना है तो योजना बनाने के समय सबसे आगे रहें ।

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी

गृहों की स्थिति आपको आज बहुत अधिक सामाजिक होने को कह रही है । आप दूसरों से बातचीत के माध्यम से अपनी जीवनशैली और करियर में बदलाव लाना चाहते हैं । जो कुछ आपने सोचा है ,वो सब करने की कोशिश करें । आप जो भी करना चाहते हैं,उसपर अच्छे से ध्यान केन्द्रित क्र सकते हैं ,बस इतना ध्यान रखें कि अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारी न लें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,

जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं | यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है।अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आपकी किस्मत चमकने का दिन है। सितारे कहते हैं कि आज आपको कोई विशेष काम करना पड़ सकता है ।आज अपने किसी नजदीकी व्यक्ति को खुश कर दें,आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा । फिर भी आज किसी को उधार ना दें ,वापस नही मिल पायेगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी दिक्कतें आज नही होंगी ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

महंगे प्याज के दाम का गणित

बंडू भांगे ने 825 किलो प्याज बेची, चुकाना पड़ा 1 रुपया

चव्हाण का प्याज 1 रुपए किलो बिका, आपको क्यों 30 रुपए किलो मिलता है

सोलापुर, 7 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के बोरगांव में रहने वाले 65 साल के किसान राजेंद्र तुकाराम चव्हाण ने फरवरी महीने में प्याज की 10 बोरियां एक पिकअप वैन में लादीं। 70 किलोमीटर दूर सोलापुर में एशिया की दूसरी सबसे बड़ी प्याज मंडी पहुंचे। बोरियों में 512 किलो प्याज था। इसका भाव मिला 1 रुपए किलो या 100 रुपए क्विंटल। प्याज के दाम 512 रुपए बने, लेकिन प्याज को मंडी लाने, ढुलाई और बोरे का खर्च आया 509 रुपए 51 पैसे। सारा हिसाब होने के बाद तुकाराम को घर ले जाने के लिए 2 रुपए 49 पैसे मिले। ये 2 रुपए भी चेक के जरिए मिले, जिसे कैश करवाने में 306 रुपए और खर्च करने होंगे।

ऐसी ही कहानी बंडू भांगे नाम के किसान की है। बीड जिले के दाउतपुर गांव में रहने वाले बंडू 1 फरवरी 2023 को 825 किलो प्याज लेकर सोलापुर मंडी पहुंचे थे। प्याज का भाव 1 रुपए किलो ही था। प्याज के बदले 825 रुपए बने। तुलाई-ढुलाई और भाड़ा मिलाकर कुल 826 रुपए का खर्च आया। बंडू को 825 किलो प्याज के बदले जो रसीद मिली, उसके मुताबिक उन्हें जेब से एक रुपया मंडी वालों को देना था। यानी उन्होंने -1 रुपए की कमाई की। इतने बडे घालमेल के बाद भी मार्केट में प्याज का भाव 30 रुपए किलो कैसे मिलता है।

राजेंद्र तुकाराम चव्हाण को जिस 512 किलो प्याज के बदले में 2 रुपए मिले, वो उनकी महीनों की मेहनत थी। किसानों की आय दोगुना करने के सरकारी दावों के बीच ये कौन सा सिस्टम है, जिससे आम लोगों के घरों तक पहुंचने में प्याज 20 से 30 रुपए किलो हो जाती है।

मुंबई से 420 किलोमीटर दूर बोरगांव तक पहुंचने के लिए एक कच्ची सड़क है। गांव के बाहरी हिस्से में खेतों के बीच आधा बना हुआ, बिना प्लास्टर का घर। घर के बाहर एक पेड़ के नीचे राजेंद्र चव्हाण बैलों को चारा खिला रहे थे। इसके ठीक बगल में कई क्विंटल प्याज पड़ा था, उसमें से सड़ने की बदबू आ रही थी।

राजेंद्र चव्हाण निराशा से कहते हैं, 'इसे उगाने के लिए कई रातें जागकर बितानी पड़ीं, अब उसे फेंकने के अलावा मेरे पास कोई रास्ता नहीं बचा। तुकाराम ने बताया, कडी मेहनत के बाद इसे लेकर सोलापुर मंडी गया था। प्याज उगाने में 12-13 हजार का खर्च आया, लेकिन मेरा प्याज 100 रुपए क्विंटल के हिसाब से बिका। इतनी मेहनत के बदले, मुझे सिर्फ 2 रुपए का चेक मिला।'

राजेंद्र चव्हाण बताते हैं, 'प्याज की बोली सूर्या ट्रेडर्स के लोगों ने लगाई थी। 512 किलो प्याज के बदले में 512 रुपए बने थे। हम्माली (मजदूरी) 40 रुपए 45 पैसे, तुलाई 24 रुपए 6 पैसे, मोटर भाड़ा (ट्रांसपोर्ट) 430 रुपए और बाकी खर्च 15 रुपए मिलाकर टोटल 509 रुपए 51 पैसे हो गए। 512 रुपए में से घटाने के बाद सूर्या ट्रेडर्स ने मुझे दो रुपए का चेक दे दिया।' राजेंद्र चव्हाण कहते हैं, 'घर में पत्नी, दो बेटे, बहू और पोते-पोतियां हैं। मेरा घर खेती से चल रहा है। हमारी महीनों की मेहनत के बदले 2 रुपए का चेक पकड़ा दिया। इसे कैश कराना हो तो मंडी के बैंक में ही कराना होगा। वो बैंक गांव से 70 किलोमीटर दूर है और वहां जाने-आने का खर्च ही 300 रुपए है।' 'बैंक में केवायसी के लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक पासबुक की फोटो कॉपी लगती है। 6 रुपए इसमें भी लगेंगे। इन 2 रुपयों के लिए भी मुझे पहले 306 रुपए खर्च करने पड़ेंगे।'

राजेंद्र मंडी के सिस्टम पर सवाल उठाते हुए कहते हैं, 'ये जो चेक मिलता है, वो भी 15 दिन बाद ही कैश कराया जा सकता है। आप बताओ कि अगर कोई इमरजेंसी आ जाए, तो हम अपने पैसे ही नहीं निकाल सकते। अनाज के लिए जब मिनिमम सपोर्ट प्राइस है, तो सब्जियों के लिए क्यों नहीं?'

हालांकि, महाराष्ट्र सरकार ने इस साल प्याज की कम कीमतों को देखते हुए किसानों को एक क्विंटल पर 350 रुपए की सब्सिडी देने का ऐलान किया है, लेकिन तुकाराम को इसका भी फायदा नहीं होगा, क्योंकि ये सिर्फ मार्च और अप्रैल में प्याज बेचने वालों को ही मिलेगी।

राजेंद्र बोलते-बोलते गुस्से में आ जाते हैं, कहते हैं, 'ऐसे ही प्याज के भाव मिले, तो अब मैं आगे इसकी खेती नहीं करूंगा। मुझे मुआवजा नहीं चाहिए, मैं चाहता हूं कि प्याज का मिनिमम प्राइस 20-25 रुपए प्रति किलो तय कर दिया जाए।

एक एकड़ में प्याज उगाने पर खर्च होते हैं करीब 50 हजार

तुकाराम के बड़े बेटे अन्ना भी काफी निराश हैं। वे कहते हैं, 'इतने दिन तक कड़ी मेहनत की, एक एकड़ में प्याज उगाने में हमारे 50 हजार रुपए खर्च हुए। इस बार बरसात ठीक हुई थी, इसलिए फसल भी अच्छी हुई थी। एक एकड़ में करीब 200 बोरी यानी 100 क्विंटल प्याज पैदा हो जाता है। ये अगर 10 रुपए किलो के हिसाब से भी बिकता है, तो हमें एक लाख रुपए तक मिल सकता है, लेकिन मंडी में इसकी कीमत 50 पैसे से 1 रुपए के बीच है।' राजेंद्र चव्हाण के परिवार ने अपनी बची हुई जमीन पर अंगूर की खेती भी की है। 15 दिन पहले ही ओले गिरे और ये फसल भी बर्बाद हो गई।

राजेंद्र चव्हाण के साथ तीन दिन तक अनशन करने वाले किसान यशवंत श्रीहरी कोकाटे ने भी प्याज उगाया था। वे बताते हैं, '60 हजार रुपए लगाकर प्याज

की खेती की थी। एक्सपोर्ट क्वालिटी का प्याज था, लेकिन 4, 6 और 7 रुपए किलो से ज्यादा कीमत नहीं मिली।' 'पूरी फसल बेचकर सिर्फ 30 हजार रुपए मिले। मंडी में हमसे जो प्याज 1 रुपए में खरीद रहे है, उसे ही हमारे शहर के मार्केट में 30 रुपए किलो बेचा जा रहा है। प्याज पर बिचौलियों को लाखों-करोड़ों में कमाई हो रही है।'

गांव के ही किसान सुजीत मोहन बोधले कहते हैं, '150 बोरी प्याज लेकर सोलापुर मंडी गया था। 2 दिन तक किसी ने नहीं खरीदा, खुले आसमान में बोरियों के ऊपर सोना पड़ा। यहां से हमारा प्याज चोरी हो जाता है, किसानों को खुद ही रखवाली करनी पड़ती है। जिस प्याज के बदले हमें 1 रुपए मिलते हैं, चोर उसे ही मंडी के बाहर 20-30 रुपए किलो में बेचते हैं। मंडी में न कोई सिक्योरिटी है और न ही सीसीटीवी, मंडी वाले ही चोरों से मिले हैं। हमारी शिकायत भी नहीं सुनी जाती।' नीलामी के दौरान किसानों से भाव नहीं पूछा जाता। दलाल अपने हिसाब से रेट लगाता है। हमारे अच्छे प्याज को वे खराब बता कर दाम कम लगाते हैं। अगर विरोध करेंगे तो हमारा प्याज कोई नहीं खरीदेगा। हम सिर्फ प्याज उगाने के लिए हैं, असली मालिक वे ही होते हैं।'

गांव में ही समाधान गोटे 15 दिन पहले गले में फंदा डालकर सुसाइड करने वाले थे। वे बताते हैं, 'दरवाजा बंद कर कुर्सी पर खड़ा हो गया था। खिड़की से पत्नी ने देख लिया और पड़ोसियों को बुला लिया। उन्होंने पकड़ लिया, इसलिए जिंदा हूं।'

मैं वजह पूछता हूं तो वे कहते हैं, 'तीन एकड़ के बगीचे में 7 लाख रुपए खर्च कर अंगूर की खेती की थी। तूफ़ान आया और ज्यादातर अंगूर टूटकर गिर गए। जो बचे हैं, वो भी कोई नहीं खरीद रहा।' कुछ देर रुककर कहते हैं, 'मेरे पास मरने के अलावा कोई चारा नहीं था। मेरी जान तो बच गई, लेकिन मेरे अंगूर खरीदने अब तक कोई नहीं आया। समझ नहीं आ रहा कि क्या किया जाए। घर का खर्च है, बैंक का लोन है, इसकी भरपाई कैसे होगी।'

सोलापुर मंडी में प्याज की बोरियों पर बैठे तुलजापुर से आए किसान नानदेव पिंगले ने बताया, '114 बोरी प्याज बेचने आया हूं, 55 हजार का खर्च आया है। 5-6 रुपए किलो में खरीद रहे हैं, बेचने के बाद मुझे 15 हजार भी नहीं मिल रहे। इनमें से भी ढुलाई और ट्रांसपोर्ट माइनस करेंगे, तो मुझे क्या मिलेगा।'

बिचौलिये या दलाल प्याज की क्वालिटी के आधार पर बोली लगाते हुए किसान से इसे खरीदते हैं और बड़े व्यापारी को बेच देते हैं। बोली के दौरान प्याज उगाने वाला किसान सिर झुकाए खड़ा था और बोली लगाने वाला जबरदस्ती प्याज की कीमत अपने हिसाब से बता रहा था।

सूर्या ट्रेडर्स ने राजेंद्र चव्हाण का प्याज खरीदा और बदले में 2 रुपए का चेक दिया था। कंपनी के ऑफिस पहुंचने पर इसके मालिक और सोलापुर एपीएमसी के व्यापारी नासिर खलीफा ने कहा, 'रसीद और चेक जारी करने की प्रोसेस कंप्यूटर से होती है। राजेंद्र चव्हाण का चेक पोस्ट-डेटेड था। चेक तो हिसाब के बाद ऑटोमैटिक प्रिंट होता है, हम उस पर दर्ज रकम नहीं देखते। हमने पहले भी इतनी छोटी रकम के कई चेक जारी किए हैं, इस मामले में हमें दोष देना गलत है।'

खलीफा सफाई में कहते हैं, 'प्याज का रेट उसकी क्वालिटी के हिसाब से तय होता है। राजेंद्र चव्हाण का प्याज सबसे खराब क्वालिटी का था। वे अच्छी क्वालिटी का प्याज भी बेच चुके हैं। दिसंबर से जनवरी के बीच वे हमें 3 लाख रुपए की प्याज बेच चुके हैं। हमने उनका ही प्याज 18 रुपए किलो भी खरीदा है।'

सूर्या ट्रेडर्स के पास कम से कम 10 लाइसेंस हैं। उसके बेटों, भाई और पत्नी के नाम पर भी लाइसेंस है। उसके पास इतना पैसा है कि वह सरकार और सिस्टम में बैठे लोगों का मुंह बंद कर सकता है।'

लोकल मार्केट में प्याज की कीमत ज्यादा कैसे

खेत से निकला प्याज किसान और बिचौलियों के बाद ट्रेडिंग कंपनी के पास पहुंचता है। दक्षिण के 6 राज्यों और नॉर्थ इंडिया के कुछ शहरों में प्याज की सप्लाई करने वाले सिद्धेश्वर भाउकर ने मंडी से प्याज खरीदा।

उनसे प्याज के लोकल मार्केट में महंगा होने पर सवाल किया तो वे बोले, 'सरकार बिना सोचे-समझे कदम उठाती है। सरकार ने प्रति क्विंटल 350 रुपए की सब्सिडी का ऐलान किया है। अब बाहरी राज्यों के किसान भी सोलापुर मंडी आ रहे हैं। प्याज ज्यादा है, तो किसानों को रेट और कम मिलेगा।'

मैं पूछता हूं कि क्या किसानों को मिल रहे इस कम दाम को कंट्रोल किया जा सकता है? वे जवाब में कहते हैं, 'यह लगभग असंभव है। जब-जब सप्लाई बढ़ेगी, प्याज की कीमत में कमी आएगी। अगर सरकार अनाज की तरह प्याज की कीमतों पर भी एमएसपी तय कर दे तो किसानों को राहत मिल सकती है।'

सोलापुर मंडी में ब्रोकर धर्मराज गावड़े कहते हैं, 'कई लोग जानबूझकर खराब प्याज बेचते हैं और उसके बदले में मिलने वाले पैसों को अपनी बेचारगी का सबूत बताते हैं।'

बीड के किसान बंडू भांगे पर आरोप लगाते हुए वे कहते हैं, 'उन्होंने तीन अलग-अलग अकाउंट से मेरे यहां प्याज बेचा। एक अकाउंट उनका था और दो अकाउंट उनके भाई और चाचा के नाम पर थे। बाकी दोनों को प्याज बेचने पर 65 हजार और 59 हजार की कमाई हुई, उन्हें -1 रुपए मिले।

इंटरनेशनल एक्सपोर्ट नहीं होने से प्याज के दाम गिरे

2 रुपए के चेक विवाद पर मैंने सोलापुर कृषि उपज मंडी के चेयरमैन विजय कुमार देशमुख ने बताया, 'प्याज के दाम सिर्फ सोलापुर में ही कम नहीं हुए हैं, बल्कि पूरे देश में यही स्थिति है। यहां से प्याज बड़ी मात्रा में दूसरे देशों में जाता था, लेकिन इस बार एक्सपोर्ट में कमी आई है। पहले बांग्लादेश में यहां के प्याज की काफी डिमांड थी, लेकिन इस बार वहां भी एक्सपोर्ट नहीं हुआ है।'

देशमुख सोलापुर से बीजेपी के विधायक भी है। उन्होंने बताया, 'साउथ के स्टेट में भी अब किसान प्याज उगाने लगे हैं, सप्लाई ज्यादा होने के बावजूद डिमांड बहुत कम है। इस बार मौसम ने भी किसानों का साथ दिया, समय से बारिश होने के कारण अच्छी पैदावार हुई है। ज्यादा प्याज होने की सूरत में हमारे पास प्याज को स्टोर करने की कोई सुविधा नहीं है।'

10 क्विंटल के बदले 2 रुपए देना सरकार की बेशर्मी

इस मामले को सबसे पहले उठाने वाले स्वाभिमानी शेतकर संगठन के प्रमुख राजू शेट्टी कहते हैं, 'राजेंद्र तुकाराम चव्हाण को सोलापुर मार्केट कमेटी में 10 बोरी प्याज बेचने पर कितना पैसा मिला? व्यापारी को दो रुपए का चेक देने में शर्म कैसे नहीं आई? सरकारों को शर्म नहीं आ रही है, ऐसी स्थिति में किसान कैसे रहेगा, बताइए। बाजार में प्याज का दाम कम होने से आम लोगों को फायदा जरूर हो रहा है, लेकिन किसान की आंखों से आंसू निकल रहे हैं।'

रिटेलर के पास पहुंचते ही कई गुना बढ़ी प्याज की कीमत

एक रुपए में किसान से खरीदा प्याज बिचौलियों के हाथों से होते हुए व्यापारी तक पहुंचा और फिर व्यापारी ने इसे दूसरे राज्यों के आढ़तियों और ऑनलाइन रिटेलर्स को बेच दिया। सोलापुर के बाजार में सड़क किनारे ठेले पर अच्छा प्याज 20-22 रुपए और दुकान में 25-30 रुपए किलो बिक रहा था। एक नामचीन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर यही प्याज अलग-अलग शहरों के हिसाब से 20 से 32 रुपए के बीच बिकता दिखा। इस बीच राजेंद्र चव्हाण ने 2 रुपए का चेक और मंडी से मिली रसीद लैमिनेट करवाकर घर की दीवार पर टांग दी है। वे किसानों की बदहाली के इस सबूत को हर आने-जाने वाले को दिखाते हैं।

नक्सलियों को निशाना बनाकर हवाई हमला

माओवादी प्रवक्ता ने जारी किया प्रेस नोट

बीजापुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बीजापुर में नक्सलियों को निशाना बनाकर बीजापुर और सुकमा की सीमा पर हवाई हमला किया गया। माओवादियों के दक्षिण सब जोनल ब्यूरो की प्रवक्ता समता ने प्रेस नोट जारी कर बमबारी की जानकारी दी। दक्षिण बस्तर के पामेड़ इलाके के भट्टिगुड़ा,कवरगट्टा,मीनागट्टा और जब्बागट्टा इलाके में सुबह 6 बजे से ड्रोन और हेलीकॉप्टर से बमबारी जारी है। माओवादी नेता ने केंद्रीय गृहमंत्री मंत्री अमित शाह के दौरे को इस हमले के लिए जिम्मेदार बताया।

पुलिस के हाथ लगी बड़ी कामयाबी

110 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

रायगढ़, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। सारंगढ़ जिले के डोंगरीपाली पुलिस ने दो गांजा तस्करों को बड़े पैमाने पर गांजा तस्करी करते हुए पकड़ा है। पुलिस ने इनके पास से तस्करी में प्रयुक्त बोलेरो वाहन भी जब्त किया है।

पुलिस ओडिशा बॉर्डर पर वाहन चेकिंग कर रही थी। इस दौरान थाना डोंगरीपाली पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि दो शख्स एक सफेद रंग की बोलेरो गाड़ी से भारी मात्रा में गांजा लेकर आ रहे हैं। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों को धर दबोचा। पकड़े गए तस्करों की

पहचान अजय कुमार सिंह और आनिध्य चंसोरिया के तौर पर हुई है। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत विधिवत कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उक्त वाहन की जांच में 110 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त किया गया है।

दिल्ली में सोनिया गांधी से मिले टीएस सिंहदेव

रायपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने शुक्रवार को सोनिया गांधी से मुलाकात की है। दिल्ली के दस जनपथ में हुई इस मुलाकात के कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक तकरीबन 10 से 15 मिनट तक सोनिया गांधी और मंत्री टीएस सिंहदेव के बीच चर्चा चली। छत्तीसगढ़ में यह चुनावी साल है और ऐसे में तमाम राजनीतिक गुणा-भाग के लिए प्रदेश के कई दिग्गज कांग्रेसी नेता दिल्ली की दौड़ लगा रहे हैं। हालांकि इसे एक इसे एक सामान्य मुलाकात कहा जा रहा है लेकिन चुनाव से पहले टीएस सिंहदेव अगर सोनिया गांधी से मुलाकात करते हैं तो इसके सियासी मायने निकाले ही जाएंगे। हालांकि शाम को जब सिंहदेव रायपुर पहुंचेंगे तब वही बेहतर बता पाएंगे कि आखिर क्या बात हुई? चुनाव में अपनी भूमिका को लेकर टीएस सिंहदेव ने क्या कहा था?

इस साल के अंत में चुनाव हैं लेकिन चुनाव से पहले मंत्री टीएस सिंहदेव के एक बयान ने आगामी चुनाव में उनकी भूमिका को लेकर ही संशय की स्थिति पैदा कर दी थी। सिंहदेव ने कहा था कि चुनाव लड़े जाने को लेकर उन्होंने अब तक कोई फैसला नहीं लिया है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद बोले- मदरसे में धार्मिक पढ़ाई हो सकती है

तो स्कूलों में हिंदू धर्म की क्यों नहीं

रायपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। रायपुर पहुंचे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने हिंदू राष्ट्र को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी मांग हिंदू राष्ट्र की नहीं है। क्योंकि बिना प्रारूप के उस पर कुछ भी कहना संभव नहीं है। हम रामराज्य की मांग करते हैं। साईं बाबा को लेकर बागेश्वर सरकार के पंडित बाधीरेन्द्र कृष्णा शास्त्री के दिए गए बयान का समर्थन करते हुए कहा कि हम साईं बाबा को लेकर दिए गए बयान का समर्थन करते हैं। शंकराचार्य ने कहा कि शिक्षा नीति

में बदलाव की जरूरत है। मदरसे में अगर धार्मिक पढ़ाई हो सकती है तो, स्कूलों में हिंदू धर्म की पढ़ाई क्यों नहीं कराई जा सकती है। एनसीइआरटी में मुगलों का चैप्टर हटाए जाने को लेकर कहा कि इतिहास जैसा है, वैसा पढ़ाया जाना चाहिए। तटस्थ इतिहास के लिए जरूरी है कि सबको सब कुछ पढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति या संत किसी पार्टी से जुड़ गया या उसका सदस्य बन गया तो वो महात्मा या हिंदू नहीं रह गया। चाहे वह किसी भी संप्रदाय का हो। बिना धर्मनिरपेक्षता के शपथ के कोई भी राजनीतिक दल पंजीकृत नहीं हो सकता। चाहे वो कोई भी दल हो।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल का बेटा गिरफ्तार

जांजगीर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल के बेटे पलाश चंदेल को दुष्कर्म के मामले में देर रात जांजगीर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पलाश चंदेल के खिलाफ नैला की रहने वाली खेल शिक्षिका ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने व अबॉर्शन कराने की रिपोर्ट लिखाई थी। इस मामले में आरोपी पलाश चंदेल फरार चल रहा था। सत्र न्यायालय से अग्रिम जमानत याचिका रद्द होने के पर हाईकोर्ट में जमानत के लिए याचिका लगाई थी। जहां उसे अर्तरिम अग्रिम जमानत मिल गई है। रायपुर के महिला थाने में पलाश चंदेल के खिलाफ दुष्कर्म और गर्भपात कराने की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई थी। रायपुर में शून्य में अपराध दर्ज करने के बाद मामला जांजगीर ट्रांसफर किया गया, महिला के आदिवासी होने के चलते एक्ट्रोसिटी की धारा भी जोड़ी गई थी। इस मामले की जांच जांजगीर एसडीओपी चंद्रशेखर परमा कर रहे थे। पुलिस पलाश चंदेल की

तलाश कर रही थी। इसी बीच जांजगीर के सत्र न्यायालय से उसकी अग्रिम जमानत अर्जी खारिज हो गई, जिसके बाद उसने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका लगाई थी। हाईकोर्ट में जस्टिस दीपक तिवारी की बेंच में मामले की चार अप्रैल को सुनवाई हुई। इस दौरान पलाश के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि महिला शासकीय सेवा में है और शादीशुदा है। ऐसे में उसे शादी का झांसा नहीं दिया जा सकता। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने पलाश चंदेल को अर्तरिम अग्रिम जमानत दे दी। मामले की अगली सुनवाई चार हफ्ते बाद होगी। इधर, नैला थाने में हाईकोर्ट का आदेश पेश करने पर उसे 25 हजार के बंध पत्र व सिक्योरिटी पर रिहा किया गया है।

ग्रामीणों ने हाथ से उखाड़ दी सड़क वीडियो वायरल

सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप, इंजीनियर ने कहा ग्रामीणों पर हो कार्रवाई उखाड़ दी अच्छी सड़क

बोकारो, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बोकारो के चंदनकियारी प्रखंड के साबड़ा पंचायत में सड़क बन रही थी। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। इन आरोपों के साथ- साथ एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में पूरी की पूरी सड़क ग्रामीण हाथ से उखाड़ कर दिखा रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि 2.18 करोड़ रुपए की लागत से बनाई जा रही साढ़े पांच किलोमीटर की सड़क कमजोर है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत तैयार हो रही है सड़क

सड़क साबड़ा मोड़ से लेकर आसनबनी तिरंगा मोड़ तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनाई जा रही है। वीडियो वायरल होने के बाद सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार का विरोध और तेज हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि साबड़ा मोड़ से लेकर आसनबनी तिरंगा मोड़ तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनाई जा रही सड़क के निर्माण में पैसे कमाये जा रहे हैं, निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जा रहा।

सड़क निर्माण में उच्च गुवतत्ता के सामग्रियों को जिस अनुपात में दिया जाना चाहिए वह नहीं दिया जा रहा,पैसे बचाने की कोशश की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क में डस्ट का उपयोग किया गया है। केमिकल कम मात्रा में दिया गया है। यहां गरम पिच नहीं दी गई और मोटाई में भी काफी कमी बरती गई है। यही कारण है कि सड़क बनने के साथ-साथ अब ये उखड़ने भी लगी है। ग्रामीणों ने अब जिले के डीसी को पत्र लिखकर सड़क की गुणवत्ता की जांच करने की मांग की। सड़क लगभग 50 गांव को जोड़ती है। दूसरी तरफ अभियंता सरवन कुमार ने ग्रामीणों पर सड़क उखाड़ने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। सड़क तो सही स्थिति में है।

फिर बढ़ रहा है कोरोना का खतरा

एक तरफ वैक्सीन का संकट दूसरे तरफ राज्य में बढ़ते संक्रमण के मामले

रांची, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में एक बार फिर कोरोना संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है। झारखंड में कोरोना के बढ़ते मामले को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा बैठक कर रहे हैं। बैठक में झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता भी मौजूद रहे। बैठक में इस पर चर्चा हुई की राज्य कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए कितना तैयार है, 10-11 मार्च को भी केंद्र के निर्देश पर अस्पतालों में तैयारियों को लेकर मॉक ड्रिल कराने का आदेश दिया गया है।

वैक्सीन की स्थिति

राज्य को कोरोना वैक्सीन को लेकर संकट का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि अप्रैल से ही स्टॉक में कोविशील्ड, कोवैक्सीन और कोर्बिवैक्स के वैक्सीन की कमी थी। जिन जिलों में वैक्सीनेशन के लिए वैक्सीन भेजी गयी थी वहां भी बहुत मात्रा में वैक्सीन नहीं बची है। तीनों टीकों की उपलब्धता शीघ्र सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

बढ़ते मामले और वैक्सीनेशन का संकट

राज्य में एक तरफ वैक्सीन को लेकर संकट है तो दूसरी तरफ

राज्य में संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं राज्य में इस वक्त संक्रमितों की संख्या अब 50 से अधिक है। अगर आकड़ों के आधार वैक्सीनेशन की स्थिति देखें तो 18 वर्ष एवं इससे अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों में एक अप्रैल तक 77 प्रतिशत को ही कोरोना वैक्सीन के दोनों डोज मिले हैं। अगर उम्र सीमा के आंकड़े पर नीचे जायेंगे तो 15-17 आयु वर्ग के लोगों में 67 प्रतिशत को पहली और 47 प्रतिशत को दोनों डोज मिली है। 12-14 आयु वर्ग में 67 प्रतिशत को प्रथम डोज और 39 प्रतिशत को दोनों डोज का टीकाकरण मिला है। 60 वर्ष से अधिक आयु के 18 प्रतिशत नागरिकों को ही बूस्टर डोज लग सका है। सरकारी अस्पताल में कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए राज्य में बेड की कुल उपलब्धता 21,680 है, जिनमें सामान्य बेड 5,276, ऑक्सीजन सपोर्टेड बेड 11,356, आईसीयू बेड 1,447, वेंटिलेटर बेड 1,456, पेडियाट्रिक आईसीयू 510 और पेडियाट्रिक एचडीयू बेड 455 उपलब्ध हैं। राज्य के 93 विभिन्न सरकारी और निजी स्वास्थ्य संस्थानों में कुल 122 पीएसए ऑक्सीजन प्लांट भी हैं।

साहिबगंज में जारी है अवैध खनन

पंकज मिश्रा सलाखों के पीछे भी अवैध खनन के खेल में आगे, ईडी को मिले अहम सबूत

साहिबगंज, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। लंबे समय से अवैध खनन और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल बंद पंकज मिश्रा के अवैध खनन का खेल अब भी जारी है। सूत्रों की मानें तो ईडी की जांच में पता चला है कि साहिबगंज में अवैध खनन का खेल अब भी जारी है। बुधवार और गुरुवार को लगातार दो दिन मंडरो अंचल स्थित सिवरिया मौजा के नीबू पहाड़ पर प्लाट नंबर 69पी, 70पी, 71पी और 73 पी में अवैध खनन जारी है। इसकी जांच के लिए इलाके में ड्रोन से निगरानी रखी गयी। इस इलाके का वीडियो फुटेज भी सबूत के तौर पर रखा गया है। जांच में यह बात सामने आयी कि इन इलाकों में अब भी अवैध खनन जारी है। अवैध खनन के सबूत इन रास्तों पर बने बड़े-बड़े ट्रक के टायर के निशान भी दे रहे हैं। इन अवैध खनन को संरक्षण दे रहे हैं सीएम के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा और इसके साथी विष्णु यादव ईडी की जांच में यह बात सामने आई है कि जेल में बंद पंकज मिश्रा अब भी अवैध खनन करा रहा है।

परमाणु हथियार पर हलचल तेज

फ्रांस के राष्ट्रपति की टिप्पणी पर रूस का तंज, अमेरिका के लिए कही ये बड़ी बात

मास्को, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। रूस ने बेलारूस में परमाणु हथियार तैनात करने का एलान किया है। इसके बाद से पश्चिमी देशों में हलचल तेज हो गई है। अमेरिका, ब्रिटेन के बाद फ्रांस ने भी रूस को ऐसा न करने के लिए कहा। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रॉन इमैनुएल ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा था, 'फ्रांस का मानना है कि यूक्रेन में संघर्ष से परमाणु हथियारों को पूरी तरह से बाहर रखा जाना चाहिए। किसी भी स्थिति में परमाणु हथियारों को परमाणु शक्ति के क्षेत्र के बाहर तैनात नहीं किया जा सकता है, विशेष रूप से यूरोप में।'

चीन की राजकीय यात्रा के दौरान मैक्रॉन ने यह भी तर्क दिया कि बेलारूस में परमाणु हथियारों को तैनात करने का रूस का हालिया निर्णय अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों के साथ ₹बाहर₹ है। अब इसपर रूस ने पलटवार किया है। ट्विटर पर रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने लिखा, 'क्या मैं यह समझने में सही हूं कि पेरिस की कठोर मांग वाशिंगटन को संबोधित है?' मंत्रालय ने दो तस्वीरें भी साझा कीं, जिसमें दावा किया गया कि अमेरिका ने पूरे यूरोप में परमाणु हथियार तैनात कर दिए हैं। इसमें उन छह देशों के नाम भी सूचीबद्ध हैं जहां अमेरिका ने अपने परमाणु हथियार यूएस बी61 को तैनात किया था।

नाटो की दहलीज पर परमाणु हथियार तैनात करेगा रूस

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच परमाणु हमले का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के एलान के बाद बेलारूस ने भी साफ कर दिया है कि वह अपने देश में रूस के टैक्टिकल न्यूक्लियर हथियार को तैनात करने के लिए मंजूरी दे चुका है। सबसे बड़ी बात ये है कि रूस के इस परमाणु हथियारों की तैनाती नाटो देशों के चौखट पर ही होगी। मतलब नाटो सदस्य देशों के ठीक बॉर्डर पर ये हथियार रखे जाएंगे। ऐसा करने से रूस पश्चिमी देशों के बिल्कुल करीब पहुंच जाएगा।

बेलारूस में रूसी राजदूत बोरिस ग्रिजलोव ने बेलारूसी राज्य टेलीविजन को बताया, 'हथियारों को हमारे संघ राज्य की पश्चिमी सीमा पर ले जाया जाएगा और सुरक्षा सुनिश्चित करने की संभावनाओं को बढ़ाएगा।' उन्होंने आगे कहा, 'यह यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका में शोर के बावजूद किया जाएगा।'

हालांकि, ग्रीजलोव ने यह नहीं बताया कि हथियार कहां तैनात किए जाएंगे, लेकिन ये जरूर साफ कर दिया कि एक जुलाई तक पुतिन के आदेश के अनुसार बेलारूस के पश्चिम में परमाणु हथियार तैनात कर दी जाएगी। बेलारूस के उत्तर में लिथुआनिया और लातविया की सीमाएं हैं और पश्चिम में पोलैंड। ये सभी नाटो सदस्य देश हैं। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद इन सीमाओं पर अतिरिक्त सैनिकों और सैन्य उपकरणों की तैनाती की गई है।

परमाणु युद्ध की चेतावनी

रूस का कहना है कि बेलारूस में इन हथियारों की तैनाती ठीक उसी तरह होगी, जैसी अमेरिका ने नाटो देशों में अपने पमाणु बम तैनात किए हैं। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको का कहना है कि वह चाहेंगे कि रूस अंतरमहाद्वीपीय बैलेस्टिक मिसाइलों को भी तैनात करें। उनका कहना है कि रूस के परमाणु हथियारों की तैनाती उनके देश को सुरक्षा प्रदान करेगा। हाल ही में उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर पुतिन हारते हैं तो परमाणु युद्ध हो सकता है।

पुतिन ने दिया था आदेश

पिछले दिनों रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि रूस इस साल एक जुलाई तक बेलारूस में टैक्टिकल वीपन्स के भंडारण के लिए बनाई जा रहा स्टोरेज यूनिट का काम पूरा कर लेगा। उन्होंने आगे बताया कि रूस ने पहले ही परमाणु मिसाइलें लॉन्च करने के लिए जरूरी कुछ इस्कंदर मिसाइल सिस्टम बेलारूस भेज दिए हैं।

1990 के दशक के मध्य के बाद ये पहली बार है जब रूस अपने परमाणु हथियार अपने देश से बाहर अपने किसी मित्र देश में तैनात कर रहा है। 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस के हथियार नए स्वतंत्र हुए चार देशों में रह गए थे- रूस, यूक्रेन, बेलारूस और कजाकस्तान। इन सभी हथियारों को साल 1996 तक रूस लाने का काम पूरा कर लिया गया था।

आटे की किल्लत के बीच सिंध सरकार से गुहार

अफगानिस्तान में चोरी छिपे जाने वाले गेहूं पर लगाएं रोक

इस्लामाबाद, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। सिंध अबदगर बोर्ड (एसएबी) के स्थानीय नेताओं और छोटे उत्पादकों ने सिंध सरकार से अफगानिस्तान में चोरी छिपे गेहूं भेजने वालों पर रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर इस तस्करी को नहीं रोका गया तो आने वाले समय में गेहूं की मारा-मारी देखने को मिलेगी। इसलिए सही समय पर इसपर लगाम लगानी चाहिए।

एक लाख मिलती है रिश्वत

उन्होंने जल्द से जल्द खाद्य और जिला प्रशासन के उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की जो हैदराबाद, मिरपुरखास, शाहीद बेनजीरबाद, सक्कुर और लरकाना क्षेत्र से अफगानिस्तान में गेहूं की अवैध आवाजाही में कथित रूप से शामिल हैं। इन लोगों का कहना है कि बड़े व्यवसायी अधिकारियों को प्रति वाहन 75 हजार से एक लाख रुपये तक रिश्वत दे रहे हैं।

हर दिन 200 वाहन की आवाजाही

लोगों ने आरोप लगाते हुए कहा कि एक मार्च से हर दिन गेहूं से लदे भारी 200 वाहन दादू जिले के जोही, खैरपुर नाथन शाह, मेहर और दादू तालुका से अफगानिस्तान जा रहे हैं। खाद्य विभाग व जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस के अधिकारी उन्हें सीमा पार करने में मदद करते हैं। दादू तालुका के गेहूं उत्पादक मोहम्मद सलीह पन्ह-वार ने कहा कि प्रति वाहन एक लाख रुपये तक इन लोगों को रिश्वत दी जाती है। वहीं, एक अन्य गेहूं उत्पादक ने आरोप लगाया कि स्थानीय खाद्य अधिकारी और दादू प्रशासन के अधिकारी गेहूं से लदे वाहनों की जांच के बहाने रिश्वत लेते हैं।

अधिकारी का बयान

इस मामले में सिंध खाद्य विभाग के निदेशक सैयद इमदाद शाह ने कहा कि गेहूं तस्करी में शामिल लोगों के लाइसेंस 2023 की खरीद सीजन में 90 दिनों के लिए निलंबित कर दिए जाएंगे।

एक अप्रैल को हुई थी भगदड़ की घटना

गौरतलब है, इससे पहले एक अप्रैल को पाकिस्तान के कराची में फ्री राशन को लेकर भगदड़ मच गई थी। इस भगदड़ में मरने वालों की संख्या 12 बताई गई थी। इसमें 9 महिलाएं शामिल थीं। दरअसल, पाकिस्तान के सिंध प्रांत के कराची के नॉरिस चौरंगी में रंगाई कारखाने में गरीबों को फ्री का राशन बांटा जा रहा था। इसी दौरान भगदड़ मच गई थी। इसमें दर्जन भर लोगों की मौत और कई लोग घायल हो गए थे।

ईरान पर हमले की तैयारी

इजराइल ने कहा- अमेरिका ने साथ नहीं दिया तो अकेले हमला करेंगे, नतीजे की परवाह नहीं

जरूसलम, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। इजराइल के एयरफोर्स चीफ हेरजी हालेवी ने गुरुवार को साफ कर दिया कि उनका मुल्क ईरान पर हमले के लिए तैयार है। हेरजी के मुताबिक, हमें इस बात की परवाह नहीं है कि ईरान पर हमले के दौरान अमेरिका मदद करता है या नहीं, अगर वो साथ नहीं देता तो, हम अकेले ही ईरान को एटमी हथियार बनाने से रोक सकते हैं। इजराइल का आरोप है कि ईरान एटमी हथियार बनाने के करीब पहुंचता जा रहा है। अगर ईरान न्यूक्लियर वेपेन्स बनाने में कामयाब हो गया तो इससे इजराइल के साथ कई अरब देशों की सिक्योरिटी को खतरा पैदा हो जाएगा। लिहाजा ईरान को एटमी ताकत बनने से हर कीमत पर रोकना जरूरी है।

इजराइल के आर्मी रेडियो को दिए इंटरव्यू में एयरफोर्स चीफ ने कहा- हम ईरान के खिलाफ कार्रवाई के लिए बिल्कुल तैयार हैं। हमारे पास इतनी ताकत मौजूद है कि हजारों किलोमीटर दूर हम किसी भी ऑपरेशन को कामयाबी के साथ अंजाम दे सकते हैं।

शहबाज शरीफ ने खारिज किया सुप्रीम कोर्ट का फैसला

दबाव बनाने के लिए लेंगे सेना का सहारा दो प्रांतों में चुनाव कराने का था आदेश

इस्लामाबाद, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। आर्थिक-राजनीतिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में अब न्यायपालिका से टकराव बढ़ गया है। ताजा टकराव देश के सबसे बड़े पंजाब प्रांत में 14 मई को चुनाव कराने को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से उपजा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में चुनाव कराने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को खारिज कर दिया।

इस मामले में गुरुवार को इस्लामाबाद में सत्तारूढ़ गठबंधन (पीडीएम) के नेताओं के साथ शहबाज ने बैठक भी की। कोर्ट पर दबाव बढ़ाने के लिए शहबाज सरकार ने सेना को साथ लेने की भी रणनीति बनाई है। इसके तहत अब शुक्रवार को राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक बुलाई गई है। इसमें शीर्ष सैन्य कमांडर शामिल होंगे।

नवाज शरीफ ने की 3 जस्टिसों पर अवमानना की कार्रवाई की मांग

लंदन में बैठे पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सुप्रीमो नवाज शरीफ ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि संसद चीफ जस्टिस बंदियाल, जस्टिस इजाजुल अहसन और जस्टिस मुनीब अख्तर के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही करे।

उन्होंने कहा कि कोर्ट ने विधायिका को लगभग अक्षम और निरर्थक बना दिया है। शरीफ ने आरोप लगाया कि न्यायपालिका पक्षपाती है। पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा और फैज हामिद ने पीटीआई प्रमुख इमरान और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों- साकिब निसार, अजमत सईद शेख, जस्टिस अहसान के साथ आसिफ सईद खोसा और जस्टिस बंदियाल ने 2017 में मुझे सत्ता से बेदखल करने की साजिश रची थी। सरकार की सहयोगी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने भी सुप्रीम कोर्ट की फुल बेंच बनाकर फैसले की समीक्षा की मांग की।

राजनीतिक विश्लेषक अली फुरकान ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य के मद्देनजर आने वाले दिनों में देश का राजनीतिक माहौल और अधिक उग्र और हिंसक होगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार का रुख स्पष्ट है कि वह तब तक चुनाव कराने की स्थिति में नहीं है, जब तक कि उसके शीर्ष नेता नवाज शरीफ वापस नहीं आ जाते।

सहयोगी पीडीएम पार्टियां इन चुनावों में देरी करने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन लगातार यह उनके लिए संभव नहीं होगा। कानूनी विशेषज्ञ मोहिज जाफरी का कहना है कि चूंकि सरकार ने कानून के माध्यम से 'अपील के अधिकार हासिल कर लिया है, इसलिए शीर्ष अदालत में समीक्षा याचिका लगाएगी और 'पूर्ण पीठ' में सुनवाई की मांग करेंगे।

कोर्ट के आदेश के खिलाफ संकल्प

पाकिस्तानी संसद के निचले सदन में कोर्ट के फैसले की तीखी आलोचना हुई। सत्ताधारी गठबंधन ने संकल्प पारित किया कि निर्णय को सरकार किसी भी कीमत पर लागू न करे। इस मुद्दे की समीक्षा के लिए कोर्ट की फुल बेंच की मांग दोहराई गई। वहीं, पीटीआई नेता इमरान ने कोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक बताया। इमरान ने जनवरी में दोनों विधानसभाओं को भंग करने की योजना बनाई थी, तब सरकार ने चुनाव कराने का प्रस्ताव ठुकरा दिया था। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने दोनों प्रांतों में 9 अप्रैल को चुनाव की तारीख निर्धारित की। इसे चुनाव आयोग ने नहीं माना। फिर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर चुनाव आयोग को कार्यक्रम घोषित करने का आदेश दिया। इस पर आयोग ने अमल नहीं किया। इस पर कोर्ट ने मंगलवार को फिर आदेश दिया।

भारत पर नजर रखने श्रीलंका में चीन बनाएगा रडार बेस

बीजिंग, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन अपने कर्ज के जाल में डूबे श्रीलंका में अब एक रडार बेस बनाने की तैयारी कर रहा है। ताकी वो हिंद महासागर में भारत की गतिविधियों और नेवी पर नजर रख सके। ये रडार बेस श्रीलंका के डोंडरा बे के जंगलों में बनाया जाएगा। ब्रिटेन की बेवसाइट के मुताबिक चीन के रडार सिस्टम बनाने का खुलासा श्रीलंका की इंटेलिजेंस एजेंसी के सुत्रों ने किया है। इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व चीन की साइंस एकेडमी करेगी।

चीन जिस इलाके डोंडरा बे में रडार बेस बनाने की तैयारी कर रहा है, वो पहले श्रीलंका की राजधानी हुआ करती थी। ये श्रीलंका के दक्षिणी छोर पर स्थित है। इकोनॉमिक टाइम्स को इस मामले से जुड़े जानकारों ने बताया कि अगर रडार बेस बनता है तो इससे चीन पूरे दक्षिण भारत पर नजर रख सकेगा।

बर्फीले तूफान के चलते दो की मौत

कनाडा में लाखों लोग अंधेरे में रहने को मजबूर

ओटावा, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। कनाडा के क्युबेक प्रांत में गुरुवार को आए बर्फीले तूफान के चलते दो लोगों की मौत हो गई। वहीं तूफान के चलते लाखों घर अंधेरे में डूब गए हैं। दरअसल तूफान के चलते राज्य की बिजली संचार व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। वहीं बर्फीले तूफान के साथ ही तेज बारिश भी हुई और कई पेड़, मकान क्षतिग्रस्त हुए और बिजली के खंभे भी गिर गए। फिलहाल बिजली संचार व्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश की जा रही है। खबर के अनुसार, क्युबेक प्रांत में गुरुवार को आए बर्फीले तूफान और बारिश की वजह से राज्य के लाखों घर अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। गुरुवार को आए तूफान की वजह से लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। क्युबेक में बिजली की सप्लाई करने वाली संस्था हाइड्रो क्युबेक का कहना है कि 70-80 फीसदी घरों में शुक्रवार रात तक स्थिति सामान्य हो जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सात लाख लोग अभी भी बिना बिजली के रहने को मजबूर हैं। इनमें से आधे लोग करीब साढ़े तीन लाख मांट्रियल शहर में रहते हैं। जिन इलाकों में बिजली नहीं है, उनके लिए कनाडा की सरकार ने इमरजेंसी ओवरनाइट शेल्टर मुहैया कराए हैं, जहां लोग रात गुजार सकते हैं।

अमेरिकी वित्त क्षेत्र में भारतीय मूल की महिलाओं का जलवा

100 सबसे प्रतिभाशाली महिलाओं में 5 इंडियन ओरिजिन की, बैरन मैग्जीन ने जारी की लिस्ट

ऊपर वाली लाइन में रूपल जे भंसाली (लेफ्ट) और अनु आयंगर (राइट) दिखाई दे रही हैं। नीचे वाली लाइन में सविता सुब्रमण्यम, मीना फ्लिन और सोनाली देसाई (लेफ्ट से राइट) हैं।

न्यूयॉर्क, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के वित्तीय क्षेत्र की 100 सबसे प्रभावशाली महिलाओं में भारतीय मूल की 5 महिला एग्जीक्यूटिव भी शामिल की गई हैं। ये लिस्ट वाल स्ट्रीट जर्नल की बैरन मैगजीन ने जारी की है। इस लिस्ट में जे पी मॉर्गन की अनु आयंगर, एरियल इन्वेस्टमेंट की रूपल जे भंसाली, फ्रेंकलिन टेंपलटन की सोनाली देसाई, गोल्डमैन साक्स की मीना फ्लिन और बैंक ऑफ अमेरिका की सविता सुब्रमण्यम को जगह मिली है। बैरन मैगजीन ने वित्तीय सेवा उद्योग में प्रमुख पद हासिल करने और उसके भविष्य को बदलने में अहम भूमिका निभाने वाली महिलाओं को इस लिस्ट में रखा है। इस चौथी वार्षिक सूची में वित्तीय सेवा, कॉर्पोरेट जगत, एनजीओ और सरकारी क्षेत्र में स्थापित तथा उभरते नेताओं को शामिल किया जाता है।

जे पी मॉर्गन की मर्जर एंड एक्विजिशन (एमएण्डए) की ग्लोबल प्रमुख बनीं अनु आयंगर अनु आयंगर जनवरी में जे पी मॉर्गन की मर्जर एंड एक्विजिशन (एमएण्डए) की ग्लोबल प्रमुख बनी हैं। इससे पहले 2020 से वे इस विभाग में को-हेड थीं। आंकड़ों को लेकर उनकी दिलचस्पी, कानूनी कॉन्ट्रैक्ट और ग्राहकों से संबंध बनाने में महारथ से वे इस क्षेत्र में आगे बढ़ीं।

रूपाली जे भंसाली एरियल इन्वेस्टमेंट्स में ग्लोबल इक्विटी स्ट्रेटेजीस में मुख्य निवेश अधिकारी और पोर्टफोलियो मैनेजर हैं। वे 100 वूमन इन फाइनेंस की बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की सदस्य हैं। वे मानती हैं कि उनका जन्म ही वित्तीय प्रबंधन या संपत्ति के प्रबंधन के लिए हुआ है। वित्तीय क्षेत्र में महिलाओं को काम करने को प्रोत्साहित करने को लेकर उनमें जुनून है।

चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर बनकर सोनाली ने रचा इतिहास

सोनाली देसाई ने 2018 में फ्रेंकलिन टेंपलटन के ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फंड में चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर नियुक्त होने वाली पहली महिला बनकर इतिहास रचा। वे 2009 में फर्म से जुड़ी थीं। मीना फ्लिन गोल्डमैन साक्स में ग्लोबल प्राइवेट वैल्थ मैनेजमेंट में को-हेड हैं। 1999 में उन्होंने जे पी मॉर्गन से काम करना शुरू किया। वे कहती हैं कि अब ज्यादा महिलाएं असेट प्रबंधन में आ रही हैं।

ताइवान की राष्ट्रपति की अमेरिका विजिट पर चीन का बदला

युद्धपोत तैनात किए, यूएस में ताइवान के प्रतिनिधि और दो संस्थाओं पर पाबंदियां लगाई

बीजिंग, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन के अमेरिका का दौरा करने और वहां संसद के स्पीकर केविन मैक्कार्थी से मिलने पर चीन ने बदला लिया है। चीन ने अपने 2 लड़ाकू विमान और शेनडोंग समेत 3 युद्धपोत ताइवान के पास तैनात कर दिए हैं। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक युद्धपोत ताइवान के पूर्वी तट से 370 किलोमीटर की दूरी पर है। इस पर ताइवान के वॉरशिप लगातार नजर बनाए हुए हैं।

चीन ने दो अमेरिकी संस्थाओं पर भी पाबंदियां लगाईं

दरअसल, ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन ने बुधवार को कैलिफोर्निया में स्पीकर मैकार्थी से मुलाकात की थी। जिसे चीन ने भड़काऊ हरकत बताया था। युद्धपोत और लड़ाकू विमानों से ताइवान की रेकी करने के अलावा चीन ने अमेरिका में ताइवान के प्रतिनिधि पर पाबंदियां लगा दी हैं। प्रतिनिधि हसिआओ बी किम और उनका परिवार पाबंदियों के चलते अब कभी चीन, हांगकांग और मैकाउ नहीं जा पाएगा। इसके अलावा राजदूत की कंपनियां भी चीन के साथ कोई व्यापार नहीं कर पाएंगी।

वहीं, चीन ने दो अमेरिकी संस्थाओं पर भी बैन लगाने की घोषणा की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन्हीं दो संस्थाओं ने राष्ट्रपति साइ इंग वेन की अमेरिकी यात्रा की प्लानिंग की थी। इन संस्थाओं में कैलिफोर्निया की रोनाल्ड रीगन लाइब्रेरी भी शामिल है। चीन ने राष्ट्रपति साई इंग वेन को अमेरिका जाने से पहले ही चेतावनी दी थी। साथ ही अमेरिका पर भी विवाद को बढ़ाने का आरोप लगाया था। दरअसल, साई इंग वेन ताइवान को एक संप्रभु राष्ट्र के तौर पर देखती हैं। उनका मानना है कि ताइवान 'वन चाइना' का हिस्सा नहीं है।

चीन उनके इस रवैये को लेकर नाराज रहता है। वर्ष 2016 में जब से वह सत्ता में आई हैं, तब चीन ताइवान से बातचीत करने से इनकार करता रहा है। चीन ने इस द्वीप पर आर्थिक, सैनिक और कूटनीतिक दबाव भी बढ़ा दिया है। चीन का मानना है कि ताइवान उसका क्षेत्र है। चीन का कहना है कि जरूरत पड़ने पर ताकत के जोर उस पर कब्जा किया जा सकता है, लेकिन साई चीन की अवैध हरकत का मुंहतोड़ जवाब देती हैं। चीन और ताइवान की आपसी लड़ाई की कहानी 1949 से शुरू होती है। इसके पहले दोनों देश एक ही थे। दरअसल, 1949 में कम्युनिस्ट नेता माओत्से तुंग के नेतृत्व में चियांग काई शेक के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कॉमिंगतांग पार्टी की सरकार के खिलाफ गृहयुद्ध छेड़ा गया।

पाकिस्तान में हिन्दू सांसद पर धर्म बदलने का दबाव

दानिश बोले- साथी सांसद कहते हैं कलमा पढ़कर मुस्लिम बन जाओ

दानिश संसद में देश में बढ़ती महंगाई पर चिंता जा रहे थे। उन्होंने कहा- ये निंदनीय है कि सरकार रमजान के महीने में भी खाद्य जमाखोरों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है। दानिश का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि ये वीडियो कब का है इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

दानिश कुमार पाकिस्तानी संसद में बढ़ती महंगाई पर बात कर रहे थे। इस दौरान वो कहते हैं- यहां पर मेरे दोस्त हैं जो मुझसे कहते हैं कि दानिश कुमार कलमा पढ़ लो, मुसलमान हो जाओ। मैं इन लोगों से कहना चाहता हूं कि पहले आप उन शैतानों को इस्लाम का पालन करने के लिए कहें जो मुनाफाखोर हैं। फिर दानिश कुमार के ऊपर आकर तबलीग करें। मैं चाहता हूं कि मुझसे ये वादा किया जाए कि जब तक ये उन लोगों से इस्लाम का पालन नहीं करवाते, तब कर मुझ पर तब्लीग नहीं करेंगे। दानिश कुमार 2018 में बलूचिस्तान अवामी पार्टी से अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित सीट पर सांसद चुने गए थे। इससे पहले वो बलूचिस्तान की विधानसभा के भी सदस्य रह चुके हैं।

गाजा पर एयरस्ट्राइक का बदला

गाजा, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। इजराइल की पुलिस के अल अक्सा मस्जिद में की गई रेड के बाद वहां हिंसा रुकने का नाम नहीं ले रही है। इसके बदले की कार्रवाई में शुक्रवार को वेस्ट बैंक में हुई गोलीबारी में दो इजराइली महिलाओं की मौत हो गई।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक जब महिलाओं पर हमला हुआ तो वो गाड़ी से हमारे इलाके से गुज रही थी। इस हमले में एक महिला घायल भी हुई है जिसे हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया है। वहीं, इस घटना के बाद इजराइल के पुलिस कमिश्नर ने लोगों से कहा है कि वो अपने बचाव के लिए अपने लाइसेंसी हथियारों को साथ रखें। इससे पहले इजराइल ने शुक्रवार तड़के सुबह गाजापट्टी पर एयरस्ट्राइक की। इजराइल की डिफेंस फोर्स ने एयरस्ट्राइक में दो सुरंगों और दो हथियार बनाने की फैक्ट्रियों को तबाह करने का दावा किया है। इजराइल ने इस ऑपरेशन को 'द स्ट्रॉन्ग हैंड' नाम दिया। एयरस्ट्राइक के बाद गाजा से उग्रवादियों ने भी इजराइल पर रॉकेट दागना शुरू कर दिए, जिसके बाद दक्षिणी इजराइल में एयर रेड सायरन गूंजने लगे। इजराइली सेना ने इसे 2006 के बाद सबसे बड़ा रॉकेट हमला बताया है। उन्होंने इसके लिए फिलीस्तीनी ग्रुप हमास को जिम्मेदार ठहराया।

आरएसएस सरसंघ चालक भागवत बोले

मिशनरी से अच्छा सेवा काम कर रहे संत वनवासियों का जीवन स्तर ऊपर उठाएं

जयपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। आरएसएस के अनुषांगिक संगठन-राष्ट्रीय सेवा भारती की ओर से शुक्रवार को जयपुर के जामडोली स्थित केशव विद्यापीठ में राष्ट्रीय सेवा संगम के उद्घाटन के मौके पर डॉ मोहन भागवत ने कहा कि संघ की स्थापना से ही स्वयंसेवक सेवा कर रहे हैं।

सेवा की मानसिकता सब में होती है, लेकिन सोयी रहती है। जिसे जगाना पड़ता है। हम प्रयास कर रहे हैं कि सेवा के जरिए आज ही समाज स्वस्थ्य हो जाए। उन्होंने कहा कि इससे पहले हमें स्वस्थ्य होना पड़ेगा। हमारे समाज में यदि कोई पीछे है, तो यह हमारे लिए अच्छी बात नहीं है। सबको समान और अपने जैसा मानकर ही हम समाज को आगे बढ़ा सकते हैं। कमजोर तबके को हम सब लोगों को ताकत देनी होगी।

वनवासी कल्याण के लिए काम करना होगा

भागवत बोले- हमारे समाज में कई ऐसी घुमंतू लोग भी हैं, जिन्होंने देश की आजादी की लड़ाई लड़ी। वो झुके नहीं, स्वतंत्रता के लिए लड़ते रहे। आज भी वो कहीं न कहीं घूमते रहते हैं। उनके पास

कोई वोटर आईडी, राशन कार्ड नहीं है। विदेशी शासकों ने उन्हें अपराधी घोषित कर दिया। संघ की उन पर नजर पड़ी, तो वहां भी सेवा करना शुरू कर दिया। हमें वनवासी कल्याण के लिए काम करना होगा। कमज़ोर तबके को ऊंचा उठाना होगा और आगे बढ़ाना होगा। भागवत ने एक वनवासी बेरोजगार युवक का उदाहरण भी दिया। जिसे कहीं नौकरी नहीं मिल रही थी, तो वह तनख्वाह के लिए संघ शरण में आया। लेकिन वहां आने के बाद उसका हृदय परिवर्तन हुआ और उसने तनख्वाह नहीं ली। वह 15 साल तक पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में रहा और सेवा करता रहा। बाद में उसके जीवन यापन के लिए उसकी नौकरी लगवाई और व्यवस्था करवाई गई।

स्वयंसेवकों ने निःस्वार्थ भावना से देश के लिए जीवन दिया-पीरामल

पीरामल ग्रुप के अजय पीरामल ने उद्घाटन सत्र में कहा कि आज का दिन मेरे लिए खास है क्योंकि मैं आप सभी के बीच में हूं।स्वयंसेवकों ने निस्वार्थ भावना से देश के लिए जीवन दिया है। कोरोना के दौरान आरएसएस कार्यकर्ताओं ने काफी अच्छा काम किया।

पीरामल बोले- जब मैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने गया, तो उन्होंने मुझे कहा मेरी उम्र 62 साल है। फिर भी मैं अपने क्षेत्र की सबसे उम्रदराज महिला हूं। क्योंकि आदिवासियों की औसत उम्र आम लोगों से 12 साल कम होती है। यह सुनकर मुझे काफी दुख हुआ। लेकिन उसके बाद पीरामल फाउंडेशन की ओर से देशभर में 100 स्थानों पर आदिवासियों की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए काम शुरू किया गया है। ताकि आदिवासियों को भी आम लोगों की तरह जीवन यापन करने और स्वास्थ्य सेवाओं की सुविधाओं का फायदा मिले।

संघ के सहकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के साथ देशभर के 3000 से ज्यादा स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधि इस सेवा संगम में जयपुर में भाग ले रहे हैं। सेवा संगम कार्यक्रम में सुभाष चंद्र ,भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष और पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया और डॉ. अरुण चतुर्वेदी, भाजपा विधायक अशोक लाहोटी, कालीचरण सराफ मौजूद समेत कई संघ पदाधिकारी, क्षेत्रीय प्रचारक, अनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए। 3 दिन तक चलने वाले सेवा संगम से पहले गुरुवार को सेवा संगम से जुड़े कामकाज की प्रदर्शनी का उद्घाटन भी आचार्य सुधांशु जी महाराज ने किया।

कोटा में बीच बाजार दो युवकों पर फायरिंग

कोटा, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। कोटा में बदमाशों के हौसले बुलंद है। बीच बाजार वारदात को अंजाम देने से भी नहीं डरते। देर रात उधोग नगर थाना क्षेत्र इलाके में बीच बाजार बाइक सवार बदमाशों ने दो युवकों पर फायर कर दिया। गनीमत रही गोली पैर पर लगी। वारदात को अंजाम देकर बदमाशमौके से फरार हो गए।

घायल युवक विजय व गणेश को इलाज के लिए एमबीएस हॉस्पिटल लाया गया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। और घायलों के पर्चा बयान लिए। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों में पुरानी रंजिश चली आ रही है। साल भर पहले भी दोनों पक्षों में झगड़ा हुआ था।घायलों के दोस्त अजय ने बताया कि रात साढ़े 7 बजे करीब दो बाइको पर सवार होकर मंदिर दर्शन के लिए निकले थे। कंसुआ से एरोड्राम की तरफ आ रहे थे। रास्ते में महेंद्र मेंढकी,वसीम कटर,दीपक तीनों बुलेट गाड़ी पर सवार थे। जिन्होंने हमे देखते ही 2-3 राउंड फायर कर दिया।

पीएम के बयान पर राठौड़ का तंज

झूठी कथा सुनाने के बजाय महंगाई और अर्थव्यवस्था की चिंता करें

अजमेर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर दिए गए बयान पर तंज कसते हुए कहा कि थोथा चना बाजे घना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बयान में अपने मियां मिट्ठू बनते हुए विकास की झूठी कथा भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आम जनता को सुनाकर गुमराह कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में बेरोजगारी, महंगाई, और गिरती हुई अर्थव्यवस्था पर एक शब्द भी नहीं बोला।

हंगर इंडेक्स में 121 देशों में भारत 107 नंबर पर

निगम राठौड़ ने कहा कि ग्लोबल हंगर इंडेक्स में 121 देशों में भारत 107 नंबर पर है, जोकि देश के लिए शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्थापना दिवस पर दिए गए बयानों में केवल विपक्ष को कोसने के अलावा कोई कार्य नहीं किया। संवैधानिक पद पर बैठे प्रधानमंत्री

का मोदी का इस तरह का बयान हास्यास्पद एवं निंदनीय है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में परस्पर भाईचारे से विघटनकारी सोच को मुंहतोड़ जवाब देने की आवश्यकता है।गिम अध्यक्ष राठौड़ आज अजमेर प्रवास के दौरान हनुमान जयंती पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। निगम अध्यक्ष राठौड़ ने रामसखा आश्रम पुष्कर जनकपुरी श्रीनगर रोड स्थित धूनी वाले बालाजी नदी प्रथम सराधना एवं नाला बाजार स्थित प्राचीन बालाजी मंदिर के कार्यक्रम में शामिल हुए। निगम अध्यक्ष राठौड़ का झूलेलाल चौक पर पूर्व पार्षद सुनील मोतीयानी के नेतृत्व में अभिनंदन किया गया। निगम अध्यक्ष राठौड़ का श्रीनगर रोड पर पार्षद मनीष सेठी के नेतृत्व में कांग्रेसी पार्षदों ने 51 किलो की माला पहनाकर साफा पहनाकर अभिनंदन किया।

पूर्व विधायक डॉ. राजकुमार जयपाल शहर कांग्रेस के निवर्तमान अध्यक्ष विजय जैन महासचिव शिव कुमार बंसल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित रहे।

बाघ संरक्षण बल में फॉरेस्ट पैटर्न पर भरे जाएंगे 85 पद, प्रस्ताव को सीएम की मंजूरी

जयपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्य सरकार प्रदेश में वन और वन्यजीवों के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बाघों के महत्व को ध्यान में रखते हुए रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान में चलाई जा रही बाघ परियोजना हेतु विशेष बाघ संरक्षण बल (एसटीपीएफ) में 85 पदों को पुलिस पैटर्न के स्थान पर फॉरेस्ट पैटर्न के अनुसार सृजित करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। साथ ही, 27 वन चौकीदार (फॉरेस्ट वॉचर) की सेवाएं संविदा पर लेने की स्वीकृति दी गई है।

प्रस्ताव के अनुसार, इन पदों में सहायक वन संरक्षक का-एक, क्षेत्रीय वन अधिकारी के- तीन तथा वन रक्षक के-81 पद होंगे, जो नियमानुसार भरे जाएंगे। साथ ही, 27 वन चौकीदार की सेवाएं आरटीपीपी नियमों के अनुसार संविदा पर ली जाएगी। इससे राज्य सरकार पर लगभग 3.6 करोड़ रुपये का वार्षिक वित्तीय भार आएगा।

गहलोत ने वर्तमान पुलिस पैटर्न आधारित 'विशेष बाघ संरक्षण बल' के कारण होने वाली परेशानी तथा फॉरेस्ट पैटर्न से होने वाले लाभों को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से रणथंभौर में बाघों का संरक्षण, उनकी ट्रैकिंग तथा शिकारियों से बचाव आदि के कार्य और अधिक प्रभावी ढंग से किए जा सकेंगे।

कार की टक्कर से लेपर्ड की मौत

बीती रात तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर, मौके पर ही तोड़ दिया दम

उदयपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। उदयपुर में सुखेर-नाथद्वारा हाइवे पर एकलिंगजी कट के पास गुरूवार रात को कार की टक्कर से लेपर्ड की मौत हो गई। घटना रात करीब 9:15 बजे की है। जब तेज रफ्तार कार के सामने अचानक से सड़क पर लेपर्ड आ गया। टक्कर इतनी तेज थी कि कार भी आगे की तरफ से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, वहीं पैंथर ने भी मौके पर दम तोड़ दिया। इतने में लोगों की भीड़ जमा हो गई। एक बार तो डर की वजह से किसी की भी लेपर्ड के शव के पास जाने की हिम्मत नहीं हुई, लेकिन लेपर्ड के शरीर में कोई मूवमेंट नहीं होने पर वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी गई।

फोरेस्ट गार्ड मौके पर पहुंचे और लेपर्ड के शव को गाड़ी में रखकर ले गए। लेपर्ड का पोस्टमार्टम किया जाएगा, जिसके बाद उसका अंतिम संस्कार होगा। बता दें, 4 दिन पहले भी उदयपुर के सराड़ा-सेमारी क्षेत्र के पहाड़ी पर एक पैंथर का शव मिला था। हालांकि उसकी मौत भूख या फिर किसी इन्फेक्शन की वजह से होना बताई गई थी।

कांग्रेस विधायक राजकुमार शर्मा की बढ़ीं मुश्किलें

पत्नी ने कोर्ट से मांगा भरण-पोषण भत्ता

झुंझुनू, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। सीएम के सलाहकार, नवलगढ़ से कांग्रेस विधायक और प्रदेश के पूर्व चिकित्सा राज्य मंत्री डॉक्टर राजकुमार शर्मा की मुश्किलें विधानसभा चुनाव से पहले बढ़ती नजर आ रही हैं। डॉ. राजकुमार शर्मा की पत्नी डॉ. रूपा माथुर ने जयपुर शहर के पारिवारिक न्यायालय-1 में प्रार्थना पत्र दायर कर एक लाख 50 हज़ार रुपये मासिक भरण-पोषण भत्ता मांगा है। केस की अगली सुनवाई 17 अप्रैल को होगी।

पत्नी का आरोप है कि इससे पहले डॉ. राजकुमार शर्मा का एक पत्नी से तलाक हो चुका है, जबकि एक अन्य का मामला अभी कोर्ट में पेंडिंग है। राजकुमार शर्मा की पत्नी डॉ. रूपा माथुर ने कहा है कि उनकी शादी 24 जुलाई 2009 को जयपुर के इमलीवाला फाटक के पास नटराज नगर में हुई थी। शादी के बाद उनके एक बेटा हुआ, जो प्रार्थिया के पास ही रहता है।

राजनीतिक करियर बनने के बाद शर्मा का व्यवहार बिगड़ा

पत्नी का आरोप है कि

राजनीतिक करियर बनने के बाद शर्मा का व्यवहार बिगड़ गया। वह उससे लड़ाई-झगड़ा करने लगे। निजी अस्पताल में सितंबर 2010 में बेटे के जन्म के दौरान किसी फार्म पर साइन तक नहीं किए। 2013 में विधायक का चुनाव जीतने के बाद प्रार्थिया ने जब साथ चलने के लिए कहा, तो राजनीतिक व्यस्तता बताकर टाल दिया। राजकुमार शर्मा पिछली कांग्रेस सरकार में चिकित्सा राज्यमंत्री के पद पर रहे और प्रार्थिया अपनी मां के घर पर ही रही। वह कभी-कभार मिलने वहां आते थे। माता-पिता से मिलवाने की बात कहतीं, तो टाल जाते। 2017 में दुबई जाने के दौरान और बाद में भी डॉ. शर्मा ने उनका फोन नहीं उठाया। उनसे मिलने बेटे के साथ गांधी नगर क्वार्टर पर गईं, तो मारपीट की। ऐसे में कोर्ट से गुहार लगाई गई है कि पति से अपने दैनिक कार्यों और बेटे के भरण-पोषण और पढ़ाई के लिए प्रतिमाह 1.50 लाख रुपये का भत्ता दिलवाया जाए।

दुबई में परमजीत कौर, राजस्थान में निशा नाम की महिला से भी शादी की-डॉ रूपा माथुर

पीड़ित प्रार्थिया ने प्रार्थना पत्र में कोर्ट से कहा है कि 2018 में पासपोर्ट ऑफिस की फाइल से पता चला कि डॉ. राजकुमार शर्मा ने परमजीत कौर से भी दुबई में शादी कर रखी है। उस महिला से भी इनकी दो संतानें हैं। जब इस बात का पता चला, तो पूछने पर राजुकमार शर्मा ने उनसे माफी मांगी और दूसरे विवाह को शून्य करने का आश्वासन दिया। 23 अप्रैल 2019 को आपसी सहमति से परमजीत कौर से विवाह विच्छेद की डिक्री पारित करवा ली। यह भी कहा गया कि शर्मा ने निशा नाम की एक महिला से भी विवाह कर उसके साथ दुर्व्यवहार किया था। 2020 में ही इस महिला से से उन्होंने तलाक के लिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र दायर किया है। जिसका केस भी परिवार न्यायालय संख्या-1 में पेंडिंग है।

कांग्रेस विधायक राजकुमार शर्मा का फोन स्विच ऑफ

अमर उजाला ने इस पूरे मामले पर सीएम सलाहकार और कांग्रेस विधायक राजकुमार शर्मा का पक्ष जानना चाहा, लेकिन उनका फोन स्विच ऑफ मिला। जिसके चलते उनसे बात नहीं हो सकी।

सरकारी वकील के अन्याय से परेशान महिला जज, कोर्ट में लगाई न्याय की गुहार

जयपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर शहर फैमिली कोर्ट संख्या-1 में एक अनोखा मामला देखने को मिला जहां दूसरों के फैसले करने वाली एक महिला जज ही अपनी शिकायत लेकर फैमिली कोर्ट पहुंची। यहां महिला जज ने एक सरकारी वकील के अन्याय के खिलाफ कोर्ट में शिकायत दी। असल में महिला जज और सरकारी वकील आपस में पति-पत्नी हैं।

जानकारी के अनुसार श्रीगंगानगर के श्रीकरणपुर में कार्यरत एडीजे इंदिरा बनेरा ने जयपुर शहर फैमिली कोर्ट संख्या-1 में जज पत्नी ने अपने बच्चों के भरण पोषण के लिए फैमिली कोर्ट में प्रार्थना पत्र लगा रखा था। इस मामले में दोनों पक्ष सुनने के बाद कोर्ट ने सरकारी वकील से बच्चों के अंतरिम भरण पोषण के लिए हर माह 24 हजार रुपये देने का निर्देश दिया है। मामले के अनुसार प्रार्थना पत्र में इंदिरा बनेरा ने कहा था कि 24 नवंबर 2007 को

उनकी शादी जयपुर के भारत अजमेरा से हुई थी। साल 2010 में दोनों को एक बेटी और 2015 में एक बेटा हुआ। दोनों बच्चे इंदिरा के साथ ही रहे पति भारत ने उन्हें कभी भी अपने साथ नहीं रखा। आरोप था कि पति और उसके परिवार वालों का बच्चों और उसके प्रति व्यवहार कभी भी अच्छा नहीं रहा। पति बच्चों की परवरिश में भी कोई जिम्मेदारी नहीं निभाई। इस वजह से उसे भरण पोषण दिलाया जाए। साथ ही ये भी आरोप लगाया कि शादी के समय पति रोजगार की तलाश में प्रयासरत था। उस समय मैंने आर्थिक सहयोग किया, जिसके चलते पति अजमेर में सहायक अभियोजन अधिकारी पद पर सेवारत हो गया। इसके बाद भी कभी अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई।

प्रार्थना पत्र खारिज करने की मांग

वहीं, दूसरे पक्ष में वकील पति के अधिवक्ता डीएस शेखावत ने कोर्ट में कहा कि शिकायतकर्ता का वेतन ही दो लाख रुपये से ज्यादा है, जबकि उसके पति का वेतन मात्र 75 हजार रुपये है। वहीं, शिकायतकर्ता पत्नी ने खुद ही तलाक का प्रार्थना पत्र दायर कर रखा है। साथ ही वह खुद बच्चों का भरण-पोषण करने में सक्षम है। इस लिहाज से प्रार्थना पत्र खारिज किया जाए।

कोर्ट ने सुनाया फैसला

दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट पीठासीन अधिकारी अरुण कुमार दुबे ने पति को दोनों बच्चों के लिए 12-12 हजार रुपये महीने भरण पोषण भत्ता देने के आदेश दिए हैं। साथ ही भरण-पोषण राशि 20 दिसंबर 2021 से देने के लिए कहा है।

व्यापारी पर रिवॉल्वर तानकर मांगे 50 लाख

नंबर ब्लॉक करने पर दुकान पर पहुंचे बदमाश, परिवार सहित जान से मारने की दी धमकी

हनुमानगढ़, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बदमाशों ने व्यापारी को व्हाट्सऐप से कॉल कर 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी। व्यापारी ने नंबर ब्लॉक कर दिया तो बदमाश दुकान पर पहुंच गए और व्यापारी पर पिस्तौल तानकर 50 लाख रुपए की मांग करने लगे। रुपए नहीं देने पर परिवार सहित जान से मारने की धमकी दी। यह पूरा घटनाक्रम व्यापारी की दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। मामला हनुमानगढ़ जिले के संगरिया का है। व्यापारी ने पुलिस से बदमाशों को पकड़ने और सुरक्षा मुहैया करवाने की गुहार लगाई है।

जांच अधिकारी एसआई लीलाधर ने बताया कि संगरिया निवासी व्यापारी कामेश बंसल (38) पुत्र कलवन्त राय बंसल ने गुरुवार शाम को मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया कि उसकी कृषि उपज मंडी समिति के सामने चिंतपूर्णी इंटरप्राइजेज के नाम से आढ़त की दुकान है। 28 मार्च सुबह 10:04 और 10:05 पर व्हाट्सऐप नंबर से दो लगातार कॉल आए। कॉल करने वालों ने 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी। व्यापारी ने बताया कि उसने कॉल को फ्रॉड समझकर नम्बर ब्लेक लिस्ट में डाल दिया। इससे बाद दो बदमाश काले रंग की बिना नम्बरी बाइक पर 5 अप्रैल को दोपहर करीब 3:37 बजे नकाब पहनकर उसकी दुकान में दाखिल हुए। एक बदमाश ने अपना रिवॉल्वर निकाल उसे लोड किया व्यापारी कामेश बंसल को धमकी दी कि उसने मोबाइल व्हाट्सऐप नंबर को ब्लेक लिस्ट क्यों किया। दोनों बदमाशों ने व्यापारी को धमकाते हुए 50 लाख की फिरौती की मांग की। मांग पूरी नहीं करने पर व्यापारी और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। बदमाशों के धमकाने की पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

संगरिया पुलिस फिलहाल धमकी मिलने की घटना के बाद से लगातार व्यापारी के प्रतिष्ठान से लेकर बदमाशों के आने-जाने के सभी रास्तों पर लगे सीसीटीवी खंगालने में जुटी हुई है।

राजस्थान साहित्य अकादमी देगी पिछले तीन साल के बकाया पुरस्कार, 30 अप्रैल तक करना होगा आवेदन

उदयपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान साहित्य अकादमी प्रदेश के साहित्यकारों को 24 अलग-अलग पुरस्कार देने जा रही है। पिछले तीन साल के पेंडिंग पुरस्कार एक साथ समारोह आयोजित कर दिए जाएंगे। अकादमी ने प्रदेश के साहित्यकारों से 30 अप्रैल 2023 तक आवेदन मांगे हैं। साहित्यकार तय फॉर्म में अपनी आवेदन पत्र की एंट्री भिजवा सकते हैं।

राजस्थान साहित्य अकादमी उदयपुर के सचिव डॉ. बसंत सिंह सोलंकी ने बताया कि राजस्थान सरकार के कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग से बजट और स्वीकृति मिलने के बाद अब प्रदेश के साहित्यकारों को पिछले तीन वर्ष के इन पुरस्कारों का लाभ मिल सकेगा। सोलंकी ने बताया कि वर्ष 2019-20, वर्ष 2020-21, वर्ष 2021-22 के बकाया पुरस्कारों के लिए साहित्यकार अकादमी की ऑफिशियल वेबसाइट: www.rsaudr.org पर जाकर आवेदन फॉर्म और नियमावली प्राप्त कर सकते हैं। अकादमी अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और विभाग के कैबिनेट मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला की साहित्यकारों का वाजिब हक, सहयोग, प्रोत्साहन और बकाया पुरस्कार दिए जाने की यह पहल प्रशंसनीय है। राजस्थान के अकादमिक इतिहास में यह पहला मौका है, जब कोई भी अकादमी बकाया पुरस्कारों को नए सिरे से एंट्री मांगकर पुरस्कार देने की पहल कर रही है।

पीटीआई भर्ती परीक्षा का परिणाम जल्द जारी करवाए सरकार : उपेन यादव

जयपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। युवा बेरोजगारों ने शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला का 21 किलो की माला पहनाकर आभार जताया। साथ ही युवा बेरोजगारों की कई अन्य मांगों को भी जल्द से जल्द पूरी करने की भी मांग भी रखी। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के बैनर तले महासंघ प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव के नेतृत्व में कंप्यूटर अनुदेशक भर्ती के चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति आदेश जारी करने पर बेरोजगार युवा शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला के निवास पर चयनित अभ्यर्थी मिलने पहुंचे थे।

ट्रेन में महिला ने टॉयलेट में छिपकर बचाई जान, रेलमंत्री के ट्वीट के बाद धरा गया छेड़छाड़ का आरोपी

जोधपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। रानीखेत एक्सप्रेस ट्रेन के एसी कोच में इटली की एक महिला से बदसलूकी और छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। महिला का आरोप है कि ट्रेन अटेंडेंट ने उसके साथ छेड़छाड़ की। मामले की शिकायत रेलमंत्री तक ट्वीट के जरिए पहुंची, जिसके बाद आरपीएफ और जीआरपी ने कोच अटेंडेंट को हिरासत में लिया। फलोदी में ट्रेन रोककर अटेंडेंट को शांति भंग करने के आरोप में गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया।

जानकारी के अनुसार इटली की एक महिला रानीखेत एक्सप्रेस ट्रेन के एसी कोच में जोधपुर से जैसलमेर जा रही थी। इसी दौरान कोच अटेंडेंट ने उसके साथ अभद्रता करते हुए

छेड़छाड़ शुरू कर दी। घटना से घबराकर महिला ने अपने बचाव में खुद को टॉयलेट में बंद कर लिया। महिला का आरोप है कि आरोपी टॉलेट का गेट खोलने का प्रयास करता रहा। इसके बाद उसने साथ वाले कोच में सवार अपने जानकार को घटना की जानकारी दी। महिला के साथियों ने घटना की जानकारी तुरंत ही रेलमंत्री को ट्वीट की। इसके बाद ही तुरंत रेलवे स्टाफ में हड़कंप मच गया। जीआरपी और आरपीएफ दोनों अलर्ट हुए और आरोपी को धर दबोचा। फलोदी में ट्रेन रोककर अटेंडेंट को शांति भंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। यहां से आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। जीआरपी थानाधिकारी महेश श्रीमाली ने बताया कि इटली की महिला ट्रेन में जैसलमेर जा रही थी। एसी कोच में उसे अटेंडेंट के अभद्रता की। महिला की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। आरोपी नैनीताल निवासी श्रीबंगाली गुप्ता कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे पाबंद कर जमानत पर छोड़ दिया गया है।

समलैंगिक जोड़ों को बच्चा गोद लेने की अनुमति मिले

सुप्रीम कोर्ट में सेम सेक्स मैरिज वाली याचिकाओं के साथ सुनवाई करने की अपील

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर समलैंगिक जोड़ों को बच्चा गोद लेने की अनुमति देने की मांग की गई है। यह अर्जी दिल्ली सरकार के बाल अधिकार संरक्षण आयोग (डीसीपीसीआर) ने दाखिल की है।

डीसीपीसीआर ने कहा कि इसकी सुनवाई भी समलैंगिक विवाह को मान्यता देने की मांग वाली याचिकाओं के साथ हो, जिस पर पांच जजों की संविधान पीठ 18 अप्रैल को सुनवाई करेगी।

डीसीपीसीआर ने याचिका में कहा कि दुनिया के 50 से ज्यादा देशों में समलैंगिक जोड़ों को बच्चा गोद लेने की अनुमति दी गई है। अलग सेक्स वाले जोड़ों की तरह ही समलैंगिक जोड़े भी अच्छे या बुरे पेरेंट्स बन सकते हैं। ऐसा कोई सबूत नहीं है कि समलैंगिक जोड़ों के साथ रहने से बच्चों के साइकोलॉजिकल डेवलपमेंट पर असर पड़ता है।

याचिका के मुताबिक, सेम सेक्स मैरिज को मान्यता देने पर मौजूदा कानूनों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। अभी देश में बच्चा गोद लेने का कानून मान्यताओं और धारणाओं पर आधारित है। समलैंगिक जोड़ों में लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं होता है। इसीलिए अगर कपल किसी वजह से अलग होता है तो उनमें गुजारा भत्ता तय करने, बच्चे के कस्टडी लेने में पति-पत्नी वाला विवाद नहीं रहेगा।

सेम सेक्स मैरिज को कानूनी मान्यता देने की मांग वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ को 18 अप्रैल को सुनवाई करेगी। 12 मार्च को हुई सुनवाई में केंद्र सरकार ने इन शादियों को कानूनी मान्यता देने का विरोध किया था। न्यूज एजेंसी के मुताबिक केंद्र ने इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में 56 पेज का हलफनामा दायर किया था। केंद्र सरकार ने बताता है कि सरकार इसके पक्ष में नहीं है।

केंद्र सरकार का कहना है कि सेम सेक्स मैरिज भारतीय परंपरा के मुताबिक नहीं है। यह पति-पत्नी और उनसे पैदा हुए बच्चों के कॉन्सेप्ट से मेल नहीं खाती। हलफनामे में समाज की वर्तमान स्थिति का भी जिक्र है। केंद्र ने कहा, अभी के समय में समाज में कई तरह की शादियों या संबंधों को अपनाया जा रहा है। हमें इस पर आपत्ति नहीं है।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने इस मसले को लेकर दिल्ली समेत अलग-अलग हाईकोर्ट में दाखिल सभी याचिकाओं की सुनवाई एक साथ करने का फैसला किया था। कोर्ट ने 6 जनवरी को इस मुद्दे से जुड़ी सभी याचिकाएं अपने पास ट्रांसफर कर ली थीं। चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़, जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस जे.बी. पारदीवाला की बेंच सोमवार को इस मामले की सुनवाई करेगी।

प्रमोद मोदी तेलंगाना एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के अध्यक्ष नियुक्त

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने हिन्दू सेवा संघ के अध्यक्ष प्रमोद मोदी को तेलंगाना राज्य का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया और वहीं डेंटल सर्जन डॉ किरण को फ्रंट का तेलंगाना राज्य का महासचिव नियुक्त किया। वहीं शांडिल्य ने तेलंगाना में सनातन धर्म को मजबूत करने वाले एव हिंदुस्तान को आतंकवाद मुक्त सोच रखने वाले तेलंगाना के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद मोदी को महाराष्ट्र का प्रभारी भी नियुक्त किया है और उन्हें तेलंगाना की ग्राम स्तर से शहरी व जिला व राज्य स्तर पर पदाधिकारी बनाने का अधिकार भी दिया है।

वीरेश शांडिल्य ने आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि पिछले डेढ़ महीने से एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया की राष्ट्रीय व प्रदेश इकाईयों को भंग किया हुआ था आज फ्रंट की पहली नियुक्ति तेलंगाना राज्य की हुई और प्रमोद मोदी प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किये गए। शांडिल्य ने

बताया कि वह अब आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडू,ओडिशा में एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया की प्रदेश इकाइयों को गठित करेंगे। उन्होंने कहा कि अगस्त 2023 तक उत्तर भारत व साउथ में फ्रंट को मजबूत किया जाएगा और 25 जून 2023 तक हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ हिमाचल, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, राजस्थान,के इकाइयों का गठन कर दिया जाएगा। एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने कहा कि 10 अगस्त तक एक लाख फ्रंट के एक्टिव सदस्यों को जोड़ा जाएगा और एक फ्रंट की ऐसी फोर्स तैयार की जाएगी जो आतंकवाद, खालिस्तानी ताकतों, सहित देश विरोधी लोगो के खिलाफ अभियान शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 2023 के बाद देश की राजधानी दिल्ली में एक राष्ट्रीय स्तर का म्यूजियम बनाने की मांग करेंगे जिन शहीदों की बदौलत आज देश के 132 करोड़ लोग आजादी की हवा में सांस ले रहे हैं। और उनका संगठन सिर्फ उन लोगो को जोड़ेंगे जो अपनी भारत माता व मातृभूमि के लिए सीने पर गोली खाने को तैयार रहें।

साथ ही वीरेश शांडिल्य ने कहा कि उनका अब रास्ट्रीय स्तर पर अभियान शुरू करेंगे कि शहीद-ए-आजम भगत सिंह,राजगुरु व सुखदेव को शहीद का दर्जा दिया जाए इसके लिए देश की संसद के बाहर एक मार्च निकालेंगे क्योंकि आज भी इस देश मे सिमरनजीत सिंह जैसे सांसद सदस्य होते हुए भी भगत सिंह को आतकवादी बताते हैं। शांडिल्य ने कहा कि एन्टी टेरोरिस्ट 15 अगस्त 2023 को खलिस्तान विरोधी रथ यात्रा निकालेंगे क्योंकि खालिस्तानी मुहिम सीधा देश के संविधान, तिरंगे व कानून पर हमला बोल रहे ऐसी मांग करने वाले पाकिस्तानी आतंकवादी है और उनका जिंदा रहना राष्ट्र के लिए बड़ा खतरा है। एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया प्रमुख शांडिल्य ने कहा अमृतपाल सिंह का जिंदा रहना देश के लिए करोना से ज्यादा खतरनाक है इसलिए सरकार उसे देखते ही गोली मारने के आदेश दें।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा ने हनुमान भक्तों का स्वागत किया

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा युवा मोर्चा द्वारा हनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर हनुमान मंदिर मलकपेट के पास स्वागत मंच स्थापित कर सभी का स्वागत किया। इसमें शाखा अध्यक्ष लाजपतराय गुप्ता, केंद्रीय समिति सदस्य महावीर प्रसाद अग्रवाल, मानद मंत्री पंकज संघी, युवा मोर्चा अध्यक्ष नितेश अग्रवाल ने इस बंदोबस्त में उपस्थित चादरघाट और मलकपेट के पुलिस अधिकारियों का शॉल एवं माला से स्वागत किया। इस शोभायात्रा में उपस्थित जन सैलाब का पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया, भक्तों के लिए जल, गन्ने का रस, छाछ, चिप्स आधी का प्रबंध किया गया. शोभायात्रा में उपस्थित आयोजकों के द्वारा किए गए सम्मान के प्रति आभार व्यक्त प्रकट किया गया. अवसर पर उपाध्यक्ष सतनारायण मोदी, सह मंत्री सुरेश गोयल, केंद्रीय समिति सदस्य राजकुमार गुप्ता, परामर्शदाता राजेश कुमार अग्रवाल, गोविंद नारायण मोदी, अशोक अग्रवाल चिड़ियावाले, सतीश बंसल, गोपाल मोदी, हरिश्चंद्र बजाज, रविंद्र अग्रवाल, युवा मोर्चा संयोजक नितेश अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक नितिन अग्रवाल, पीयूष अग्रवाल, जितेंद्र गोयल, मोहित अग्रवाल, उज्ज्वल अग्रवाल, किशन जैन, आशीष बंसल, अभिषेक अग्रवाल, श्याम अग्रवाल,अमित मोदी, ध्रुव अग्रवाल, अभिलाश अग्रवाल आदि उपस्थित रह कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

'हम तो तेरे आशिक हैं' नाटक का शानदार मंचन

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बृहन्महाराष्ट्र मंडल, तेलंगाना विभाग का वर्धापन दिन बडी शान से संपन्न हुआ भारतीय विद्या भवन में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि थे जीएसटी कमिशनर सुरेंद्र कुमार मानकोसकर। अपने वक्तव्य में उन्होंने रिश्तों को निभाने का महत्व मजेदार ढंग से बताकर श्रोताओं को लोटपोट कर दिया। इनके अलावा मंडल के कोषाध्यक्ष जीके दातार, विभागीय कार्यवाह विजय मस्की एवं प्रभाकर कोरडे मंचासिन थे। इस अवसर पर सौ. सरोज घारीपुरीकर, कलाभिषेक परिवार प्रमुख, और मंडल के अन्य सहयोगकर्ताओं का सम्मान किया गया। मराठी नाटक "हम तो तेरे आशिक हैं" समारोह का मुख्य आकर्षण रहा। रामदास कामत, सौरभ जोशी और स्नेहल इंगोले - पडोले इन कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया। सौरभ जोशी ने अनिल प्रधान की भूमिका में और स्नेहल ने रुक्साना की भूमिका में जान डाल दी। रामदास कामत ने सूत्रधार की भूमिका बखुबी निभाई। सजय मोने लिखित इस कॉमेडी नाटक का निर्देशन एवं संगीत संयोजन सौरभ घारिपुरिकर ने किया था। नितिन बसरुर (प्रकाश योजना) गोविंद जहागीरदार (नेपथ्य) विनायक रायखेलकर, संकेत नेमिवंत (रंगमंच व्यवस्था) इनका नाटक की सफलता में बडा योगदान रहा। सभी कलाकार और साथियों का मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन योगिनी फळणीकर ने किया।

लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद रॉयल ने क्लॉक टॉवर, सिकंदराबाद में 200 जरूरतमंद लोगों के लिए भूख राहत (ब्रेक फास्ट) कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के आयोजन में अध्यक्ष लायन वैला श्रीनिवास राव, सचिव लायन अकुला रविंदर राव, कोषाध्यक्ष टी. नवीन आनंद और लायन जे. प्रसन्ना और लायन आर. रवींद्रन का विशेष सहयोग रहा।

मोती नगर में श्री हनुमानजी का जन्मोत्सव मना

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सर्वदलीय गौ रक्षा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर जयपाल सिंह नयाल के मोती नगर, हैदराबाद निवास पर हनुमान जयंती के पावन पर्व पर श्री हनुमान जी का जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। प्रातः काल ही अखंड ज्योति जलाकर पूरे परिसर को फूल पतांकों से सजाया गया। हनुमान जी को पूरे राम दरबार के साथ कलस स्थापित कर नवग्रहों को आव्हान कर, अन्य समस्त सनातनी देवी-देवताओं के साथ आमंत्रित किया गया।

ठीक 3 बजे अपराह्न से सुंदर काण्ड का पाठ, सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। ओल्ड बोइनपल्ल से पधारी श्रीमती ऊषा अग्रवाल की भजन मंडली ने सुंदर भजन प्रस्तुत किए। विशेष रूप से पधारे गौ भक्त बाल भजन सम्राट अर्जुन सीरवी ने शास्त्रीय संगीत के साथ श्री राम जी हनुमान जी के सुंदर भजन प्रस्तुत किए।

मुख्य अतिथि के रूप में पधारे उद्योगपति और समाजसेवी, वरिष्ठ गौ प्रेमी गोपाल बल्दवा ने भगवान श्री हनुमान जी की आरती के बाद नयाल परिवार को अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

वृंदावन के पंडित आचार्य पूज्य प्रमोद कृष्ण शास्त्री जी (भागवताचार्य) ने अनेक सुंदर श्याम सुंदर व राधारानी के भजन सुनाएं तथा विधि-विधान से सभी पूजा अनुष्ठान संपन्न करवाया। इस अवसर पर सुंदर अग्रवाल, राजू नेगी, महेश भाई, भागवत बोरा, योगेश अग्रवाल, रीना अग्रवाल, बाल हनुमान अर्थव अग्रवाल, हिमांशु अग्रवाल, नैना अग्रवाल, जानकी देवी रौतेला, मैगी रौतेला, क्रिश बोरा, आदि अनेकों भक्तों ने भजन कीर्तन में आनंद लिया।

श्री बालवीर हनुमान मन्दिर पर हनुमान जन्मोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। श्री बालवीर हनुमान मन्दिर नामपल्ली रेल्वे स्टेशन प्लेट फार्म नं.1 पर श्री हनुमान जन्मोत्सव बडे ही धूमधाम से मनाया गया। प्रातः 7 बजे श्रीश्री प्रभुदासजी महाराज के सान्निध्य में श्री रामदरबार व हनुमानजी का अभिषेक व चोला तथा अलंकृत श्रृंगार किया गया। दोपहर में सुन्दरकाण्ड व भजनों का कार्यक्रम चलता रहा। सायं 6 बजे आरती के पश्चात भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर छप्पन भोग छत्तीस व्यजन के प्रसाद था। इस अवसर पर भेरूलाल उपाध्याय, श्यामसुन्दर व्यास, हरिप्रसाद उपाध्याय, रामेश्वरलाल उपाध्याय जैसारण, रामदेव नागला, नरेश पाण्डीया, घनश्याम दमावत उपाध्याय, सुरेश कुमार व्यास, जानम पवन उपाध्याय, प्रभुदयाल पाण्डीय, रामेश्वरलाल जोशी (एलआईसी), जयप्रकाश व्यास, सत्यनारायण उपाध्याय, मोहनलाल व्यास, किशोरीलाल उपाध्याय, रमेशभाई जोशी, ज्ञानचन्द द्वारका प्रसाद तिवाडी व काफी संख्या में भक्त व सन्त महत्मा उपस्थित थे।

दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर, मदनूर के सचिव श्रीधर ने स्थानीय सरपंच शेख गफ़ार को शाल से सम्मान किया।

सफाई कर्मचारी आयोग के राष्ट्रीय आयुक्त एम. वेंकटेशन के नगरागमन पर उनका सम्मान करते हुए जीएम देबाशीष मित्रा, जीएम श्रीमती मंजू शर्मा और डीजीएम और सीडीओ जितेंद्र शर्मा व अन्य।

श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर, चारमीनार की ट्रस्टी शशिकला और मथुरा दास ने त्रावणकोर की राजकुमारी अश्वति तिरुनल गौरी लक्ष्मीबाई से वडियार पैलेस, तिरुवनंतपुरम में मुलाकात की और माँ भाग्यलक्ष्मी की फोटो भेंट की।

एक विशेष कार्यक्रम के दौरान विस उपाध्यक्ष टी. पद्मारावं गौड़ से मुलाकात कर सिकंदराबाद क्षेत्र के विकास के बारे में विचार-विमर्श करते हुए छावनी परिषद के सर्वभारती उपाध्यक्ष जेपी, श्रीनिवास, शकीब व अन्य।

बंगाल शिक्षक घोटाला सीबीआई ने गूगल से दो फर्जी वेबसाइट की जानकारी मांगी

कोलकाता, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच कर रहे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गूगल से अपराध के लिए इस्तेमाल की गई दो फर्जी वेबसाइटों की जानकारी मांगी है। मामले की जांच के दौरान, अधिकारियों को पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) की नकल करती दो फर्जी वेबसाइटों का पता चला।

सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई ने गूगल के अधिकारियों को लिखकर दोनों फर्जी वेबसाइटों के विवरण मांगे हैं। दोनों वेबसाइट वर्तमान में निष्क्रिय हैं। जांच एजेंसी ने गूगल के अधिकारियों से उन ईमेल अकाउंट की जानकारी मांगी है, जो इन वेबसाइटों को बनाने में इस्तेमाल किए गए थे। उन्होंने उन डिवाइसों के आईपी एड्रेस भी मांगे हैं, जिनका इस्तेमाल इन वेबसाइटों को खोलने और बाद में निष्क्रिय करने में किया गया था। गूगल अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट मिलने के बाद अधिकारी आगे जांच कर सकेंगे।

सूत्रों ने बताया कि डब्ल्यूबीएसएससी की असली वेबसाइट के एड्रेस के अंत में डॉटइन है जबकि फर्जी वेबसाइटों के एड्रेस के अंत में डॉटकॉम लगा हुआ था। जांच एजेंसी ने विशेष सीबीआई अदालत में युवा तृणमूल कांग्रेस के निष्कासित नेता कुंतल घोष की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान गुरुवार को इन दोनों वेबसाइटों का उल्लेख किया था।

बिहार समाज सेवा संघ पैराडाइज शाखा द्वारा हनुमान जयंती पर महाकाली एरिया में फल वितरण किया गया, जिसमें बिहार समाज सेवा संघ के तेलंगाना अध्यक्ष दीपक सिंह, महासचिव मनीष गुप्ता एवं महेश व्यास, संतोष यादव, सुनिल कामत, मुकेश कामत, सुमन, विक्की, शंभु, विकास सिंह तथा अन्य लोग उपस्थित हुए।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ज्ञानबाग कालोनी शाखा द्वारा विदाई समारोह

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना ज्ञानबाग कालोनी शाखा ने अपने कार्यकाल के दो वर्ष की समाप्ति पर विदाई कार्यक्रम का आयोजन बशीरबाग में किया। सर्वप्रथम अग्रसेन जी महाराज की पूजा अर्चना की। उपस्थित सभी सदस्यों एवं अतिथियों ने गेम्स और स्वादिष्ट भोजन का भरपूर आनंद लिया। सभी चांदी तम्बोला खेलकर बहुत आनंदित हुए। इस कार्यक्रम में सदस्यों ने निशुल्क भाग लिया। शाखा के पदाधिकारियो ने सदस्यों एवं अतिथियों का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार प्रकट किया।

हनुमान टेकड़ी में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में लक्ष्मणसिंह निमाज, सोहनसिंह बिरावास, हीरसिंह, किशोरसिंह, बाबुसिंह, राणसिंह, मदनसिंह, मोड़सिंह, परबतसिंह, प्रह्लाद, सुरेन्द्रसिंह राजपुरोहित, गोविन्द का सम्मानकर उपस्थित आयोजक बाबुसिंह, रमेश आर.पी. व अन्य।

रियल मैड्रिड ने बार्सिलोना को 4-0 से हरा फाइनल में जगह बनाई, करीम बेंजेमा की हैट्रिक

बार्सिलोना, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बार्सिलोना का रियल मैड्रिड पर पिछले तीन मैचों से चला रहा वर्चस्व बुरी तरह टूट गया। करीम बेंजेमा की हैट्रिक की बदौलत रियल ने क्लासिको (रियल-बार्सिलोना के बीच होने वाला मुकाबला) मैच में बार्सिलोना को 4-0 से रौंदकर कोपा डेल रे कप के फाइनल में नौ साल बाद प्रवेश कर लिया। रियल ने यह बार्सिलोना के घर कैंप नोउ में 60 साल बाद उस पर चार गोल से जीत दर्ज की है। इससे पहले 1963 में उसने कैंप नोउ में बार्सिलोना को 5-1 से हराया था। फाइनल में उसकी भिड़ंत छह मई को ओसासुना से सेविला में होगी।

4-1 के औसत से फाइनल में किया प्रवेश

बार्सिलोना ने इससे पहले रियल पर पहले सुपर कप के फाइनल में 3-1 से, स्पेनिश लीग में 2-1 से और कोपा डेल रे के सेमीफाइनल के पहले चरण में 1-0 से जीत दर्ज की थी। इस दूसरे चरण के सेमीफाइनल में बार्सिलोना को फाइनल में प्रवेश के लिए सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी, लेकिन बेंजेमा ने ऐसा नहीं होने दिया। 4-1 के औसत के साथ उसने फाइनल में जगह बनाई। 19 बार का विजेता रियल इससे पहले 2014 में इस कप के फाइनल में पहुंचा था। बार्सिलोना ने रिकॉर्ड 31 बार कोपा डेल रे को जीता है।

बेंजेमा ने तीनों गोल दूसरे हाफ में किए

ब्राजील के स्टार स्ट्राइकर विनिसियस जूनियर ने पहले हाफ के स्टापेज समय में रियल को बढ़त दिलाई। उन्होंने बॉक्स के बीच से गोल किया। दूसरे हाफ के 50वें मिनट में मोद्रिच के पास पर बेंजेमा ने बढ़त 2-0 कर दी। 58वें मिनट में केसी के विनिसियस को गिराने पर पेनाल्टी मिली, जिसे बेंजेमा ने गोल में बदल दिया। बेंजेमा ने चौथा गोल 81वें मिनट में किया। बेंजेमा ने पिछले ही मैच में रियल की ला लिगा में वाल्लादोलिद पर 6-0 से जीत में हैट्रिक की थी। कोच कार्लो एंसोलोटी ने कहा भी कि यह स्पष्ट है कि अगर करीम खेल में सुधार करेंगे तो टीम भी अच्छा खेलेगी। अगर वह सर्वश्रेष्ठ खेल रहे हैं तो सब कुछ अच्छा होगा।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने ब्रेंटफोर्ड को 1-0 से हराया

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने लगातार हार के क्रम को तोड़ते हुए इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) ब्रेंटफोर्ड को 1-0 से हरा दिया। मार्कोस रशफोर्ड की ओर से किए गए गोल की बदौलत मैनचेस्टर ने चैंपियंस लीग के लिए अपने को क्वालिफाई करने की दौड़ में बनाकर रखा है।

वहीं पिछले मैच में मैनचेस्टर को हराने वाले न्यूकैसल ने भी वेस्टहैम को 5-1 से परास्त किया। दोनों के ही समान 53 अंक हैं। न्यूकैसल बेहतर गोल औसत के आधार पर तीसरे और मैनचेस्टर यूनाइटेड चौथे स्थान पर है। ईपीएल की शीर्ष चार टीमें चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफाई करेंगी।

विश्व कप विजेता लियोनल मेसी दुनिया के पांचवें प्रभावशाली शख्स

शाहरुख खान से नहीं निकल पाए आगे

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। अर्जेंटीना को विश्व चैंपियन बनाने वाले दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी टाइम पत्रिका के 100 प्रभावशाली शख्स (टाइम 100) की सूची में शीर्ष स्थान हासिल नहीं कर सके। वह पांचवें स्थान पर रहे हैं। इस मामले में उनसे आगे भारत के दिग्गज अभिनेता शाहरुख खान निकल गए। शाहरुख खान ने बड़ी उपलब्धि हासिल की और वह शीर्ष स्थान पर रहे।

मेसी ने पिछले साल दिसंबर में फुटबॉल विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल सात गोल किए थे। वह सर्वाधिक गोल करने के मामले में फ्रांस के युवा स्टार किलियन एम्बाप्पे के बाद दूसरे स्थान पर थे। इसके अलावा मेसी ने तीन गोल असिस्ट भी किए थे। इस तरह कुल 10 गोल में उनका योगदान था। उन्हें टूर्नामेंट का बेस्ट फुटबॉलर चुना गया था। इसके उन्हें गोल्डन बॉल मिला था।

मेसी ने 2014 की निराशा को किया था दूर

मेसी को दूसरी बार विश्व कप में गोल्डन बॉल मिला था। इससे पहले 2014 में यह अवॉर्ड मिला था, लेकिन उनकी टीम फाइनल में जर्मनी से हार गई थी। मेसी ने उस निराशा को कतर में दूर किया और फाइनल में फ्रांस को हराकर टूर्नामेंट जीत लिया। अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच निर्धारित 90 मिनट तक यह मुकाबला 2-2 की बराबरी पर रहा था। इसके बाद एक्स्ट्रा टाइम में दोनों टीमों ने एक-एक गोल और किए। एक्स्ट्रा टाइम तक स्कोर 3-3 रहा। फिर विजेता का फैसला पेनाल्टी शूटआउट में हुआ। वहां अर्जेंटीना ने फ्रांस को 4-2 से हरा दिया।

शाहरुख खान को मिले लियोनल मेसी से ज्यादा वोट

टाइम पत्रिका द्वारा कराए गए पोल में 1.2 मिलियन (12 लाख) से अधिक लोगों ने वोट डाले। इस सर्वे में पाठकों ने उन व्यक्तियों के लिए मतदान किया, जिन्हें वे टाइम के सबसे प्रभावशाली लोगों की सालाना सूची में रखने के लायक समझते थे। टाइम पत्रिका के मुताबिक, शाहरुख खान को सर्वाधिक चार फीसदी वोट मिले हैं। वहीं, मेसी को 1.8 फीसदी लोगों ने वोट किया। इस सूची में दिग्गजन टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स का भी नाम है।

नहीं चल पा रही है दिल्ली की दबंगई

राजस्थान के खिलाफ अब हार की हैट्रिक का खतरा

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 का 11वां मैच राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। दिल्ली की टीम को इस सीजन में लगातार दो हार मिल चुकी है। वहीं राजस्थान की टीम भी पहले मैच में जीत के बाद पटरी पर से उतरी हुई नजर आई।

बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण पहले दो मैचों में हार का सामना करने वाले दिल्ली कैपिटल्स के सामने अब हार की हैट्रिक का खतरा मंडरा रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सीजन में अगर दिल्ली को जीत का खाता खोलना है तो उसे राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले मैच में बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी। पहले दो मैचों में मार्क वुड और अलजारी जोसेफ जैसे गेंदबाजों ने पृथ्वी शॉ और सरफराज खान जैसे दिल्ली के बल्लेबाजों को दहशत में डाल दिया था। इन प्रतिभाशाली बल्लेबाजों का आत्मविश्वास अभी डिगा हुआ है और ऐसे में उनके लिए ट्रेंट बोल्ट, केएम आसिफ और जेसन होल्डर जैसे गेंदबाजों का सामना करना आसान नहीं होगा। इसके अलावा राजस्थान के पास रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल जैसे स्पिनर हैं जो बारसपारा स्टेडियम की बल्लेबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों में भी विरोधी टीम को परेशानी में डाल सकते हैं। आक्रामक ओपनर बल्लेबाज जोस बटलर का इस मैच में खेलना संदिग्ध है जो दिल्ली के लिए अच्छी खबर हो सकती है। बटलर पिछले मैच में कैच लेते समय चोटिल हो गए थे और उनके बाएं हाथ की छोटी उंगली में टांके लगे हैं। यदि बटलर नहीं खेल पाते हैं तो जो रूट हो उनके स्थान पर प्लेइंग इलेवन में जगह मिल सकती है।

ऋषभ पंत की अनुपस्थिति के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी कागजों पर मजबूत नजर आती है लेकिन पृथ्वी शॉ और सरफराज जैसे बल्लेबाजों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाजों का सामना करने में परेशानी हो रही है। बल्लेबाजों के नहीं चल पाने के कारण दिल्ली को पहले दोनों मैच गंवाने पड़े। टीम का सबसे कमजोर पक्ष उसके पास अनुभवी भारतीय बल्लेबाजों का अभाव है। यदि कोचिंग स्टाफ सरफराज की जगह किसी नए बल्लेबाज को रखना भी चाहेगा तो दिल्ली के पास यश धुल, रिपल पटेल और ललित यादव के रूप में ही विकल्प मौजूद है।

इनमें से कोई भी खिलाड़ी ऐसा नहीं है जिसने 150 की स्ट्राइक रेट से लगातार रन बनाए हो। जहां तक राजस्थान रॉयल्स की बात है तो ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और कप्तान संजू सैमसन अच्छे फॉर्म में चल रहे हैं और वह एनरिक नोर्किया, खलील अहमद और कुलदीप यादव जैसे गेंदबाजों के सामने कड़ी चुनौती पेश कर सकते हैं। राजस्थान रॉयल्स ने अपना पिछला मैच गंवाया था लेकिन इसके बावजूद वहां इस मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा।

आईपीएल में बन गई चोटिल खिलाड़ियों की प्लेइंग-11

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग-2023 को शुरू हुए अभी सिर्फ एक हफ्ता ही हुआ है, लेकिन खिलाड़ियों का चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर होने का सिलसिला स्टार्ट हो चुका है. कुछ खिलाड़ी मुकाबले के दौरान ही इंजरी का शिकार हो गए. वहीं कुछ प्लेयर्स आईपीएल शुरू होने के पहले ही चोट से ग्रसित हो गए थे और उन्हें पूरे सीजन से बाहर होना पड़ गया. देखा जाए तो चोट के चलते बाहर होने वाले खिलाड़ियों की संख्या इतनी हो चुकी है कि आसानी से एक प्लेइंग-11 बन जाएगी. प्लेइंग-11 की खास बात यह है कि इसमें दुनिया के एक से बढ़कर एक स्टार प्लेयर मौजूद हैं और यह बड़ी-बड़ी टीमों को भी टक्कर दे सकती है.

बांग्लादेश ने बढ़ाया आयरलैंड का टेस्ट क्रिकेट में पहली जीत का इंतजार

ढाका में चौथे दिन ही जीता मैच; मुशफिकुर रहीम रहे हीरो

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने 7 अप्रैल 2023 को आयरलैंड का टेस्ट क्रिकेट में पहली जीत का इंतजार और बढ़ा दिया। बांग्लादेश ने अनुभवी मुशफिकुर रहीम की शानदार बल्लेबाजी की मदद से ढाका में आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट क्रिकेट मैच में चौथे दिन लंच के कुछ देर बाद ही सात विकेट से जीत हासिल की। मुशफिकुर रहीम प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए।

आयरलैंड ने पहली पारी में 214 रन बनाए थे। इसके जवाब में बांग्लादेश ने 369 रन बनाकर 155 रन की बढ़त हासिल की। आयरलैंड ने अपनी दूसरी पारी में 292 रन बनाए। इस तरह से बांग्लादेश को जीत के लिए 138 रन का लक्ष्य रखा, जिसे उसने दूसरी पारी में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। आयरलैंड ने अब तक 4 टेस्ट मैच खेले हैं। इसमें सभी में उसे हार का सामना करना पड़ा है। आयरलैंड ने पहला टेस्ट मैच मई 2018 को डबलिन में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। उस मैच में उसे 5 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी।

सुयश का आत्मविश्वास सराहनीय है : पार्थिव पटेल

कोलकाता, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर पार्थिव पटेल 19 वर्षीय स्पिनर सुयश शर्मा की गेंदबाजी से बहुत प्रभावित नजर आये जिन्होंने ईडन गार्डन्स में अपने पदार्पण आईपीएल मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ कमाल का प्रदर्शन किया। कोलकाता ने बेंगलुरु से यह मैच 81 रन से जीता।

केकेआर ने पहले खेलते हुए 204 रन बनाये। आरसीबी ने अच्छी शुरूआत की लेकिन कोलकाता ने जैसे ही अपने स्पिनरों को आक्रमण पर लगाया बेंगलुरु की पारी पर ब्रेक लग गया। सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती और सुयश शर्मा की स्पिन तिकड़ी ने कुल नौ विकेट लेकर बेंगलुरु को 123 रन पर समेट दिया। सुयश ने अपना पदार्पण किया और तीन विकेट लेकर जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

जियोसिनेमा के आईपीएल विशेषज्ञ पार्थिव पटेल ने कहा, उन्होंने अपनी गेंदबाजी से प्रभाव छोड़ा। हमने उन्हें दिल्ली के लिए अंडर-25 में गेंदबाजी करते देखा है। कप्तान नीतीश राणा ने कहा कि वह अलग किस्म के लेग स्पिनर हैं। वह ज्यादातर गुगली डालते हैं लेकिन उनके पास गति भी है। हम उनका आत्मविश्वास देख सकते हैं जब वह कप्तान के साथ डीआरएस मांग रहे थे। उनका 70 हजार लोगों के सामने परफॉर्म करना सराहनीय है। विराट कोहली और फाफ डुप्लेसी ने अच्छी शुरूआत की लेकिन दोनों लगातार ओवरों में बोल्ड हो गए। कोहली को सुनील नारायण और फाफ को वरुण चक्रवर्ती ने बोल्ड किया।

जियोसिनेमा के आईपीएल विशेषज्ञ सुरेश रैना ने चक्रवर्ती के आत्मविश्वास की सराहना करते हुए कहा, उन्होंने काफी सटीकता से गेंदबाजी की और उनकी गेंद में गति भी थी। उनकी वापसी से पहले उन्हें कंधे और घुटने की चोट थी लेकिन उन्होंने शानदार फिटनेस दिखाई जिस तरह उन्होंने अपनी गेंद पर पीछे दौड़कर कैच लपका। जब आप चोट से उबरकर लौटते हैं और टूर्नामेंट की शुरूआत में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो यह आपके आत्मविश्वास को बदलता है।

ओलम्पिक चैंपियन होलुब कोवालिक गर्भवती, करियर निलंबित किया

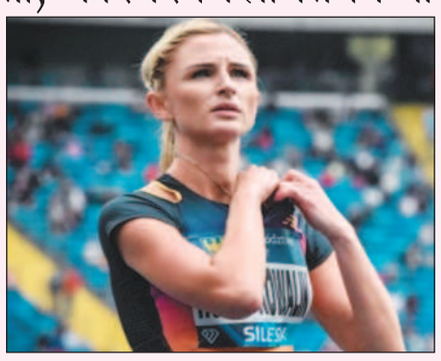

वारसॉ, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। दो बार की ओलम्पिक पदक विजेता पोलैंड की स्प्रिंटर मालगोरजाता होलुब कोवालिक ने घोषणा की है कि वह गर्भवती हैं और अपना करियर निलंबित कर रही हैं। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार कोवालिक ने साथ ही कहा कि वह नहीं जानती कि वह ट्रैक पर लौट भी पाएंगी या नहीं। 30 वर्षीय एथलीट ने 2020 टोक्यो ओलम्पिक में पोलैंड के लिए दो पदक जीते थे। उन्होंने महिला चार गुना 400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक और मिश्रित रिले में कांस्य पदक जीता। कोवालिक ने पोलिश मीडिया के साथ इंटरव्यू में कहा, मैं बहुत खुश हूं। मैं अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण क्षण की तैयारी कर रही हूं। मैंने हमेशा कहा है कि परिवार मेरे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। मैं अपने शरीर को अच्छी तरह जानती हूं , इसलिए मुझे लगा कि कुछ होने वाला है। मैं डॉक्टर के पास गयी जिन्होंने पुष्टि की कि मैं गर्भवती हूं। इसलिए मैंने अपना करियर निलंबित कर दिया है। एथलीट ने कहा, मैं खेल में लौटने की कोशिश करूंगी।

कगिसो रबाडा की पंजाब किंग्स में हुई वापसी

लियाम लिविंगस्टोन को लेकर कोच वसीम जाफर ने दिया अपडेट

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2023 में अपने अगले मैच से पहले पंजाब किंग्स की टीम और मजबूत हो गई है। दरअसल, टीम के साथ दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा जुड़ गए हैं। कगिसो रबाडा का शुक्रवार को ही पंजाब किंग्स में स्वागत हुआ। पंजाब किंग्स के सोशल मीडिया हैंडल से रबाडा की फोटो जारी कर यह जानकारी दी गई है कि यह गेंदबाज अगले मैच में खेलता हुआ नजर आएगा। वहीं पंजाब किंग्स के कोच वसीम जाफर ने भी इस जानकारी की पुष्टि की है। वसीम जाफर ने यह भी बताया है कि इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन भी अगले हफ्ते टीम के साथ जुड़ जाएंगे।

आपको बता दें कि कगिसो रबाडा अभी तक दक्षिण अफ्रीका के लिए नीदरलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेल रहे थे। इसी वजह से वो आईपीएल के शुरुआती मैचों में टीम का हिस्सा नहीं थे। वहीं लियाम लिविंगस्टोन भी चोट की वजह से लंबे समय से क्रिकेट से दूर हैं। उन्होंने दिसंबर 2022 के बाद से कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है। लिविंगस्टोन अभी रिहैब की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं और यह माना जा रहा है कि ईसीबी की मंजूरी के बाद वो अगले हफ्ते पंजाब किंग्स के साथ जुड़ जाएंगे।

दोनों मैच जीत चुकी है पंजाब

पंजाब किंग्स आईपीएल 2023 में अपने दो मुकाबले खेल चुकी है और दोनों ही मैचों में पंजाब की जीत हुई है। पहले मैच में पंजाब ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ डकवर्थ लुइस नियम के तहत 7 रन से जीत दर्ज की थी। वहीं दूसरे मैच में पंजाब ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 5 रन से जीत दर्ज की थी। पंजाब का अब अगला मुकाबला 9 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के साथ है। टीम के प्रदर्शन से कोच वसीम जाफर काफी खुश हैं। उन्होंने कहा है कि खिलाड़ी अच्छा कर रहे हैं, नए खिलाड़ियों के और आ जाने से हमारी टीम मजबूत होगी, हम अपने प्रदर्शन को जारी रखेंगे।

कगिसो रबाडा के टीम के साथ जुड़ जाने से पंजाब किंग्स को एक नई मजबूत मिल सकती है, क्योंकि रबाडा आईपीएल के बेस्ट गेंदबाजों में से एक हैं। रबाडा के लिए पिछला सीजन बहुत ही अच्छा रहा था। पिछले सीजन में उन्होंने 13 मैचों में 23 विकेट हासिल किए थे।

अमेरिका, यूएई ने 2023 विश्व कप क्वालीफायर के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने नामीबिया में छह टीमों के विश्व कप क्वालीफायर प्लेऑफ में शीर्ष दो स्थान पर रहकर इस वर्ष जिम्बाब्वे में होने वाले विश्व कप क्वालीफायर के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अमेरिका पांच मैचों में चार जीत के साथ तालिका में शीर्ष पर रहा।

अमेरिका यूएई से आमने सामने के मुकाबले में आगे रहकर शीर्ष पर रहा। यूएई ने आखिरी दिन जर्सी पर जीत हासिल की और अमेरिका के अंकों की बराबरी पर पहुंच गया।

मेजबान नामीबिया और कनाडा ने कड़ा संघर्ष किया लेकिन वे पांच मैचों में तीन-तीन जीत हासिल कर चूक गए। अमेरिका और यूएई अब आठ अन्य टीमों के साथ जिम्बाब्वे में क्वॉलिफायर टूर्नामेंट में जूझेंगे जिसमें से दो टीमें भारत में अक्टूबर-नवम्बर में होने वाले विश्व कप में जगह बनाएंगी।

हेटमायर की क्षमता वाले खिलाड़ी को बटलर और सैमसन के बाद बल्लेबाजी करनी चाहिए : टॉम मूडी

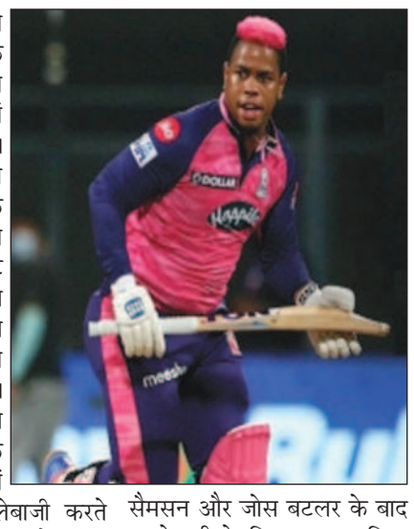

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व प्रमुख कोच टॉम मूडी का मानना है कि शिमरॉन हेटमायर जैसी क्षमता वाले खिलाड़ी को राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजी लाइन अप में जोस बटलर और कप्तान संजू सैमसन के बाद बल्लेबाजी में आना चाहिए क्योंकि वेस्ट इंडियन ज्यादा ओवर खेलने में सक्षम हैं।

गुवाहाटी में पंजाब किंग्स के खिलाफ 198 का पीछा करते हुए रॉयल्स ने 11 ओवर में 91 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद समीकरण 36 गेंदों पर 77 रन चला गया। सात नंबर पर बल्लेबाजी करने आये हेटमायर ने तेजी से खेलते हुए 18 गेंदों में 36 रन बनाये और आखिरी ओवर में आउट हुए। राजस्थान पांच रन से यह मुकाबला हार गया।

मूडी ने क्रिकइंफो के टी20 टाइम शो में कहा, मुझे लगता है कि वह बेहतर बल्लेबाज हैं। वह कीरोन पोलार्ड या आंद्रे रसेल के स्तर के खिलाड़ी नहीं हैं जो आखिरी छह ओवरों में प्रहार करते हैं। दोनों खिलाड़ी आईपीएल के आईकॉन हैं। उनका निर्दिष्ट स्किल सेट है। हेटमायर भी ऐसा कर सकते हैं लेकिन वह इससे ज्यादा सम्पूर्ण बल्लेबाज हैं। उन्होंने कहा, हमने उन्हें वेस्ट इंडीज के लिए 50 ओवर में नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते देखा है। वह अब उनके लिए ज्यादा नहीं खेलते हैं लेकिन जब उन्होंने युवा खिलाड़ी के रूप में खेलना शुरू किया था उन्होंने वेस्ट इंडीज के लिए शीर्ष क्रम के बल्लेबाज के रूप में अंतर्राष्ट्रीय शतक बनाये थे। उनके जैसी क्षमता वाले खिलाड़ी को संजू सैमसन और जोस बटलर के बाद बल्लेबाजी के लिए आना चाहिए। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने भी मूडी के विचारों से सहमति जताई और कहा कि हेटमायर राजस्थान के लिए पांचवें नंबर पर आएं जबकि सैमसन चौथे नंबर पर और देवदत्त पडिकल तीसरे नंबर पर आएं।

प्रश्न पत्र लीक होने के पीछे बीआरएस नेताओं का हाथ : बंडी

वरंगल में 'बेरोजगारों का मार्च' शुरू करने का लिया संकल्प

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने शुक्रवार को तेलंगाना राज्य द्वारा आयोजित लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) भर्ती परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों के लीक होने के विरोध में वारंगल में बहुत जल्द "निरुद्योग मार्च" (बेरोजगारों का मार्च) आयोजित करने की घोषणा की। करीमनगर जेल से जमानत पर रिहा होने के बाद पत्रकारों से बातचीत में संजय ने कहा कि एसएससी परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने के पीछे खुद भारत राष्ट्र समिति के नेताओं का हाथ है। तेलुगु प्रश्न पत्र किसने लीक किया है? क्या कोई लीक करेगा हिंदी का प्रश्नपत्र? यह और कुछ नहीं, बल्कि भाजपा को बदनाम करने की साजिश है।

बंडी ने हैरानी जताई कि बीआरएस नेता, जो खुद को राज्य में प्रौद्योगिकी के अग्रणी होने का दावा करते हैं, लीकेज के पीछे की साजिश को क्यों नहीं तोड़ पाए। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ईमानदार है, तो उसे मुझ पर और मेरी पार्टी पर दोषारोपण करने के बजाय उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश द्वारा न्यायिक जांच का आदेश देना चाहिए। वारंगल के पुलिस आयुक्त मुझ पर दोष कैसे डाल सकते हैं? नलगोंडा और अन्य जिलों में उनके कार्यकाल के दिनों से हम उनके कुकर्मों का पर्दाफाश करेंगे।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने खेद व्यक्त किया कि पुलिस ने उन्हें अपनी सास का अंतिम संस्कार करने की जिम्मेदारी नहीं निभाने दी, जिन्होंने उन्हें अपने बेटे की तरह माना। उन्होंने कहा कि क्या जनता द्वारा चुने गए सांसद के साथ पुलिस ऐसा व्यवहार करती है? उन्होंने आलोचना की कि वे मुझे उचित नोटिस नहीं देते हैं और मेरी गिरफ्तारी के कारणों का खुलासा नहीं करते हैं। मैं अपने बच्चों और भगवान की कसम खाता हूं कि प्रश्नपत्र लीक होने से मेरा कोई संबंध नहीं है। उन्होंने घोषणा की कि वह करीमनगर में अपने निवास पर हमला करने के लिए पुलिस को विशेषाधिकार नोटिस देंगे और इसके लिए जिम्मेदार सभी लोगों को अदालत में घसीटेंगे। उन्होंने लोकसभा सचिवालय को यह कहकर गुमराह करने के लिए पुलिस को भी दोषी ठहराया कि उन्हें बोम्मालारामराम पुलिस स्टेशन से रिहा कर दिया गया था। अगर यह सच है, तो पुलिस मुझे अपने वाहनों में घंटों एक साथ कई जगहों पर क्यों ले गई और आखिरकार मुझे जेल क्यों भेज दिया?

संजय ने सोचा कि अगर कोई पत्रकार लीक हुए प्रश्न पत्र को व्हाट्सएप के माध्यम से साझा करता है तो इसे अपराध क्यों माना जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि परीक्षा केंद्र से प्रश्न पत्र कैसे लीक हुआ और इस पर नहीं कि किसने किसके साथ प्रश्नपत्र साझा किया।

राज्य के वित्त मंत्री टी. हरीश राव की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए कि पुलिस को उन्हें निवारक हिरासत अधिनियम के तहत बुक करना चाहिए, संजय ने मांग की कि वास्तव में हरीश राव पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया जाना चाहिए। संजय ने बीआरएस नेताओं पर उन्हें पागल बताने पर जमकर निशाना साधा।

बंडी की जमानत सीएम केसीआर के मुंह पर तमाचा : चुघ

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव व तेलंगाना राज्य प्रभारी तरुण चुघ ने यहां शुक्रवार को बंडी संजय कुमार की जमानत मुख्यमंत्री के. चद्रशेखर राव के मुंह पर तमाचा साबित हुई। उन्होंने कहा कि भाजपा को संविधान और न्याय व्यवस्था पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि संजय 'शुद्ध मोती' की तरह सामने आएंगे।

उन्होंने कहा कि तथ्य यह है कि राज्य सरकार द्वारा उन्हें जेल में रखने और तेलंगाना में प्रधानमंत्री की विकास पहलों में भाग लेने से रोकने के पूरे प्रयासों के बावजूद मुख्यमंत्री द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए "झूठे" मामले में बंडी संजय को जमानत मिली है। हालांकि राज्य ने संजय पर कथित साजिश में मुख्य आरोपी होने का आरोप लगाया और एक झूठी कहानी बनाने की कोशिश की कि वह इसमें शामिल थे, अदालत ने उन्हें जमानत दे दी। चुघ ने कहा कि उच्च न्यायालय में दलीलों के दौरान, खंडपीठ ने आरोप पर एक स्पष्ट सवाल उठाया और देखा कि कैसे सार्वजनिक डोमेन में एक दस्तावेज़ साझा करना एक अपराध है।

तेलंगाना के लोगों के लिए, केसीआर की नौटंकी कोई नई नहीं है। ऐसा वह पहले भी कई बार कर चुका है और ताजा मामला विधायक का झूठा अवैध शिकार का मामला है। लोगों को यह भी साफ है कि वह घटिया हथकंडे अपनाता रहा है। उन्होंने कहा कि अपनी असफलताओं से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए उसने 10वीं कक्षा के पेपर लीक की साजिश रची। भाजपा राजनीतिक और कानूनी दोनों तरह से केसीआर से लड़ेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि 1200 शहीदों की आकांक्षाएं पूरी हों, जिन्होंने रोजगार, धन और पानी के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। यह अब सिर्फ समय की बात है।

पीएम मोदी का तेलंगाना दौरा आज

राज्य में करेंगे 11 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शुभारंभ

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को हैदराबाद में सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने के अलावा तेलंगाना में 11,300 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। शहर के तेज दौरे में, पीएम मोदी सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में एक जनसभा में भी भाग लेंगे। प्रधानमंत्री हैदराबाद के पास बीबीनगर एम्स और पांच राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। वह सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला भी रखेंगे और रेलवे से संबंधित अन्य विकास परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस, जो हैदराबाद को भगवान वेंकटेश्वर, तिरुपति के निवास स्थान से जोड़ती है, तीन महीने की छोटी अवधि के भीतर तेलंगाना से शुरू की जाने वाली दूसरी वंदे भारत ट्रेन है। ट्रेन दोनों शहरों के बीच यात्रा के समय को लगभग साढ़े तीन घंटे कम कर देगी और तीर्थयात्रियों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होगी।

720 करोड़ रुपये की लागत से किए जाने वाले सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की योजना इस तरह बनाई जा रही है कि यह विश्व स्तरीय सुविधाओं और सौंदर्यपूर्ण रूप से डिजाइन किए गए प्रतिष्ठित स्टेशन भवन के साथ बड़े पैमाने पर बदलाव से गुजरेगा।

पुनर्विकसित स्टेशन में एक ही स्थान पर सभी यात्री सुविधाओं के साथ एक डबल-स्तरीय विशाल रूफ प्लाजा होगा, साथ ही यात्रियों को रेल से अन्य साधनों में निर्बाध स्थानांतरण प्रदान करने के लिए मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी भी होगी। यात्रा के दौरान, पीएम मोदी हैदराबाद-सिकंदराबाद जुड़वां शहर क्षेत्र के उपनगरीय खंड में 13 नई मल्टी-

मोडल ट्रांसपोर्ट सर्विस (एमएमटीएस) सेवाओं को हरी झंडी दिखाएंगे, जो यात्रियों को तेज, सुविधाजनक और आरामदायक यात्रा विकल्प प्रदान करेगी। वह सिकंदराबाद-महबूबनगर परियोजना के दोहरीकरण और विद्युतीकरण को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। करीब 1,410 करोड़ रुपये की लागत से 85 किमी से अधिक की दूरी तक फैली परियोजना को पूरा किया गया है। यह परियोजना निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगी और ट्रेनों की औसत गति बढ़ाने में सहायता करेगी।

परेड ग्राउंड में सार्वजनिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री एम्स बीबीनगर की आधारशिला रखेंगे। एम्स बीबीनगर को 1,350 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया जा रहा है। एम्स बीबीनगर की स्थापना तेलंगाना के लोगों को उनके दरवाजे पर व्यापक, गुणवत्तापूर्ण और समग्र तृतीयक देखभाल स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। प्रधानमंत्री 7,850 करोड़ रुपये से अधिक की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे। ये सड़क परियोजनाएं तेलंगाना और आंध्र प्रदेश दोनों के सड़क संपर्क को मजबूत करेंगी और क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में सहायता करेंगी। बाद में उसी दिन हैदराबाद दौरे के बाद पीएम मोदी तमिलनाडु के लिए रवाना होने वाले हैं।

पीएम का दौरा : आज हैदराबाद में ट्रैफिक डायवर्जन

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शनिवार को हैदराबाद दौरे को देखते हुए पुलिस ने शुक्रवार को यातायात परामर्श दिशानिर्देश जारी किए और यात्रियों से कहा कि वे सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन व परेड ग्राउंड के पास संभावित यातायात भीड़ को ध्यान में रखते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे अपने दिन की योजना पहले से बना लें और वैकल्पिक मार्ग अपनाएं क्योंकि शनिवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक यातायात प्रतिबंध लागू रहेगा। पुलिस द्वारा जारी ट्रैफिक एडवाइजरी में कहा गया है कि यात्रियों को इन मार्गों पर भारी ट्रैफिक जाम लग सकता है।

पुलिस ने यात्रियों को मोनप्पा (राजीव गांधी प्रतिमा) सर्कल, ग्रीनलैंड्स, प्रकाशनगर, रसूलपुरा, सीटीओ, प्लाजा चौराहा, एसबीआई, वाईएमसीए, सेंट जॉन्स रोटरी, संगीत चौराहा, अलुगड्डावी, मेट्टुगुडा, चिलकलगुडा, ब्रुक बॉन्ड कॉलोनी, टिवोली चौराहा, बालमराय, सिकंदराबाद क्लब, त्रिमुलघेरी, ताडबंद और सेंट्रल पॉइंट जंक्शन से बचने की सलाह दी। इसी तरह, टिवोली चौराहे से प्लाजा चौराहे और इसके विपरीत सड़क खंड जनता के लिए बंद रहेगा। इनके अलावा, एसबीएच चौराहा से स्वीकार उपकार जंक्शन और इसके विपरीत सड़क मार्ग भी यातायात के लिए बंद रहेंगे।

केंद्र ने राज्यों से सीधे कोविड टीके और बूस्टर शॉट्स खरीदने को कहा

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र सरकार ने कोविड-19 के टीके और बूस्टर शॉट्स केंद्रीय रूप से खरीदने और उन्हें राज्यों को आपूर्ति करने के अपने पहले की नीति को बंद कर दिया है।

देश में कोविड-19 की तैयारियों की समीक्षा के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने शुक्रवार को राज्यों को खुले बाजार से सीधे कोविड टीके और बूस्टर शॉट्स खरीदने की सलाह दी।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में, जिसमें राज्य के स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव भी शामिल थे, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट किया कि केंद्र कोविड टीकों की खरीद में शामिल नहीं होगा और कहा कि खुले बाजार में पर्याप्त बफर स्टॉक उपलब्ध था जो अलग-अलग राज्यों की जरूरतों को पूरा करेगा।

इससे पहले, वीडियो कॉन्फ्रेंस में, हरीश राव ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि तेलंगाना और अन्य राज्यों को कोविड वैक्सीन की खुराक और बूस्टर शॉट्स उपलब्ध हों। हरीश राव ने डॉ मंडाविया को यह भी याद दिलाया कि उन्होंने पत्र लिखकर राज्य के पास कोविड एहतियाती खुराक की पर्याप्त आपूर्ति की मांग की है। जनसंख्या के एक बड़े वर्ग को कोविड टीके और बूस्टर शॉट्स देने में तेलंगाना सबसे आगे रहा है। हालांकि, पिछले कुछ महीनों से हमें केंद्र से कोविड टीकों का ताजा स्टॉक नहीं मिल रहा है। हरीश राव ने कहा कि हाल ही में कोविड संक्रमण के बढ़ने और प्रतिरोधक क्षमता कम होने को देखते हुए, अलग-अलग राज्यों को बूस्टर शॉट्स का बफर स्टॉक रखने की आवश्यकता है।

कोविड समीक्षा बैठक में, अन्य राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों ने भी इसी तरह का अनुरोध किया और स्वास्थ्य मंत्रालय से केंद्रीय रूप से कोविड टीकों की खरीद और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराने का आग्रह किया। सम्मेलन में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कोविड से निपटने में राज्यों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए, हालांकि, यह स्पष्ट किया कि खुले बाजार से सीधे कोविड टीके और बूस्टर शॉट्स खरीदने वाले राज्य ही आगे बढ़ने का सबसे अच्छा तरीका है।

पीएम मोदी के दौरे से पहले बीआरएस-बीजेपी में जुबानी जंग तेज

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शनिवार को हैदराबाद दौरे के साथ ही तेलंगाना राज्य के विकास को लेकर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है।

पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि वंदे भारत नाम की एक ट्रेन का कितनी बार उद्घाटन किया जाएगा और कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने पिछले नौ वर्षों के दौरान तेलंगाना के विकास के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी पर मोदी कैबिनेट में बने रहने के बावजूद अपने सिकंदराबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र को विकसित करने में विफल रहने का भी आरोप लगाया।

बीआरएस के एक अन्य वरिष्ठ नेता और राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बी. विनोद कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगवानी नहीं करेंगे, जब वह शनिवार को विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के लिए हैदराबाद आएंगे। उन्होंने बताया कि प्रधान मंत्री ने प्रोटोकॉल मानदंडों का पालन नहीं किया था और इसके अलावा, जब मुख्यमंत्री अपनी पिछली यात्राओं के दौरान तेलंगाना गए थे, तब उन्होंने उनका अपमान किया था। इसके अलावा, प्रधान मंत्री परियोजनाओं और धन के आवंटन में तेलंगाना के प्रति भेदभाव दिखा रहे थे।

बीआरएस विधायक बालका सुमन ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने सिंगरेनी कोलियरीज में कोयला ब्लॉक की नीलामी के लिए अधिसूचना जारी की थी और यह सिंगरेनी कोलियरीज के निजीकरण का स्पष्ट प्रमाण है। इस बीच, करीमनगर में मीडिया से बात करते हुए, भाजपा राज्य इकाई के अध्यक्ष बंडी संजय ने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर कोयला ब्लॉक निजीकरण के नाम पर सिंगरेनी कोलियरीज के श्रमिकों को गुमराह करने का आरोप लगाया और बीआरएस नेताओं द्वारा निजीकरण पर लगाए गए सभी आरोपों की निंदा की। एक अन्य भाजपा विधायक इटेला राजेंदर ने आरोप लगाया कि कोयला ब्लॉकों की संपत्ति को कम करने के लिए मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं और वह जानबूझकर सिंगरेनी कोलियरीज को घाटे में धकेल रहे हैं।

दूसरी ओर, जहां बीआरएस नेता शनिवार को तेलंगाना में सिंगरेनी कोलियरीज में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहे हैं, वहीं केंद्र सरकार के कोयला ब्लॉकों की नीलामी के फैसले का विरोध कर रहे हैं, वहीं तेलंगाना भाजपा के नेता एक जुट होकर अपनी ताकत दिखाने की योजना बना रहे हैं।

चलती टीएसआरटीसी इलेक्ट्रिक बस में लगी आग

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) की एक चलती इलेक्ट्रिक बस में शुक्रवार सुबह बेगमपेट में आग लग गई। घटना में किसी को चोट नहीं आई। पुलिस को आशंका है कि शार्ट सर्किट से आग लगी है। पुलिस ने कहा कि घटना सुबह करीब 9 बजे हुई, जब बस बेगमपेटसे पैराडाइज की ओर जा रही थी। बताया जा रहा है कि बस में अचानक आग लग गई और चालक ने देखा और वाहन को सड़क पर रोक दिया। यात्रियों को सतर्क किया गया और वे सुरक्षा के लिए पहुंचे। बस स्टाफ ने दमकल विभाग और पुलिस को सूचना दी। दमकल विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, तब तक बस आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। एक अधिकारी ने कहा कि हमें संदेह है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग सकती है।

अमरावती भूमि याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 14 को करेगा सुनवाई

अमरावती, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट 14 अप्रैल को राजधानी शहर के बाहर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस)के लिए आवास स्थलों को आवंटित करने के लिए आर5 जोन के निर्माण में हस्तक्षेप की मांग करने वाली अमरावती में किसानों की याचिका पर सुनवाई करेगा। याचिकाकर्ता के वकील दामा शेषाद्री नायडू के अनुरोध पर भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा कि उस दिन के लिए तैयार मामलों की सूची के कारण मामले की सुनवाई 14 अप्रैल को होगी न कि 10 अप्रैल को।

जब अमरावती के किसानों ने 6 अप्रैल को राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण को एनटीआर और गुंटूर के जिला कलेक्टरों को भूमि हस्तांतरित करने की अनुमति देने वाले जीओ-45 को चुनौती देते हुए कई याचिकाएं दायर कीं, ताकि दोनों जिलों के गरीबों को अमरावती में आवास स्थल उपलब्ध कराया जा सके, एपी उच्च न्यायालय ने अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार कर दिया।

31 मार्च को, राज्य सरकार ने अमरावती में 1,134.58 एकड़ भूमि में फैली योजनाओं को बनाने के लिए जीओ-45 जारी किया, ताकि गरीबों को घर उपलब्ध कराया जा सके। राज्य ने उक्त भूमि के विकास के लिए निर्देश भी दिए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

धान क्रय केंद्र के हुक्म से किसान परेशान

धान सुखाने के लिए आरक्षित कर रहे हैं सड़कें

करीमनगर, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ऐसे दिन थे जब किसान बीज और खाद के लिए सरकारी कार्यालयों के सामने कतार में अपना सामान पहले से ही रख कर अपना स्थान आरक्षित कर लेते थे, किंतु वर्तमान में किसानों को धान सुखाने के लिए सड़कें आरक्षित करना पड़ता है।

इसी तरह के दृश्य अभी भी करीमनगर जिले के विभिन्न स्थानों में देखे जा सकते हैं, लेकिन बीज और खाद के लिए नहीं। इन दिनों धान को सुखाने के लिए जगह बुक करना है। हुजूराबाद से लेकर वीणावंका सहित कई अन्य मंडलों में किसान खाली बोरे रखकर सड़कों पर अपना ठिकाना सुरक्षित करते नजर आ रहे हैं।

यह राज्य में धान की खेती के क्षेत्र के बाद है, विशेष रूप से तत्कालीन करीमनगर जिले में, कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के निर्माण के बाद वृद्धि हुई, जिसके परिणामस्वरूप फसल की मात्रा भी बढ़ गई। पहले किसान फसल काटने के लिए मजदूरों को लगाते थे और खेत में ही सुखाकर बाजार ले जाते थे। आजकल फसल को सुखाने के लिए हार्वेस्टर लगे होने के कारण फसल को सुखाना एक बड़ी समस्या बन गई है। अगर हार्वेस्टर की मदद से फसल काटी गई तो धान को खेत में सुखाना संभव नहीं है।

धान क्रय केंद्र किसानों से पूरी तरह सूख जाने के बाद ही फसल लाने को कह रहे हैं, किसान अब

वैकल्पिक स्थानों की तलाश कर रहे हैं क्योंकि उनमें से अधिकांश के पास अपने घरों में पर्याप्त जगह नहीं है।

ऐसे में उन्हें सड़कों का रुख करना पड़ रहा है और वहां भी जगह कम होने के कारण उन्होंने अपने लिए जगह आरक्षित करनी शुरू कर दी है। हालांकि यासंगी सीजन की फसल की कटाई अभी शुरू नहीं हुई है, लेकिन किसानों ने जगह आरक्षित करना शुरू कर दिया है। कुछ किसानों ने हुजूराबाद के केसी कैंप से एपलानरसिंगापुर गांव तक सड़क किनारे खाली खाद की थैलियां रखकर जगह पर कब्जा कर लिया है।

केसी कैंप के निवासी रमेश ने तेलंगाना टुडे से बात करते हुए बताया कि इप्पलानरसिंगापुर और दम्मक्कापेट के किसानों ने धान सुखाने के लिए खाली बैग रखकर सड़क पर अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है। एपलानरसिंगापुर के एक किसान ने कहा कि उन्होंने सड़क पर जगह को सुखाने के लिए आरक्षित किया है क्योंकि उनके घरों में पर्याप्त जगह नहीं है। सड़क पर फसल सूखने पर वाहनों की आवाजाही और सड़क हादसों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वे दूसरी तरफ वाहनों की आवाजाही के लिए खाली छोड़ कर केवल एक तरफ की फसल को सुखाएंगे। हालांकि, सड़क सुरक्षा कार्यकर्ता सड़कों पर फसलों के सूखने के साथ होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को लेकर अधिक चिंतित थे। पिछले साल, जगतियालजिले के कोरुतलाके पास सड़क पर रखे धान से बाइक चलाते हुए एक युवक की दुर्घटना हो गई और उसकी मृत्यु हो गई।

ऑयल पॉम की खेती से बढ़ेगी किसानों की आय : चेयरमैन

यदाद्री-भोंगिर, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सहकारी तेल उत्पादक महासंघ के अध्यक्ष कंचेरला रामकृष्ण रेड्डी ने कहा कि ताड़ के तेल की खेती से किसानों को किसी भी अन्य फसल की तुलना में अधिक आय प्राप्त करने में मदद मिलेगी। जिले के भोंगिर मंडल के चीमाला कोंडूर में एक खेत में तेल ताड़ के रोपण का शुभारंभ करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों को फसलों की खेती के पारंपरिक तरीकों से लाभकारी खेती की ओर मुड़ने की जरूरत है।

सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होने पर धान की खेती करना किसानों के लिए एक प्रथा बन गई है, अन्यथा कपास की खेती का सहारा लें। किसानों को आधुनिक खेती के तरीकों को अपनाना चाहिए जिससे अधिक आमदनी हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए पाम आयल की खेती के लिए प्रोत्साहित करने का फैसला किया है।

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का प्लेटफॉर्म नंबर 10 आज बंद रहेगा

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को सिकंदराबादसे तिरुपतितकवंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन की यात्रा के मद्देनजर, प्लेटफॉर्म नंबर 10 यात्रियों की आवाजाही और टिकट बुकिंग, खानपान स्टालों और प्रतीक्षालय जैसी सुविधाओं के लिए बंद रहेगा यात्रियों के लिए बंद रहेगा। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि प्रतिबंध शुक्रवार दोपहर 12 बजे से शनिवार दोपहर 1 बजे तक लागू रहेंगे। इस दौरान दो पहिया व चार पहिया वाहनों की पार्किंग भी बंद रहेगी। रेलवे अधिकारियों ने नागरिकों से परिवर्तन पर ध्यान देने और तदनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाने का अनुरोध किया।

3.38 लाख हिताधिकारियों को मिलेंगी भेड़ इकाईयां

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने भेड़ वितरण कार्यक्रम के दूसरे चरण के तहत 3.38 लाख लाभार्थियों को भेड़ इकाइयों को वितरित करने का लक्ष्य रखा है। गुरुवार को यहां जिलाधिकारियों और अन्य अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में, मुख्य सचिव शांति कुमार ने उन्हें भेड़ इकाइयों के सग्रह, परिवहन और लाभार्थियों से जमा राशि के संग्रह के लिए एक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में 3.38 लाख लोगों को भेड़ बांटने के लक्ष्य के अनुरूप योजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि भेड़ वितरण कार्यक्रम संबंधित जिला कलेक्टरों के नेतृत्व में आयोजित किया जाना चाहिए, उन्होंने कहा कि 12 जिलों के कलेक्टरों, जिनमें सबसे अधिक लाभार्थी हैं, को विशेष उपाय शुरू करने के लिए कहा गया है। मुख्य सचिव ने 14 अप्रैल को डॉ. बीआर अम्बेडकरकी 125 फीट ऊंची प्रतिमा के अनावरण के लिए जिला कलेक्टरों को अपने-अपने जिलों के लोगों के साथ आने का निर्देश दिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.